RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 153
नई दिल्ली, रविवार, 11 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

नए युग का मानव रीमोट
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

चुनावी हिंसा में पांच की मौत, उठा सियासी तूफान

- हिंसा के बीच 77 फीसदी वोटिंग, सीआईएसएफ की फायरिंग में 4 मरे, बूथ के बाहर एक वोटर की हत्या
- चुनाव आयोग के मुताबिक केंद्रीय बल ने आत्मरक्षा में की फायरिंग
- प्रधानमंत्री ने हिंसा के लिए ममता को जिम्मेदार ठहराया, ममता ने शाह पर उकसाने का आरोप लगा मांगा इस्तीफा

पश्चिम बंगाल में चौथे दौर का मतदान

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में मतदान के दौरान हुई हिंसा में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाते लोग

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चौथे चरण के मतदान के दौरान हिंसा में पांच लोगों की जान चली गई। चार लोगों की मौत भीड़ को काबू करने की कोशिश में सीआईएसएफ जवानों की गोली से हुई जबकि एक व्यक्ति मतदान केंद्र के दौरान झड़प में मारा गया।

हालांकि दृढ़ मतदाताओं ने अपने तरीके से आतंक का मुकाबला किया और शाम साढ़े पांच बजे तक 76.16 प्रतिशत से अधिक वोट डालकर फैसला ईवीएम के हवाले कर दिया। सत्ता में लौटने के लिए कड़े संघर्ष से गुजर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय बलों और भाजपा पर हिंसा करने का आरोप लगाया, जबकि चुनाव आयोग ने कहा कि केंद्रीय बलों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। हिंसा की घटनाओं को लेकर सियासी तूफान खड़ा हो गया है। हुगली में जहां 76.02 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं हावड़ा में मत प्रतिशत 75.03 रहा। दक्षिण-24 परगना में 75.49, जबकि अलीपुरद्वार में 73.65 फीसदी वोट डाले गए। सबसे अधिक हिंसा का शिकार हुए कूच बिहार में भी मतदाता पीछे नहीं हटे और यहां 79.73 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य के पांच जिलों की 44 अन्य सीटों पर भी शनिवार को मतदान के दौरान हिंसक घटनाएं हुईं। मौत की पांचों घटनाएं कूचबिहार के सीतलकूची ब्लॉक में हुईं। यह इलाका उत्तरी बंगाल में बांग्लादेश, भूटान और असम की सीमा से सटा है।

सूत्रों ने बताया कि एक बच्चे को सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा पीटकर हत्या करने की अफवाह फैलने के बाद करीब 300 से 400 ग्रामीणों ने बूथ संख्या 126 पर हमला बोल दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए यहां तैनात सीआईएसएफ कर्मियों ने गोली चलाई जिसमें चार लोग मारे गए। इनमें तीन हमीदुल, मनीरुल और समीलुल एक ही परिवार से हैं। गोलीबारी में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांचवें व्यक्ति की मौत भी सीतलकूची में पास के ही बूथ पर हुई। पीड़ित आनंद बर्मन पहली बार वोट डालने वाला था। आरोप है कि उस पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पंचायत सदस्य ने हमला किया। संयोग से यह वही ब्लॉक है, जहां कुछ दिन पहले बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप (शेष पेज 9)

केंद्रीय बलों की 71 और कंपनियां जाएंगी बंगाल

- चुनाव आयोग के अनुरोध पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में शेष चार चरणों के चुनाव कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र बल (सीएपीएफ) की 71 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को शनिवार को निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अबतक, राज्य में चुनाव कराने के लिए कुल 1,000 कंपनियों को रखा गया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं। नई कंपनियों को सीमा सुरक्षा बल (33), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (13), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (12), सशस्त्र सीमा बल (9) और सीआईएसएफ (4) से लिया गया है। सीएपीएफ की एक कंपनी में लगभग 85 कर्मी होते हैं। पश्चिम बंगाल में शनिवार को चौथे चरण का मतदान हुआ। राज्य में आठ चरणों में मतदान होना है। अगले चरणों के चुनाव 17, 22, 26 और 29 अप्रैल को होने हैं।

कूच बिहार जिले में नेताओं के प्रवेश पर 72 घंटे की रोक

- अब बंगाल में मतदान से 48 के बजाय 72 घंटे पहले चुनाव प्रचार होगा बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने कूच बिहार जिले में हिंसा के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान कुछ पाबंदियां लगाई हैं। जिनमें राज्य में पांचवें चरण के मतदान से पहले प्रचार खत्म करने की सीमा 48 घंटे से बढ़ाकर 72 घंटे करना भी शामिल है।

आयोग ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और बिगड़ने की किसी भी आशंका से बचने के लिए कूच बिहार जिले में अगले 72 घंटों तक नेताओं के प्रवेश पर रोक लगा दिया है। राज्य में चौथे चरण के मतदान के दौरान शनिवार को जिले में कथित तौर पर स्थानीय लोगों द्वारा केंद्रीय बलों पर हमले और उनकी राइफलें छीनने की कोशिश के बाद केंद्रीय बलों द्वारा की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत के बाद आयोग ने यह पाबंदियां लगाई (शेष पेज 9)

चुनाव आयोग सख्त

कोविड नियमों का पालन हो अन्यथा रैलियों पर लगेगी रोक

- खास तौर पर मास्क न लगाने वाले स्टार प्रचारकों पर कसेगी लगाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा के चार चरणों के मतदान के बाद चुनाव आयोग कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर गंभीर हो गया है। आयोग ने स्टार प्रचारकों और राजनीतिक दलों के नेताओं पर उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने, मास्क नहीं लगाने के मामलों का इशारा करते हुए कहा कि इन लोगों पर प्रतिबंध लगाने के साथ रैलियों पर भी रोक लगाने में संकोच नहीं करेगा।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों को सलाह दी है कि चुनाव प्रचार के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर और मास्क लगाकर कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन कर स्थानीय लोगों के सामने उदाहरण पेश कर सकते हैं। आयोग ने शुक्रवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नेताओं को लिखे पत्र में कहा कि व्यापक रूप से विदित है कि पिछले कुछ सप्ताहों में कोविड-19 के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। हालांकि आयोग के संज्ञान में चुनावी सभाओं प्रचार के ऐसे मामले आए हैं जहां सामाजिक दूरी, मास्क पहनने जैसे नियमों का उल्लंघन किया गया और आयोग के दिशा-निर्देशों की अवज्ञा की गई। पत्र के अनुसार, ऐसा करके राजनीतिक दल और उम्मीदवार खुद को और इन चुनावी सभाओं में शामिल हो रहे लोगों को भी संक्रमण के गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उल्लंघन के मामलों में वह अवज्ञा करने वाले उम्मीदवारों, स्टार प्रचारकों या राजनीतिक दलों के नेताओं की जनसभाओं, रैलियों पर आगे किसी अन्य सूचना के बिना पाबंदी लगाने में संकोच नहीं करेगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को चुनाव प्रचार करने के दौरान मास्क के उपयोग पर आयोग और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। असम में तीन चरणों में और तमिलनाडु, केरल तथा पुडुचेरी में एक चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है, वहीं पश्चिम बंगाल में आठ चरणों के मतदान की प्रक्रिया का चौथा चरण शनिवार को संपन्न हुआ। आयोग ने कहा कि नियमों के पालन में बरती जा रही ढिलाई को उसने गंभीरता से लिया है जिनमें खासकर मंच पर नेताओं द्वारा मास्क नहीं पहनना तथा सामाजिक दूरी (शेष पेज 9)

सीमा विवाद जल्द निपटाने पर सहमति

एलएसी गतिरोध

- भारत-चीन के कोर कमांडरों के बीच 12 घंटे से ज्यादा चली मैराथन बैठक में हुई सहमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गतिरोध वाले बिंदुओं से सैनिकों को पीछे हटाकर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शीघ्र तनाव कम करने के लिए सहमत हो गए हैं। दोनों पक्षों ने एलएसी पर स्थिरता कायम करने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

एलएसी पर चुशुल-मोल्दो सीमा पर शुक्रवार को आयोजित कोर कमांडरों की बैठक में यह फैसला हुआ है। पिछले साल मई में टकराव शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच यह 11वें दौर की बैठक हुई। करीब 12 घंटे चली बैठक के बाद शनिवार को जारी बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने विस्तार से अपना-अपना पक्ष रखा और मौजूदा समझौते और प्रोटोकॉल के तहत टकराव को जल्द से जल्द सुलझाने पर राजी हुए। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि एलएसी से पूरी तरह सैनिकों को पीछे हटाने से ही शांति बहाली का मार्ग प्रशस्त होगा। दोनों पक्ष इस बात पर भी सहमत हुए कि गतिरोध को अति शीघ्र सुलझाने के लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि अपने नेताओं से मार्गदर्शन लें, वार्ता का दौर जारी रखें और ऐसा समझौता अमल में लाएं जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो।

दोनों कमांडर संयुक्त रूप से सीमा पर स्थिरता बनाए रखने और हिंसा की नई घटनाओं से बचने के लिए भी राजी हुए। यहां सीमा क्षेत्रों से मतलब होट स्प्रिंग, गोगरा और डेपसांग घाटी से है, जहां अभी भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। मुद्दे को सुलझाने में पहली सफलता बीते फरवरी में मिली, जब दोनों सेनाओं ने अपने सैनिकों को लद्दाख में पैंगोंग त्सो (झील) के दक्षिणी और उत्तरी किनारे से (शेष पेज 9)

कोरोना संक्रमण के साथ दिल्ली में बढ़ी पाबंदियां

- मेट्रो, बस और रेस्तरां व बार 50 फीसदी की क्षमता के साथ संचालित होंगे, कोचिंग, कॉलेज, तरणताल रहेंगे बंद
- शादी समारोह में 50 और अंतिम संस्कार में 20 लोग होंगे शामिल
- महाराष्ट्र से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट जरूरी

नई दिल्ली में एक केंद्र पर कोरोना जांच को पहुंचे लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने शनिवार को कई पाबंदिया बढ़ा दी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक सभी तरह की सभाओं पर रोक, स्वीमिंग पूल बंद करने, मृत्यु और शादी में लोगों की संख्या सीमित करने के साथ कोचिंग और कॉलेज बंद रहेंगे। इसके अलावा मेट्रो, डीटीसी बसों के साथ रेस्तरां और बार को 50 फीसदी क्षमता के साथ संचालित करने के आदेश जारी किए गए हैं। महाराष्ट्र से आने वाले विमान यात्रियों की आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट जरूरी होगी और न होने की स्थिति में यात्रियों को 14 दिन क्वारंटीन रहना होगा। कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर सभी तरह के सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक सभाओं पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही राष्ट्रीय एवं वैश्विक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के उद्देश्य को छोड़कर दिल्ली में स्वीमिंग पूल बंद रहेंगे। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार इसके साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अंतिम संस्कार में 20 लोगों से अधिक के शामिल होने की इजाजत नहीं होगी और विवाह कार्यक्रम में 50 व्यक्ति तक शामिल हो पाएंगे।

यूपी में कोरोना मामलों में आया बड़ा उछाल

- एक दिन में 12,787 केस सामने आए, अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा
- टीके की कमी से निपटने को विशेषज्ञों ने सरकार को स्पुतनिक व फाइजर जैसी वैक्सीन को अनुमति देने की सलाह दी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में शनिवार को 12,787 कोरोना वायरस संक्रमण के केस आए। महामारी शुरू होने के बाद एक दिन में आने वाला यह सबसे ज्यादा मामला है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन लोगों की संख्या करीब साढ़े छह महीने बाद फिर से 10 लाख से अधिक हो गई। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण 794 और लोगों की मौत हो गई, जो पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद से किसी एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। इस संक्रमण से अब तक मारे गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,68,436 हो गई है।

मामलों में उछाल आने के बाद लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान को और तेज करने की जरूरत महसूस की जा रही है। विभिन्न राज्यों में टीके की कमी की शिकायतों के मद्देनजर विशेषज्ञों ने सरकार को सलाह दी है कि वह केवल दो टीके सीरम इंस्टीट्यूट के कोविशील्ड और भारत बायोटेक के कोवैक्सीन पर ही निर्भर न रहे। फेज तीन के क्लीनिकल ट्रायल में रूसी वैक्सीन स्पुतनिक फाइव 91.6 फीसदी प्रभावी (शेष पेज 9)

त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद चुनाव में भाजपा की हार

पायनियर समाचार सेवा। अगरतला

त्रिपुरा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रद्योत किशोर देब बर्मन की अगुवाई वाले टीआईपीआरए ने शनिवार को त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव में 28 में से 18 सीटों पर जीत हासिल की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि तिपराहा इंडिजीनियस प्रोग्रेसिव रीजनल अलायंस (टीआईपीआरए) ने 18 और भाजपा ने नौ सीटों पर जीत दर्ज की है। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली है। तीस सदस्ईय आदिवासी परिषद की 28 सीटों पर मंगलवार को मतदान हुआ था। शेष दो सीटों पर राज्यपाल राज्य सरकार की सलाह पर दो सदस्यों को मनोनीत करेंगे। राज्य का दो तिहाई क्षेत्र टीटीएएडीसी शासन के तहत आता है। इसे आदिवासियों का क्षेत्र कहा जाता है। त्रिपुरा की एक तिहाई आबादी आदिवासी है। देबबर्मन ने अपने समर्थकों से अपनी नव स्थापित पार्टी को चुनाव में बहुमत मिलने का जश्न शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आग्रह किया (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,591	
निफ्टी	14,834	
सोना	46,257	/10g
चांदी	66,253	/kg

क्विक न्यूज

भारत-श्रीलंका के बीच एयर बबल समझौता

नई दिल्ली। भारत ने विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों के संचालन के लिए श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय एयर बबल समझौता किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने शनिवार को इस आशय की जानकारी दी। इसके साथ ही भारत अफगानिस्तान, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, मालदीव, नाइजीरिया, कतर, यूएई, ब्रिटेन और अमेरिका सहित 28 देशों के साथ एयर बबल समझौता कर चुका है। दो देशों के बीच एयर बबल समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे की सीमा में कुछ पाबंदियोंशर्तों के साथ विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों का संचालन कर सकते है। नागर विमानन मंत्रालय ने ट्वीट किया, भारत ने श्रीलंका के साथ एयर बबल समझौता कर लिया है। दक्षेस देशों के साथ यह छठवां और कुल 28वां समझौता है। मंत्रालय ने कहा, निकट भविष्य में अभी पात्र यात्री दोनों देशों के बीच यात्रा कर सकेंगे।

इटावा में ट्रक पलटने से 12 श्रद्धालुओं की मौत

इटावा में दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य करने पहुंची पुलिस और स्थानीय लोग

- करीब 45 अन्य घायल

पायनियर समाचार सेवा। इटावा

उप्र के इटावा जिले में नेजा (झंडा) चढ़ाने कालिका देवी मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं से भरे एक ट्रक के शनिवार शाम पलट जाने से 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित करीब 45 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य पूरी तेजी से करने और दुर्घटना में घायल लोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता (शेष पेज 9)

शहीदों के लिए शतकुंडिया यज्ञ करेंगे योगेश्वर दास

कुंभ मेला

- देश के लिए बलिदान करने वालों के परिजन लेते हैं इसमें भाग, 2003 से इसका आयोजन कर रहे हैं दास
- हरिद्वार में गंगा तट पर तीन एकड़ में बसाया गया है अस्थायी शहीद नगर

गजेंद्र सिंह नेगी। हरिद्वार

कुंभ मेले को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला माना जाता है। यहां पर आप विभिन्न साधु और संतों को अलग अलग धार्मिक, परंपराओं और आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न देख सकते हैं। लेकिन बालक योगेश्वर दास जैसे कुछ ऐसे भी संत हैं जो अपने अलग तौर तरीके और साधना के जरिये लोगों का ध्यान आकृष्ट कर लेते हैं।

ये प्रत्येक कुंभ और अर्धकुंभ में दास 100 शतकुंडिया यज्ञ का आयोजन करते हैं। यह उन लोगों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता जिन्होंने देश के लिए अपना जान न्योछावर कर दिया। वे यह काम वर्ष 2003 से कर रहे हैं। इस साल कुंभ मेला क्षेत्र में अस्थायी शहीद नगर में यह यज्ञ 11 अप्रैल से शुरू होगा और 26 अप्रैल तक चलेगा। यह शिविर हरिद्वार में गंगा तट पर बैरागी कैंप में तीन एकड़ में फैला हुआ है। दास आयोजन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। इस बार 450 शहीदों के परिवार वालों को आमंत्रण भेजा गया है। इसमें 26/11 मुंबई हमले, पुलवामा हमले और कारगिल जंग में प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों का परिवार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि शहीदों के लिए विशेष यज्ञ के आयोजन का विचार मेजर अजय सिंह जसरोथिया के बलिदान के बाद आया। परिवार की पीड़ा ने मुझे प्रेरित किया कि शहीदों के लिए मैं कुछ करुं। उन्होंने कहा कि यदि ये नौजवान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर सकते हैं तो हम उनके लिए यज्ञ क्यों नहीं कर सकते।

हाथ जोड़े बालक योगेश्वर दास। दूसरी ओर शहीद नगर में शतकुंडिया यज्ञ के लिए आयोजन स्थल के निर्माण की तैयारियां चल रहीं हैं जोरों पर।

दास के देश में कई स्थानों पर आश्रम है तथा दुनिया भर में काफी संख्या में उनके अनुयायी हैं। उन्होंने कहा कि शुरु में शहीदों के परिवारों को लिए यज्ञ के लिए मनाने में उन्हें दिक्कत पेश आई थी। उन्होंने कहा कि मैं देश के सभी हिस्सों में व्यक्तिगत तौर जाकर शहीदों के परिजनों से मिला और उन्हें इसके लिए तैयार किया। धीरे धीरे उन्हें यह विचार पसंद आने लगा और वे यज्ञ में भाग लेने लगे। यज्ञ के दौरान शहीदों के परिवार के सदस्य अपनी पीड़ा को साझा करते हैं। कुछ मामलों में परिवारों के बीच शादी वगैरह भी तय हुई है। गंगा के तट पर हवन कुंड तैयार किया (शेष पेज 9)

साझा करने से कम होती है पीड़ाः शारदा

हरिद्वार। जम्मू-कश्मीर स्थित अखनूर निवासी शारदा का मानना है कि दास के कारण उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। कारगिल युद्ध के दौरान 1999 में तोलोलिंग में शहीद होने वाले हवलदार दलेर सिंह की विधवा शारदा ने बताया कि पति के शहीद होने के बाद दास उनके घर आए थे और यज्ञ में शामिल होने का अनुरोध किया था, जिसका आयोजन कसबे में किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मैं यज्ञ में शामिल हुई और पाया कि मैं ही अकेली दुखियारी नहीं हूं। लोगों से अपनी पीड़ा साझा करने से दुख कम होता है। दास ने शारदा में आए बदलाव को देखकर उन्हें राजनीति में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। पिछले साल बीडीसी चुनाव में शारदा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 11 अप्रैल 2021

कृषि बिल के विरोध में किसानों ने ईस्टर्न पेरिफेरल पर लगाया जाम

रूट डायवर्ट कर ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों को निकाला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चारपाई डालकर जाम लगाते किसान।

शनिवार को बड़ी संख्या में किसान गाजियाबाद के डासना इलाके के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पहुंचे और हाईवे को जाम कर दिया। 24 घंटे के इस जाम की कड़ी में सुबह नौ बजे मसूरी में डासना से प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर एक्सप्रेसवे पर चढ़े और इसकी दोनों लेन पर कब्जा कर लिया। किसान केएमपी एक्सप्रेसवे पर चारपाई डालकर बैठ गए। इस कारण दोनों ओर जाम लग गया, लेकिन बाद में ट्रैफिक को डायवर्ट कर वाहनों को निकाला गया।

अपने तय समय के करीब आधा घंटा देरी से नौ बजे किसान केएमपी पर पहुंचे और एक्सप्रेसवे को पूरी तरह जाम कर दिया। किसान नेता जगतार सिंह बाजवा और धर्मेंद्र मलिक की अगुवाई में किसान केएमपी पर जुटे। जिसके बाद केएमपी पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। वहीं किसानों ने साफ तौर पर कहा कि जब तक सरकार किसान बिल वापस नहीं ले लेती, वह आंदोलन जारी रखेंगे। इसी का अहसास कराने के लिए किसान आंदोलन से जुड़ा संयुक्त किसान मोर्चा बीच-बीच में अपनी ताकत को इस तरह के प्रदर्शन से दर्शाता रहता है। इसी कड़ी में पूर्व में भी ईस्टर्न पेरीफेरल को जाम कर टोल को टैक्स फ्री भी किया गया था।

किसानों द्वारा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जाम करने के बाद गाजियाबाद जिले के ट्रैफिक रूट मे बदलाव किया गया। जो वाहन मेरठ रोड पर ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे होकर ग्रेटर नोएडा की तरफ जा रहे थे,उनको नेशनल हाईवे 9 से निकाला गया। वहीं ग्रेटर नोएडा से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होते हुए मुरादनगर या मेरठ जाने वाले वाहनों को भी नेशनल हाईवे 9 से होते हुए नेशनल हाईवे 58 की तरफ जाने को कहा गया।

उधर, लगातार बढ़ते जाम ने अधिकारियों के हाथ-पांव फुला दिए। जाम लगा रहे किसानों को समझाने के लिए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने किसानों को समझाते हुए उनसे जाम खोलने की अपील की। हालात संभालने के लिए पुलिस ने कई जगहों से ट्रैफिक को दूसरी सड़कों पर डाइवर्ट कर वाहनों को निकाला।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे जिसे सामान्य रूप से केजीपी और केएमपी के नाम से जाना जाता है। इस पर उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा को कनेक्ट करने वाला ट्रैफिक मुख्य रूप से दौड़ता है। जाम के कारण तीन राज्यों का ट्रैफिक प्रभावित हुआ।

हिरासत से भाग गया आरोपी चार पुलिसकर्मी हुए निलंबित

9वीं की छात्रा को अगवा करने की दी थी धमकी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस हिरासत से आरोपी के फरार होने के मामले में पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। गुरुवार को इन चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कासना कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था। इन सभी पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने का आरोप लगा है।

दरअसल, नौवीं की एक छात्रा को घर से उठाने की धमकी देने वाला आरोपी इनकी कस्टडी से फरार हो गया था। इसी सिलसिले में इन पर कार्रवाई हुई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। ग्रेटर नोएडा की ईकोटेक-तीन थाना पुलिस ने नौवीं कक्षा की एक छात्रा को घर से उठाने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी राजन गुप्ता को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने 4 मार्च को उसे जेल भेजा था। हवालात में उसे खून की उल्टी हुई थी। तब जेल के अस्पताल में ही उसका उपचार कराया गया था। बीते 1 अप्रैल को आरोपी को इलाज व जांच के लिए ग्रेटर नोएडा स्थिति जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां से गुरुवार को आरोपी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था। इस मामले में लापरवाह पुलिस कर्मी हेड कांस्टेबल मयंक शुक्ला, कांस्टेबल पंकज, सुनील और विनीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

शहर में बिना मास्क घूमने वालों की नहीं खैर

पुलिस ने दो दिनों में 1400 से भी ज्यादा लोगों पर की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कोरोना वायरस का संक्रमण विकराल रूप धारण कर रहा है। दूसरी ओर आम आदमी पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की बात मानने के लिए तैयार नहीं है। लोग भीड़ भरे इलाकों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे हैं। मास्क लगाने से परहेज बरतते हैं। लिहाजा, गुरुवार को पुलिस ने सख्ती बरती जिसमें जिले भर के हजारों लोगों के चालान काटे गए। बड़ी संख्या में वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं।

शुक्रवार को जिले में 77 लोगों के खिलाफनिषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर एफ आईआर दर्ज की गई है। गौतमबुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने कहा है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौतमबुद्ध नगर में कोविड-19 महामारी के पुनः संक्रमण के खतरे को देखते हुए पुलिस सख्ती बरत रही है। पुलिस कमिश्नर ने सभी थाना क्षेत्रों में पीसीआर, माइक मोबाइल जीप, पैदल गश्त टीम और स्वयं पुलिस अधिकारियों को सक्रिय रहने का आदेश दिया है। कोविड गाइडलाइन्स, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क लगाने, दो गज की दूरी रखने और रात्रि कर्फ्यू के संबंध में लगातार अनाउंसमेंट किया जा रहा है। यदि कोई भी व्यक्ति कोविड संबंधी नियमों का उल्लंघन कर रहा है तो उस पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को बिना मास्क लगाए सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले 6,006 लोगों का चालान किया गया है। इनसे 6,00,600 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। जिले में 1,262 वाहनों का चालान करके 1,63,900 रुपये शमन शुल्क वसूला गया है।

होम आइसोलेट मरीजों की सहायता के लिए 26 डॉक्टरों की टीम कर रही काम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● लोग बोले-आईसोलेशन टीम कर रही बढ़िया काम

गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग उपचार और निगरानी के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि होम आइसोलेट मरीजों की सहायता करने के लिए 26 डॉक्टरों की टीम काम कर रही है। संक्रमित लोगों की सभी प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस वक्त 309 मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। इनमें इंटरनेशनल ट्रैवलर्स की संख्या 247 है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ललित कुमार ने बताया कि टीम में 21 ऑपरेटिंग ऑफिसर, 4 डॉक्टर और नोडल ऑफिसर तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिन मरीजों को होम क्वारंटाइन में रखा गया है, उनकी मॉनिटरिंग डॉक्टरों की टीम सुबह-शाम करती है। विदेश से यात्रा करके लौटे पार्श्वनाथ प्रेस्टीज सेक्टर 93ए में रहने वाले अभिषेक सिंह चौहान होम आइसोलेट हैं। उन्होंने कहा, होम आईसोलेशन टीम बहुत अच्छा काम कर रही है।

सरेराह मोबाइल लूटने वाले 4 धरे गए

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने शनिवार दोपहर को गांधीनगर चौराहे से मोबाइल लूटने वाले 4 लुटेरों को गिरफ्तार किया है। यह लुटेरे सुनसान जगह पर लोगों से मोबाइल लूटकर फरार हो जाते थे उसके बाद एक दुकान पर सप्लाई करते थे। यह दुकानदार इन मोबाइल फोन के लॉक तोड़कर उन्हें बेच देता था।

एसपी सिटी ने बताया कि सिहानी गेट पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी की चार युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहे हैं। पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताई जगह पर छापा मारा जहां से नितिन चटोला,अर्जुन उर्फ चीता, अमन व जसपाल को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी जय सलेला को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

ठगे लोगों को शिकार बनाने वाले दो शातिर गिरफ्तार

गाजियाबाद। महानगर साइबर सेल और कविनगर थाना पुलिस ने दो ऐसे शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है जो ठगे हुए लोगों को ही अपना निशाना बनाते थे। खास बात यह है कि ठगे गए लोगों को यह गिरोह लोकपाल अधिकारी या फिर एंटी करप्शन ब्यूरो का अधिकारी बताकर उन्हें यह समझाते थे कि उनके साथ जो ठगी की गई है वह उनका पैसा वापस दिलवा देंगे। इस संबंध में पुलिस ने दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है जिनके नाम नवीन और पुनीत है। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र राज्य के चांदपुर जिले में 60 लाख की ठगी का मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से ये दोनों फरार चल रहे थे। महाराष्ट्र पुलिस अब इन दोनों को गाजियाबाद से ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र ले जाएगी।

शनिवार को नगर पुलिस अधीक्षक प्रथम निपुण अग्रवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी दिल्ली के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि इस गिरोह के तार अखिल भारतीय स्तर पर फैले हुए हैं और इन लोगों ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

बहुमंजिला अस्पताल बनाए जाने के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठी महिलाएं।

पांचवें दिन 7 महिलाएं बैठी भूख हड़ताल पर

नोएडा। सेक्टर 71 स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट में बनाए जा रहे बहुमंजिला अस्पताल के खिलाफ चल रहे सुनील चौधरी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल के 5वें दिन 7 महिलाओं ने सांकेतिक भूख हड़ताल रखा। भूख हड़ताल रखने वालों में दमयंती देवी संगीता निर्मला, अनीता सुबहदम रानी पार्वती आज धरना स्थल पर सुरेंद्र व उनकी टीम के द्वारा सुंदरकांड का पाठ आयोजित करवाया गया। सुनील चौधरी ने कहा जब तक प्राधिकरण हमारी बात नहीं सुनता तब तक हमारा भूख हड़ताल इसी तरह चलता रहेगा। इस मौके पर सते प्रधान, गजेंद्र यादव जय वीर बाबा गौरव यादव, संजय कौशिक जगदीश यादव कैलाश शाह सतपाल यादव, राम शर्मा उर्मिला, प्रवेश त्यागी, रेणुका, सुशीला भारती रेणुका मेथी बबली आरती शर्मिला बनर्जी, अनुज त्यागी एवं तमाम सेक्टर 71 के लोगों ने अपना पूरा समर्थन दिया।

शनिवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते स्कूल प्रबंधन के लोग।

स्कूल प्रबंधकों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच जिला प्रशासन द्वारा इस वर्ष भी सभी शिक्षण संस्थान बार-बार बन्द करने के निर्देशों का अब स्कूल संचालकों ने विरोध शुरू कर दिया। स्कूल संचालकों ने शनिवार को इस फैसले के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर 17 अप्रैल के बाद स्कूल बंदी को बढ़ाया गया तो गाजियाबाद के स्कूल संचालक भूख हड़ताल कर इसका विरोध करेंगे। इस संबंध में शिक्षण संस्थानों की कई संस्थाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन भी सौंपा। रॉयल्स किड्स स्कूल की निदेशक डॉ.रिचा सूद ने बताया कि परीक्षाओं के लिए स्कूल खोले जा रहे हैं लेकिन अधिकतर स्कूलों में परीक्षाएं समाप्त हो गई हैं। नया सत्र लागू हो रहा है, ऐसे में दोबारा से स्कूल बंद होने से प्रबंधक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

13 से 15 अप्रैल तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें

गाजियाबाद। ग्राम पंचायत चुनाव को शांतिपूर्वक कराने को लेकर डीएम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। मतदान के दौरान प्रत्याशियों द्वारा शराब के प्रलोभन व वितरण की आशंका को देखते हुए उन्होंने जनपद में दो दिन शराब के ठेके बन्द रखने के निर्देश दिए हैं।

इस निर्देश के अंतर्गत 13 अप्रैल की शाम पांच बजे से लेकर 15 अप्रैल को मतदान खत्म होने तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी। डीएम अजय शंकर पाण्डेय ने इस संबंध में सभी शराब की दुकानों के संचालकों को निर्देश देते हुए कड़ाई से इसका पालन करने के निर्देश दिए हैं। पंचायत चुनाव के पहले चरण में 15 अप्रैल को मतदान होना है। जिसके मद्देनजर जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय ने मतदान से 48 घंटे पहले से निर्वाचन क्षेत्र और उसके चारों ओर 8 किलोमीटर की परिधि में आने वाले सभी आबकारी अनुज्ञापन, सभी मादक पदार्थों की थोक एवं फुटकर बिक्री पर रोक लगा दी है।

गाजियाबाद में 15 कोविड अस्पतालों को डीएम ने दी मंजूरी

1050 बेड के अलावा 260 आईसीसीयू की भी होगी व्यवस्था, नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय

कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्ती और बढ़ा दी है। इंतजामों में भी प्रशासन द्वारा बढ़ोतरी की जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय की माने तो जनपद में 15 नए कोविड-19 अस्पतालों को मंजूरी दी गई है। जिनमें 1050 बेड की व्यवस्था होगी। साथ 260 आईसीसीयू को मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा सामान्य अस्पतालों में भी कोविड-19 अलग व्यवस्था की जा रही है। डीएम ने यह भी बताया कि किसी भी अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित नहीं होगी ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार स्वास्थ्य विभाग में मौजूद है। प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों द्वारा इस पर लगातार नजर रखी जा रही है और जगह-जगह बिना मास्क चलने वाले लोगों की चेकिंग की जा रही है और उन पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है।

उधर, जिला एमएमजी अस्पताल, जिला महिला अस्पताल में वैक्सीन का टीकाकरण जारी है। कुछ स्थानों पर टीके की कमी के कारण वैक्सीनेशन का कार्यक्रम नहीं हो पा रहा है। सीएमओ ने कहा है कि जल्दी व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी।

महिला अस्पताल की सीएमएस डॉक्टर संगीता गोयल ने बताया कि अस्पताल में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है यहां पर लगातार लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। केवल उन्हीं को लगाई जा रही है जिनकी उम्र 45 साल से ज्यादा है।

दूसरी ओर, पुलिस ने जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाकर मास्क ना पहनने वाले लोगों का चालान किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित पाठक ने बताया कि शनिवार को लगभग साढ़े 500 लोगों को मास्क नहीं लगाने के कारण उन पर जुर्माना लगाया गया।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने कोरोना संक्रमण में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए एक और आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार शहर के सभी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सिनेमाघरों, मॉल्स, होटल, रेस्तरां, और पार्कों में टोकन के जरिये एंट्री दी जाएगी।

चालान काटने पर बिजली कर्मियों ने काट दी बिजली

नोएडा। रबूपुरा में बिजली कर्मियों का चालान काटना पुलिस को भारी पड़ा। इससे गुस्साए बिजली विभाग के कर्मियों ने थाने और आरोपी दारोगा के आवास की बिजली काट दी। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझा और कोतवाली की बिजली आपूर्ति बहाल की गई।

गुरूवार को रबूपुरा कोतवाली पुलिस कोरोना वायरस संक्रमण के दिशा-निर्देशों के मुताबिक फेस मॉस्क की चेकिंग कर रही थी। बिजली कर्मियों का आरोप है कि चेकिंग कर रहे दारोगा ने दबंगई दिखाते हुए बेवजह बिजली कर्मियों का चालान काट दिया।

नोएडा में महिला समेत तीन ने की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● परिवारिक विवाद में पंखे से झूल गया युवक

जनपद गौतमबुद्धनगर में अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत तीन लोगों द्वारा आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं।

पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र के चरणी बिहार के रहने वाले 35 वर्षीय हरीश ने शनिवार दोपहर को घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि हरीश के इस कदम के पीछे वजह संभवत: पारिवारिक विवाद है हालांकि मामले की जांच की जा रही है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाली पूनम पत्नी सोनू ने शनिवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में थाना फेस-3 क्षेत्र के बसई गांव में रहने वाले राजीव कुमार (18 वर्ष) ने शुक्रवार की रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने बताया कि राजीव मूल रूप से जनपद हरदोई का रहने वाला था और वह सेक्टर 122 स्थित एक कंपनी में काम करता था। मीडिया प्रभारी ने बताया कि वह चार दिन पहले ही अपने गांव से लौटा था।

मंत्री सुरेश खन्ना ने जिम्स का किया दौरा

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना शनिवार सुबह ग्रेटर नोएडा पहुंचे। सुरेश खन्ना ने राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) का दौरा किया और यहां मौजूद सुविधाएं देखी।

मंत्री ने कहा कि कोरोना के खिलाफ चल रही जंग में अब तक जिम्स ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। इस दूसरे दौर के संक्रमण में भी जिम्स की भूमिका अहम है। लिहाजा, हर संभव प्रयास करके लोगों को सुविधाएं और मदद दी जाए। मंत्री ने कोरोना को लेकर जिम्स हॉस्पिटल में समीक्षा बैठक भी की।

शनिवार को ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) का निरीक्षण करते उत्तर प्रदेश सरकार के चिकित्सा, शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना।

ईंट मारकर पड़ोसी की कर दी हत्या

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति की उसके पड़ोस में रहने वाले एक शख्स ने शराब पीते समय हुए विवाद मे ईंट से हमला करके हत्या कर दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी अभिनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर 63 में रहने वाले मनवीर (42 वर्ष) पुत्र खजानी राम को उसके पड़ोस में रहने वाले मुकेश उर्फ लंबू ने बीती रात को ईट से वार करके गंभीर रूप से घायल कर दिया था। अधिक रक्तस्राव होने की वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस बाबत मृतक के भाई ने मुकेश उर्फ लंबू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

96 परिषदीय स्कूलों का कायाकल्प करेगा प्राधिकरण

विद्यार्थियों को मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं, खर्च होंगे 430.21 लाख रुपए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा प्राधिकरण अब अपने अधिसूचित क्षेत्र में आने वाले स्कूलों की हालत सुधारेगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसके तहत अथॉरिटी अधिसूचित क्षेत्र में कुल 96 परिषदीय विद्यालयों इनमें 34 उच्च माध्यमिक और 62 प्राथमिक विद्यालय को आधुनिक बनाएगी। इन सभी विद्यालयों में 14 मानकों के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें करीब 430.21 लाख रुपये का खर्च आएगा।

इस मुहिम को ऑपरेशन कायाकल्प नाम दिया गया है। प्राधिकरण की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु महेश्वरी ने आदेश दिया किए सभी परिषदीय स्कूलों में कायाकल्प जून, 2021 से शुरु हो जाना चाहिए। उन्होंने 31 जुलाई 2021 तक इस मुहिम को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। दरअसल, अथॉरिटी के अधिसूचित क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत नोएडा प्राधिकरण ने कोई कार्य नहीं कराया है। गौतमबुद्धनगर के जिला बेसिक अधिकारी ने 25 अगस्त, 2020 को प्राधिकरण की सीईओ को एक पत्र भेजा था। इसमें अवगत कराया गया कि यह कार्य ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला शहरी विकास एजेंसी व लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। अगर प्राधिकरण इस धनराशि को वित्त पोषित करे और शिक्षा विभाग विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से इस योजना को पूरा कराए, तो उस पर सेंटेज चार्ज सहित 459.79 लाख रुपए खर्च होंगे। हालांकि अगर प्राधिकरण इस स्कीम को पूरा कराता है, तो उस पर अलग से सेंटेज चार्ज नहीं देना होगा। इससे अथॉरिटी को अतिरिक्त धनराशि की बचत होगी। इन फैक्ट्स को बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

इसके बाद निर्णय लिया गया कि अधिसूचित क्षेत्र में आने वाले सभी माध्यमिक व परिषदीय स्कूलों का कायाकल्प नोएडा प्राधिकरण करेगा। बुधवार को हुई बैठक में सीईओ रितु महेश्वरी ने अधिकारियों के साथ इन तथ्यों की समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए।

इन सुविधाओं को दी गई वरीयता

- पढ़ाई के लिए ब्लैक बोर्ड
- छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था
- स्वच्छ पेयजल एवं मल्टीपल हैंडवॉशिंग सिस्टम
- जल निकासी की उचित सुविधा
- विद्यालय की दीवारों, छत व दरवाजे, खिडकी, फर्श की मरम्मत कराना और फर्श में टाइल्स लगवाना
- स्कूलों में विद्युतीकरण का कार्य पूरा कराना
- फर्नीचर की उपस्थिति
- चहारदीवारी और गेट लगाना

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम)
द्वितीय तल, एशिया भवन, रोड नंबर 205, सेक्टर-9, द्वारका, नई दिल्ली - 110077

दिल्ली से वाराणसी तेज गति रेल मार्ग (DVHSRC) पर पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर जनता परामर्श हेतु

NHSRCL प्रस्तावित तेज गति रेल मार्ग (HSRC) दिल्ली से वाराणसी तक लगभग 810 कि.मी. तथा लखनऊ से अयोध्या तक का शाखा-मार्ग लगभग 135 कि.मी. के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) बनाने की प्रक्रिया में है। इसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) और सामाजिक प्रभाव आकलन (EIA) भी शामिल है। इसलिए प्रस्तावित परियोजना पर स्थानीय हितधारकों/जनता से बहुमूल्य प्रतिक्रिया लेने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श का आयोजन किया जा रहा है।

प्रस्तावित दिल्ली से वाराणसी तेज गति रेल मार्ग (DVHSRC) के पर्यावरण और सामाजिक विचारों में रूचि रखने वाले गौतम बुद्ध नगर जिले के लोगों को सार्वजनिक परामर्श में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाता है।

स्थानः सभागार, कलेक्ट्रेट कार्यालय, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा, यू.पी.
दिनांकः २३ अप्रैल २०२१, दोपहर ३:०० बजे (23 April 2021, 3:00 PM)

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

लॉकडाउन विकल्प नहीं, कुछ और प्रतिबंध बढ़ाए जाएंगे: केजरीवाल

मरीजों के लिए अस्पतालों में बेड बढ़ाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि लॉकडाउन लगाना कोई विकल्प नहीं है लेकिन लोगों की सुरक्षा व बचाव के लिए कुछ प्रतिबंधों लागू किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के पास 6 से 7 दिनों के लिए वैक्सीन शेष है। अगर केंद्र वैक्सीन उपलब्ध कराए तो हम 2-3 माह में पूरी दिल्ली के लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल का दौरा कर महामारी से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में बताया

● दिल्ली में 7-10 दिन का वैक्सीन स्टॉक, उम्र सीमा हटे तो 2 से 3 माह में सभी का टीकाकरण

● एलएनजेपी पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री, हालात से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा

गया कि लॉकडाउन कोई विकल्प नहीं है लेकिन वायरस प्रसार की रोकथाम के लिए कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। जो आने वाले दिनों में देखे जा सकते हैं। प्रदेश में कोविड केंद्रों को फिर से स्थापित किया जा रहा है और कुछ ने काम करना शुरू भी कर दिया है।

केजरीवाल ने कहा कि प्रशासन और अस्पताल महानगर में महामारी की 'चौथी लहर' को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम इस समय अस्पतालों में बिस्तर और वेंटिलेटर की उपलब्धता के संदर्भ में अच्छी स्थिति में हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली के लोग सुरक्षित रहें। गौरतलब है कि दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले पिछले कुछ दिनों में बहुत तेजी से बढ़े हैं, और मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 8,521 नए मामले सामने आए, जो पिछले साल 11 नवंबर के बाद से सबसे अधिक दैनिक वृद्धि है, जबकि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 39 और लोगों की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 11,196 हो गई। दिल्ली में अब तक के सबसे अधिक 8,593 मामले 11 नवंबर 2020 को सामने आए थे, जबकि अब तक की सबसे अधिक मौतें 19 नवंबर को हुई थी, जब महानगर में कोविड-19 से 131 लोगों की जान चली गई थी। राजधानी में कोविड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार भी कोरोना की जांच बढ़ा रही है ताकि संक्रमण को रोका जा सके।

केजरीवाल ने कहा कि वर्तमान में 2000 में से 1500 बेड कोविड-19 रोगियों के लिए आरक्षित हैं और भविष्य में आवश्यकताओं के अनुसार इस संख्या को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली के अस्पताल पूरी तैयारी के साथ काम कर रहे हैं। अस्पताल के अपने दौरे के दौरान, केजरीवाल ने एक वीडियो कॉल सुविधा के माध्यम से कोविड-19 वार्ड में भर्ती एक मरीज से बात की और उसकी स्थिति के बारे में पूछा। बयान में कहा गया है कि एलएनजेपी में वीडियो कॉल सुविधा की मदद से मरीज सीधे अपने परिवार के सदस्यों से बात कर सकते हैं।

मास्क संग टीका भी जरूरी

दिल्ली सरकारी अस्पताल में टीकाकरण करातीं महिला व अपनी बारी का इंतजार करते अन्य लोग।

देश में विकास का दिल्ली मॉडल लागू करें पीएम मोदी : सिसोदिया

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनके पास विकास को लेकर दूरदृष्टि है और पीएम नरेंद्र मोदी को आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए योजनाओं पर उनसे चर्चा करनी चाहिए।

सिसोदिया ने दावा किया कि सभी राजनीतिक दल उन राज्यों में शासन के केजरीवाल मॉडल का पालन

करने का वादा कर रहे हैं जहां चुनाव हो रहे हैं। सिसोदिया ने कहा, केजरीवाल एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिनके पास देश के लिए दूरदृष्टि है। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री केजरीवाल से राय लेंगे। सिसोदिया ने दावा किया कि विकास की विभिन्न नीतियों को विकसित करने के लिए दिल्ली एक प्रयोगशाला बन गई है।

ई-कचरा निकालने वाली आठ अवैध इकाइयां सील

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने राष्ट्रीय राजधानी में ई-कचरा निकालने वाली आठ अवैध इकाइयों को सील कर दिया है। यह जानकारी शनिवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई।

डीपीसीसी ने कहा कि अधिकतर इकाइयां सीलमपुर, मुस्तफाबाद, दिलशाद गार्डन, शास्त्री पार्क और भगीरथी पार्क जैसे इलाकों में संचालित हो रही थीं बयान में कहा गया है, डीपीसीसी, पूर्वी दिल्ली नगर निगम और एसडीएम, सीलमपुर की एक टीम द्वारा किए गए संयुक्त निरीक्षण में बुधवार को आठ इकाइयों को सील कर दिया गया। डीपीसीसी ने अवैध ई-कचरा निकालने वाली इकाइयों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। डीपीसीसी ने कहा कि ऐसी इकाइयों को बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया जाएगा और पर्यावरण को क्षति पहुंचाने के लिए उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। उसने चेतावनी दी कि इस तरह के और भी अभियान संचालित किए जाएंगे।

आरकेपुरम में अवैध अतिक्रमण हटाया

नई दिल्ली। आर. के. पुरम सेक्टर 8, सेक्टर 9, कश्मीरी मार्केट, मोहन सिंह मार्केट विवेकानंद मार्ग, रिंग रोड इत्यादि क्षेत्र में अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस कार्यवाही के दौरान निगमअधिकारियों द्वारा आर के पुरम क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि पर अवैध तरीके से किए कब्जे को हटाते हुए लगभग 200 वस्तुओं को जब्त किया।

कोरोना के 7,897 नए मामले, 39 की मौत

नई दिल्ली। शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 7,897 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,14,423 हो गई। इसके अलावा संक्रमण के चलते 39 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 11,235 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। दिल्ली में संक्रमण दर इस साल पहली बार दस प्रतिशत को पार कर 10.21 फीसदी हो गई है। पिछले साल नवंबर के मध्य में संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक थी। दिल्ली में शुक्रवार को संक्रमण के 8,521 नए मामले सामने आए थे जबकि 39 रोगियों की मौत हो गई थी। इस साल पहली बार एक दिन में संक्रमण के आठ हजार से अधिक मामले सामने आए थे। दिल्ली में अब तक एक दिन संक्रमण के सबसे अधिक 8,593 नए मामले 11 नवंबर 2020 को सामने आए थे जबकि 19 नवंबर को दिल्ली में एक दिन में सबसे अधिक 131 कोविड-19 रोगियों की मौत हुई थी।

दिल्ली दंगा : उच्च न्यायालय ने 2 आरोपियों को दी जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने पिछले साल उत्तरपूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगे से जुड़े हत्या एवं आपराधिक साजिश के एक मामले में अभियोजन का सामना कर रहे दो व्यक्तियों को जमानत दे दी है।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने कहा कि आरोपी प्रदीप राय और अमन कश्यप न्यायिक हिरासत में हैं और अभी सुनवाई में अच्छा-खासा वक्त लगेगा। वैसे इस मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बगैर उच्च न्यायालय ने कहा कि उसकी राय है कि दोनों जमानत के हकदार हैं। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि 20,000-20,000 रुपए के निजी बांड और इतनी ही राशि के मुचलके के आधार पर दोनों आरोपियों को जमानत पर रिहा किया जाए। उसने उन्हें किसी भी सरकारी गवाह को परोक्ष या प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित नहीं करने का निर्देश दिया। दयालपुर थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी में इन दोनों ही आरोपियों पर हत्या, दंगा फैलाने, आपराधिक साजिश के आरोप हैं। इससे पहले निचली अदालत ने यह कहते हुए आरोपियों की जमानत अर्जियां खारिज कर दी थीं।

नरेला में 12 को खुलेगा एफसीआई का रजिस्ट्रेशन काउंटर

● एफसीआई के साथ संयुक्त बैठक में फैसला: गोपाल राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को एफसीआई, कृषि और मंडी विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। गोपाल राय ने कहा कि किसानों की मांग पर गेहूं खरीद के लिए नरेला मंडी में सोमवार से एफसीआई का रजिस्ट्रेशन काउंटर 12 अप्रैल से खोला जाएगा।

संयुक्त बैठक में फैसला लिया गया है। नरेला मंडी में सोमवार से काउंटर पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पंजीकरण किया जाएगा और वहीं से किसानों को कूपन दिया जाएगा। नरेला मंडी में

काउंटर खुलने से किसानों की भागदौड़ बच जाएगी। कृषि मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर किसानों की गेहूं फसल तैयार हो चुकी है।

नरेला मंडी में काउंटर नहीं होने की किसानों की तरफ से मिल रही शिकायत पर बातचीत की गई। किसानों की मांग थी कि नजफगढ़ मंडी की तरह नरेला मंडी में भी काउंटर लगाए जाएं। इसके बाद बैठक में तय हुआ है कि सोमवार से नरेला मंडी में भी किसानों के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर खोले जाएंगे। नरेला मंडी के काउंटर पर मंडी विभाग, कृषि विभाग और एफसीआई के अधिकारी बैठेंगे। यहां पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पंजीकरण किया जाएगा और वहीं से किसानों को कूपन दिया जाएगा।

भाजपा विधायकों का धरना

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा की ओर से किसानों की मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री के निवास पर धरने का आयोजन किया गया। संयोजन दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष विनोद सहरावत ने किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि एमएसपी 1975 रुपए प्रति क्विंटल है और अतिरिक्त 50 फीसदी 987.50 रुपए बैठता है।

संक्षिप्त समाचार

अंजली राय को पार्टी की सदस्यता दिलाते राघव चड्ढा।

पूर्व विधायक अंजली राय ने थामा आप का हाथ

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की पूर्व विधायक अंजली राय और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविंद्र सिंह ने शनिवार को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ आम आदमी पार्टी का दामन थामा है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक राघव चड्ढा ने टोपी और पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। राघव चड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार की शिक्षा, मुफ्त इलाज, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त बस और मुफ्त तीर्थ यात्रा के मॉडल से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। अंजली राय ने कहा कि नेतृत्व की कमी के कारण कांग्रेस पार्टी रास्ते से भटक गई है और कार्यकर्ता अपने मन से हार चुके हैं। वहीं रविंद्र सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल लोगों के दिल पर राज कर रहे हैं। अंजली राय ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात की।

योग से हो स्कूल में कक्षा की शुरुआत : पराशर

डॉक्टर आर.पी. पाराशर

नई दिल्ली। भारतीय योग संस्थान की समयपुर शाखा द्वारा स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया शाखा की संचालक सुनीता शुक्ला, ओमवती चौहान, आशा, गुलशन एवं राज के निर्देशन में सैकड़ों साधक साधिकाओं द्वारा योगाभ्यास किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मनोचिकित्सक एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉक्टर आर.पी. पाराशर ने योग के माध्यम से स्वास्थ्य के महत्व पर बोलते हुए दैनिक जीवन में योग को अपनाने की सलाह दी ताकि गैर संक्रामक बीमारियों और जीवनशैली रोगों से बचा जा सके। डॉ पाराशर ने सलाह दी कि सभी प्राइवेट व सरकारी स्कूलों में दिन की शुरुआत छात्रों द्वारा योगाभ्यास से की जानी चाहिए जिससे शारीरिक व मानसिक रूप से छात्र स्वस्थ रहें। इस अवसर पर अनीता जरयाल के अलावा केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित राकेश, प्रवेश, शशि अग्रवाल, देवेंद्र शुक्ला व श्रवण ने भी योग की महत्ता के बारे में अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर भारतीय योग संस्थान द्वारा प्रकाशित साहित्य व सामग्री का वितरण भी उपस्थित लोगों में किया गया।

175 सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण पत्र

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बैजयंत पांडा और भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आदेश कुमार गुप्ता ने सिविक सेंटर में उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा आयोजित समारोह में 175 सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण पत्र दिए। बैजयंत पांडा ने भारतीय जनता पार्टी जो भी वादे करती है वो सभी पूरे करती है। दिल्ली सरकार दिल्ली नगर निगम का 13000 करोड़ रुपये का फंड रोक कर बैठी है जिस कारण कर्मचारियों को समय पर वेतन देने में समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को कहा कि विज्ञापन पर पैसा खर्च किया जा रहा है मगर दिल्ली नगर निगम को पैसा नहीं दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के द्वारा स्वच्छता के संदेश को घर-घर पहुंचाया ताकि हम भारत को स्वच्छ और समृद्ध बना सके। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मचारी देश को स्वच्छ रखने में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

विदेश में नौकरी के नाम पर ठगी, गिरफ्तार

● ऑनलाइन विज्ञापन में देते थे मोटी पगार दिलवाने का लालच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विदेशों में नौकरी दिलाने के फर्जी विज्ञापन ऑनलाइन पोस्ट कर लोगों को ठगने के आरोप में कोलकाता से 48 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान समीर अरविंद पारीख के तौर पर हुई।

उन्होंने बताया कि उसने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लोगों के साथ ठगी करने का इकबाल-ए-जुर्म किया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी और उसके दोस्त पीड़ितों से ऑनलाइन संपर्क करते थे और उन्हें विदेशों में नौकरी दिलाने का वादा करते थे। उन्होंने बताया कि इस आश्वासन पर, आरोपी और उसके

साथी पंजीकरण शुल्क, मेडिकल परीक्षण और साक्षात्कार के नाम पर कुछ रकम खाते में जमा करा लिया करते थे। एक पीड़िता ने जब शिकायत दर्ज कराई तो यह मामला सामने आया।

महिला ने आरोप लगाया कि वह अपने एक कारोबारी साझेदार के साथ भोजन आपूर्ति सेवा का संचालन करती हैं। मार्च के पहले हफ्ते में उन्होंने एक ऑनलाइन इश्तिहार देखा जिसमें विदेश में खानसामे की नौकरी का जिक्र था उन्हें अमेरिका के एक रेस्तरां में खानसामे के तौर पर काम करने के लिए दो हजार डॉलर की तनख्वाह की पेशकश की। कारोबारी साझेदार ने 36-36 हजार रुपए पंजीकरण शुल्क के नाम पर जमा कराए और बाद में जब उस व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश की तो उसका फोन नंबर बंद आने लगा।

न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम रहा

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने रविवार को आकाश साफ रहने का पूर्वानुमान लगाया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में वायु गुणवत्ता सामान्य श्रेणी में दर्ज की गई। शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 181 रहा।

लंबे समय से अनुपस्थित बच्चों को नहीं किया जाएगा प्रमोट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में नर्सरी, पहली और दूसरी कक्षा के सभी छात्रों को अगली कक्षा में अपग्रेड किया जाएगा। केवल उन छात्रों को अपग्रेड नहीं किया जाएगा, जो लंबे समय से अनुपस्थित हैं। वहीं, तीसरी से चौथी और छठी से सातवीं तक के उन छात्रों को भी अपग्रेड किया जाएगा, जिनके परिणाम में उत्तीर्ण लिखा है।

इस संबंध में दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले आठवीं तक के छात्रों को अगली कक्षा में पास करने को लेकर दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं। निदेशालय ने परिपत्र में कहा कि तीसरी से आठवीं तक के छात्रों का परिणाम जारी हो चुका है। उनके परिणाम के आधार पर अगली कक्षा में अपग्रेड किया जाएगा।

वहीं, जो छात्र लंबे समय से अनुपस्थित हैं या जिनका परिणाम किसी कारणवश रोका गया है, उन छात्रों को अपग्रेड नहीं किया जाएगा। वहीं, पांचवी के छात्र प्लान एडमिशन योजना के तहत पैरेंट स्कूल में छठी कक्षा में अपग्रेड किए जाएंगे। ज्ञात हो लॉकडाउन के कारण काफी बच्चे दिल्ली से बाहर चले गए हैं।

अधर में लटकीं 10वीं व 12वीं बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षाएं

स्कूलों के प्राचार्यों ने जताई चिंता, शिक्षण गतिविधियां बंद किए जाने के निर्णय को उचित ठहराया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक बार फिर स्कूल बंद होने पर कक्षा 10वीं और 12वीं की जारी प्रायोगिक परीक्षाएं बाधित हो गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण स्कूलों को बंद किए जाने पर कुछ स्कूलों के प्राचार्यों ने चिंता व्यक्त जाहिर की है हालांकि प्रधानाचार्यों ने महामारी के हालात को देखते हुए स्कूलों में शिक्षण गतिविधियां बंद किए जाने के निर्णय को उचित ठहराया है।

दिल्ली में हाल के दिनों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं जिसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने

शुक्रवार को सभी कक्षाओं के लिए प्रत्यक्ष शिक्षण गतिविधियों और विद्यालयों में परीक्षाओं पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। शालीमार बाग के मॉडर्न स्कूल की प्राचार्य अलका कपूर कहती हैं, इस कदम से यकीनन प्रायोगिक परीक्षाओं में और आने वाली बोर्ड परीक्षाओं पर असर पड़ेगा। स्कूलों को बंद करने के संबंध में जारी परिपत्र में इस बात का जिक्र नहीं किया गया है कि कितने दिन तक इन्हें बंद किया जाएगा, जिसका तात्पर्य है कि स्थिति अनिश्चित है।

कपूर कहती हैं, कई स्कूलों में प्रायोगिक परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं और अब इनमें बाधा आएगी। रोहिणी के एमआरजी स्कूल के निदेशक रजत गोयल ने कहा, सरकार द्वारा स्कूलों को बंद करने की घोषणा और संक्रमण के मामले बढ़ना इस बात का संकेत देते हैं कि हालात चिंताजनक है, और वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा, अब वक्त आ गया है कि शिक्षक समुदाय, सीबीएसई बोर्ड और शिक्षा मंत्रालय आने वाली बोर्ड परीक्षाओं की योजना तैयार करे। स्कूलों में गतिविधियां बंद कर दी गई हैं क्योंकि शिक्षकों और छात्रों की सुरक्षा प्राथमिकता है, लेकिन बड़ी कक्षाओं के लिए स्कूल प्राधिकारों को मानक संचालन प्रक्रियाएं दी जानी चाहिए ताकि वे चल रहे शिक्षण सत्र का प्रबंधन कर सकें। वहीं दूसरी तरफ कोरोना को लेकर छात्र में पसोपेश में है। मई में होने वाली परीक्षा तक क्या नियम बदलेंगे, वो नहीं जानते है।

मई-जून में होने वाले हैं सीबीएसई एग्जाम

डीपीएस इंदिरापुरम के प्राचार्य संगीता हजेला ने कहा, किसी भी कीमत पर छात्रों की सुरक्षा प्राथमिकता में होनी चाहिए। शिक्षण कार्य का प्रबंधन तो किया जा सकता है क्योंकि हमारे पास अनुभवी शिक्षकों की योग्य टीम है। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र मांग कर रहे हैं कि मई-जून में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को या तो स्थगित किया जाए या परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएं। सीबीएसई और सीआईएससीई ने इस संबंध में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है। ज्ञात हो पिछले वर्ष में बोर्ड परीक्षाओं में काफी परेशानी हुई थी। कोरोना काल के चलते छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, जिसके चलते कई छात्र अवसाद के शिकार हुए।

पलवल में फसल कटाई के चलते बेअसर रहा केएमपी जाम

मुकेश बघेल। पलवल

किसानों ने संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर नहीं किया 24 घंटे तक हाईवे जाम

संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आज केएमपी एक्सप्रेसवे को 24 घन्टे के लिए जाम करने का आह्वान किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चे के इस आह्वान का अबकी बार पलवल जिले में कोई असर देखने को नहीं मिला क्योंकि धरना स्थल पर किसानों द्वारा एक दिन पूर्व ही मीटिंग कर फैसला ले लिया गया था कि फसलों की कटाई के समय को देखते हुए वे 24 घन्टे के लिए केएमपी को जाम नहीं करेंगे।

फसलों की कटाई के सीजन को देखते हुए इस बार पलवल के किसानों ने केएमपी एक्सप्रेस वे को 24 घंटे के लिए बंद नहीं करने का निर्णय लिया है।

किसान समिति ने कहा कि वे इस बार धरनास्थल पर एकत्रित होकर प्रतिदिन की तरह कृषि कानूनों का विरोध करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अपनी पूरी तैयारियों के साथ अलर्ट है। धरना स्थल पर काफी पुलिस बल मौजूद कर दिया गया है।

एक दिन पूर्व ही प्रशासन ने रूटों को डायवर्ट कर दिया था। आमजन, वाहन चालक व दैनिक यात्रियों से प्रशासन ने आह्वान किया था कि वे 10 अप्रैल सुबह 11 बजे से लेकर 11 अप्रैल सुबह 11 बजे केएमपी एक्सप्रेस वे का प्रयोग न करें। किसान नेता राजकुमार ओलियान व सुभाष दलाल ने कहा कि इस समय फसलों की कटाई का समय चल रहा है।

किसानों के धरना स्थल के पास मौजूद पुलिस बल।

सभी किसान अपने खेतों में फसलों की कटाई करने में लगे हुए हैं। जिसे देखते हुए किसानों द्वारा यह अपील कर दी गई थी कि उनके द्वारा पलवल जिले में केएमपी एक्सप्रेस को जाम नहीं किया जाए। बल्कि धरना स्थल पर पंडाल में एकत्रित होकर कृषि कानूनों का विरोध करें।

संयुक्त किसान मोर्चा के हर आह्वान का पलवल जिले में किसानों द्वारा सफल बनाया गया है, लेकिन फसलों की कटाई के समय को देखते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के केएमपी एक्सप्रेस वे को जाम के आह्वान को पलवल जिले में इस बार सफल नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा आगे संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा जो भी आह्वान किया जाएगा। उसको पलवल जिले में पहले की तरह शांतिपूर्ण तरीके से सफल बनाया जाएगा।

रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुई महिला

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत 32 वर्षीय महिला रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने महिला के पीड़ित पति की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी दिनेश के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी गत 8 अप्रैल को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। पीड़ित ने अपनी पत्नी को काफी तलाश किया लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

विद्युतापूर्ति मांग पूरा करने को सब-स्टेशनों की क्षमता बढ़ाई

गुरुग्राम। गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती हुई मांग व आपूर्ति को पूरा करने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रतिबद्ध है। बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी के दृष्टिगत बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सब-स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि की गई है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक डॉ. बलकार सिंह के मुताबिक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने पिछले तीन महीनों में पांच नए सब-स्टेशनों को चालू किया है। मौजूदा 19 सब-स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सर्कल, सिरसा में तीन नए सब-स्टेशन केलनियां, बरूवाली, हुडा सेक्टर कालांवाली चालू कर दिए गए हैं। इसी प्रकार ऑपरेशन सर्कल, नारनौल के तहत आजम नगर व ऑपरेशन सर्कल पलवल के तहत उजीना में नए सब-स्टेशन को चालू कर दिया गया है। इन सभी नव-निर्मित सब-स्टेशनों पर 10 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए मौजूदा 19 सब-स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि की है। इसके तहत ऑपरेशन सर्कल, सिरसा के 33 केवी सब स्टेशन मोहम्मदपुरियां व हरीपुरा, ऑपरेशन सर्कल, फतेहाबाद के 33 केवी सब-स्टेशन नांगला, गुल्लरवाला, रत्ताखेड़ा, अजीत नगर, भुथन व महमदकी, ऑप्रेशन सर्कल, हिसार के 33 केवी सब-स्टेशन माजरा, मसूदपुर, एचटीएम, स्याहड़वा व आर्य नगर, ऑप्रेशन सर्कल, जींद के 33 केवी सब-स्टेशन सेक्टर-8, जींद, ऑपरेशन सर्कल, भिवानी के 33 केवी सब-स्टेशन डोह-का-दिना, पिचोपा, खेड़ा व मोरवाला और ऑपरेशन सर्कल, रेवाड़ी के 33 केवी सब-स्टेशन काकोड़िया की क्षमता में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि इन सब-स्टेशनों के चालू होने और मौजूदा सब-स्टेशनों की क्षमता वृद्धि होने से दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की स्थापित क्षमता में 162 एमवीए की बढ़ोतरी हुई है।

शमशान घाट के रास्ते से अवैध निर्माण हटाया

सोहना। ग्राम पंचायत बाईखड़ा के गांव बादशाहपुर टैठड़ में शमशान घाट को जाने वाले रास्ता से अवैध कब्जा का सफाया किया। ड्यूटी मजिस्टेट नायब तहसीलदार शैली मलिक के नेतृत्व में रास्ते में लगे लोहे के गेट को हटा दिया। गांव बादशाहपुर टैठड़ के निवासी पिछले 40 साल से शमशान घाट को जाने वाले रास्ता पर लोहे का गेट लगाकर किया अवैध कब्जा को सफाया हो गया। ग्रामीण रास्ता में हो रहा अवैध निर्माण को हटाने के लिए 40 वर्ष से कानूनी लड़ाई अवैध कब्जा करने वाले से लड़ते आ रहे थे। आखिर ग्रामीणों को देर से ही सही रास्ता जमा अवैध कब्जा हटाने में सफलता मिल गई। ग्राम पंचायत के सरपंच श्याम सिंह ने बताया कि आम रास्तों पर कब्जा करना सही नहीं होता है। उन्होने बीते पांच वर्ष के कार्यकाल में शमशान घाट के रास्ता से अवैध निर्माण को हटाने का प्रमुखता से उद्देश्य था। जो ग्रामीणों की सहयोग और संघर्ष की जीत हुई है।

बाइक से टक्कर से घायल स्कूटी चालक हुई मौत

पलवल। गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-19 पर गांव सोफ्ता मोड़ के समीप तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हुए स्कूटी सवार व्यक्ति की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर बाइक के अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रविंद्र के अनुसार सेक्टर-19 फरीदाबाद के सेक्टर-19 निवासी राजवीर ने शिकायत दर्ज कराई है कि 8 अप्रैल को वह अपने चचेरे भाई देवेंद्र निवासी एनआईटी फरीदाबाद के साथ स्कूटी पर सवार होकर होड़ल से फरीदाबाद की तरफ आ रहे थे। उसी दिन शाम करीब साढ़े 7 बजे जब गांव सोफ्ता के समीप पहुंचे तो पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से देवेंद्र के सिर में गहरी चोट लगी और वह बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। दुर्घटना के बाद बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की मदद से पीड़ित ने अपने भाई को फरीदाबाद के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान देवेंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर बाइक के अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क से अनाज हटाकर रास्ता मांगा तो किया हमला

पलवल। सड़क मार्ग से अनाज हटाकर रास्ता देने के लिए कहा तो दंपति ने अपने पुत्र के साथ मिलकर बाइक सवार व्यक्ति पर लोहे की रोड से हमला कर दिया। चांदहट थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी मुनीम सिंह के अनुसार गांव चिरवाड़ी निवासी हरेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती 9 अप्रैल को बाइक पर सवार होकर गांव राजूपुर खादर हवन यज्ञ में शामिल होने के लिए जा रहा था। पीड़ित जब गांव कुरैरा शाहपुर में पहुंचा तो रास्ते में सड़क मार्ग पर अनाज पड़ा हुआ था। पीड़ित ने अनाज साइड कर रास्ता देने के लिए कहा तो गांव कुरैरा शाहपुर निवासी वीरेंद्र व उसकी पत्नी अनीता व पुत्र देबू एकदम तैश में आ गए और घर में से लोहे को रोड लाकर हमला कर दिया।

वजीराबाद के धरनारत ग्रामीणों की हुई जीत

वजीराबाद में नहीं, अब कहीं और बनेगा शमशान घाट

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सभी धर्मों के लिए वजीराबाद गांव के पास बनाए जा रहे शमशान घाट के विरोध में धरनारत ग्रामीणों का आखिरकार संघर्ष रंग लाया। प्रदेश सरकार को उनकी इस मांग के आगे झुकना पड़ा। अब सरकार ने इस शमशान घाट को यहां से शिफ्ट करके कहीं और बनाने का निर्णय ले लिया है। गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला ने इसकी पुष्टि की है।

बता दें कि वजीराबाद गांव के साथ में बनाए जा रहे शमशान घाट के विरोध में ग्रामीण 15 जनवरी से धरने पर बैठे हैं। गांव के पास हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की करीब 6 एकड़ जमीन पर शमशान घाट बनाने का कार्य शुरू किया गया था। इस शमघाट परिसर में हिंदु, मुस्लिम, सिख, ईसाइयों व अन्य समुदायों के लोगों की अंतिम क्रिया की जानी थी। जिसका विरोध ग्रामीणों ने शुरू कर दिया। बकायदा इसके लिए वजीराबाद शमशान घाट हटाओ संघर्ष समिति बनाई गई, जिसके अध्यक्ष पार्षद बोहरा बने।

कुलदीप बोहरा के मुताबिक इससे पूर्व कांग्रेस सरकार में भी यहां पर इसी तरह का प्रोजेक्ट वर्ष 2013 में शुरू किया जा रहा था। तब भी ग्रामीणों के विरोध के बीच उसे रद्द कर दिया गया था।

उस समय भी केंद्र में राव इंद्रजीत सिंह मंत्री थे और बादशाहपुर क्षेत्र से राव धर्मपाल विधायक थे। दोनों नेताओं के अलावा आला अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि यहां पर यह शमशान घाट नहीं बनेगा। लेकिन अब वर्तमान सरकार ने भी इसी जगह पर शमशान घाट बनाना शुरू कर दिया। कुलदीप बोहरा का कहना है कि उन्हें सरकार की ओर से कोई जवाब इस शमशान घाट के निर्माण को रद्द करने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। जब तक सरकार लिखित में ग्रामीणों को रद्द करने का निर्णय नहीं देगी, धरना जारी रहेगा।

जनहित के मुद्दों पर रखते हैं सकारात्मक सोच: सिंगला

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर सरकार हमेशा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करती है। वजीराबाद में शमशान घाट के विरोध में दिए गए धरने पर वे स्वयं भी गए थे और ग्रामीणों की बात को ध्यानपूर्वक सुनकर सरकार तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आश्वासन दिया था कि इस पर जनहित में ठोस निर्णय लिया जाएगा। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि ग्रामीणों की इस मांग को सरकार ने मान लिया है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के साथ उनकी मुख्यमंत्री के साथ इस मुद्दे पर बैठक में इस पर मुहर लगी। इस शमशान घाट के लिए नई जगह की तलाश की जा रही है। कई साइट्स को देखा जा रहा है। जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।

दहेज पीड़िता को देवर ने दी दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी

मुकेश बघेल। पलवल

पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

शादी में नकदी व कार की पूरी मांग नहीं होने पर ससुरालजनों ने विवाहिता के साथ मारपीट कर व जान से मारने की धमकी देकर घर से निकालने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया है कि देवर ने जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर ससुराल पक्ष के पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस जांच अधिकारी नियाज मोहम्मद के अनुसार एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी शादी वर्ष 24 नवम्बर वर्ष 2017 में एक युवक के साथ हुई थी। शादी में पीड़िता के मायके पक्ष ने यथा संभव दान-दहेज भी दिया था, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग उस दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और शादी के बाद से ही दो लाख रुपये नकद व एक कार लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। दहेज लाने में असमर्थता जताने पर पीड़िता के साथ पति, देवर, जेठ, सास व ससुर द्वारा मारपीट की जाती व घर से निकाल जान से मारने की धमकी दी जाती थी। पीड़िता का आरोप है कि देवर उसके उपर गलत नजर रखता व नहाते तथा कपड़े बदलते हुए उसे देखता।

गत 26 नवम्बर वर्ष 2019 को पीड़ित घर पर अकेली थी उसी दौरान देवर कमरे के अंदर आया और उसके कपड़े फाड़कर जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब देवर का विरोध किया मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। सात मार्च 2020 को पति, सास, ससुर, देवर व जेठ ने मारपीट कर व जान से मारने की धमकी देकर पीड़िता को निकाल दिया।

बांध कॉलोनी के पेयजल संकट का होगा समाधान

200 घरों के करीब 800 लोगों के सामने छाया हुआ है पेयजल भारी संकट

सोहना। जनस्वास्थ्य विभाग ने बिजली निगम अधिकारियों को पत्र लिखकर बांध कॉलोनी में वाटर कनेक्शन को शहरी लाइन से जोड़ने की मांग की है। खराब बिजली सप्लाई के कारण कॉलोनी के 200 घरों में रहने वाले करीब 800 लोगों के समक्ष पेयजल संकट छाया हुआ है।

शहर की बांध कॉलोनी में रहने वाले करीब 200 परिवार के 800 लोग पिछले दो माह से खराब पेयजल सप्लाई संकट से परेशान है। जिसको लेकर कॉलोनी के निवासी जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारी कार्यालय, पार्षद के निवास और सोहना विधायक संजय सिंह से भी मिलकर समस्या रखी थी। विधायक संजय सिंह ने जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के निर्देश जारी किए थे।

निगम को लिखा पत्र

जानकारी के अनुसार जनस्वास्थ्य विभाग ने बांध कॉलोनी में छाया पेयजल संकट से निपटने के लिए बिजली निगम के एसडीओ को पत्र लिखा है। पत्र में बांध कॉलोनी में पेयजल सप्लाई देने वाले ट्यूबवैल का कनेक्शन ग्रामीण क्षेत्र के फीडर से है। जिस पर मात्र 4 से 6 घंटा बिजली सप्लाई दी जाती है। उसे शहरी लाइन से जोड़ने की मांग की है।

ये कहते हैं अधिकारी

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि एक या दो दिन मे बांध कॉलोनी के निवासियों को सही समय पर पानी की सप्लाई दी जाएगी। बिजली सप्लाई के कारण ग्रामीणों को समय पर पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही थी।

चोरों ने अलग-अलग जगह चार वारदातों को दिया अंजाम

पलवल। चोरों ने अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत चार वारदातों को अंजाम दिया। चोर एक बाइक, एक आयशर कैंटर, बिजली विभाग के जेई के कार्यालय से अन्य सामान व अदालत परिसर के मालखाने से एक बैग को चोरी कर ले गए।

पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार हैड कांस्टेबल गुरमुख ने कैंप थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि वर्ष 2016 में सदर थाने में दर्ज एफआईर नंबर-173 का माल मुकदमा का एक काला बैग दाखिल माल करवाया गया था। बैग में मोबाइल फोन, सीडी, अंगूठी व एक हजार रुपये थे। गत 15 फरवरी वर्ष 2021 को मालखाने से किसी अन्य व्यक्ति ने बैग को चोरी कर लिया। इसी प्रकार बिजली विभाग के एसडीओ ने शिकायत दर्ज कराई है कि कैंप कालोनी स्थित जेई जसवीर के कार्यालय व स्टोर से चोर एक अप्रैल की रात को 45 हजार 160 रुपये के सामान चुरा ले गए।

वाटर हेल्थ सेंटर से सस्ते रेट में मिलेगा शुद्ध पानी

देवीलाल नगर में शुरू हुआ वाटर हेल्थ सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मेयर मधु आजाद ने शनिवार को वार्ड-14 के देवीलाल नगर स्थित अंबेडकर पार्क में सामुदायिक जल प्रणाली अर्थात् कम्युनिटी वाटर हेल्थ सेंटर का उद्घाटन किया। इससे नागरिकों को सस्ती दरों पर शुद्ध पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

इस मौके पर मेयर मधु आजाद ने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। स्वस्थ शरीर के लिए शुद्ध जल का होना बहुत ही जरूरी है। बहुत सी बीमारियां केवल अशुद्ध पानी के कारण ही होती है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा जलधारा फाउंडेशन के सहयोग के गुरुग्राम के नागरिकों को सस्ती दारों पर शुद्ध पीने योग्य पानी उपलब्ध करवाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को देवीलाल नगर में सामुदायिक जल शोधन संयंत्र का उद्घाटन किया गया है। गुरुग्राम में यह चौथा वाटर हेल्थ सेंटर स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वाटर हेल्थ सेंटरों की स्थापना पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से की जा रही है, जिसमें भूमि, जल स्त्रोत और बिजली कनेक्शन नगर निगम गुरुग्राम द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। वाटर हेल्थ इंडिया व जलधारा फाउंडेशन द्वारा अगले 2-3 वर्षों में गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों पर 75 वाटर हेल्थ सेंटर स्थापित करने के लिए नगर निगम निगम गुरुग्राम के साथ करार किया है। इस प्रकार के सेंटरों में पानी को 6 चरणों में शुद्धिकरण प्रक्रिया से गुजारा जाता है, जिसमें पारंपरिक निस्पंदन, झिल्ली आधारित शुद्धिकरण, अल्ट्रावायलेट कीटाणुशोधन के विभिन्न चरण शामिल हैं। पानी की गुणवत्ता डब्ल्यूएचओ और आईएसआई मानकों पर खरी उतरना भी सुनिश्चित किया जाता है। जलधारा मिशन के तहत वर्ष 2022 तक 2000 समुदायों को स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस मौके पर निगम पार्षद संजय प्रधान, नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त प्रदीप अहलावत, पूर्व पार्षद गजेसिंह कबलाना सहित वार्ड-14 के कई गणमान्य व्यक्ति एवं जलधारा फाउंडेशन और वाटर हेल्थ इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गुरुग्राम के देवीलाल नगर में वाटर हेल्थ सेंटर में वाटर हेल्थ सेंटर का उद्घाटन करती मेयर मधु आजाद।

देशी, विदेशी सभी को लगाई जा रही कोरोना वैक्सीन: पवन यादव

मानेसर स्थित आईएमटी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन कार्यालय में लगा है शिविर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आईएमटी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से कार्यालय में लगाए गए शिविर में कोरोना की वैक्सीनेशन का कार्यो जोरों पर है। वहां देशी-विदेशी लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव का कहना है कि भारत में बनी हुई कॉरोना वैक्सीन पर विदेशियों का विदेश में तो भरोसा है ही, साथ ही उन्हें भारत में वैक्सीनेशन लेने में भी पूरा भरोसा है।

पवन यादव के मुताबिक आईएमटी इंडस्ट्री एसोसिएशन के कार्यालय परिसर में विश्व स्वास्थ्य दिवस से ही कोरोना वैक्सीनेशन कैंप चला रहा है। यह हमारे लिए बहुत सुखद अहसास है कि हम लोगों की सेवा कर पा रहे हैं। इस भयावह बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीनेशन कैंप में सरकार का हाथ बंटा रहे हैं। यहां पर उद्योगपति, कर्मचारी व विदेशी कर्मचारी भी वैक्सीनेशन ले रहे हैं। वहां पर हर दिन लगभग 200 से अधिक लोगों को वैक्सीनेशन की सेवाएं दी जा रही हैं। यहां पर औद्योगिक क्षेत्र के सभी लोग व उनके परिवार के लोग वैक्सीन ले रहे हैं। इसका औद्योगिक क्षेत्र को काफी लाभ हो रहा है आने वाले समय में जल्दी ही औद्योगिक क्षेत्र कोरोना वायरस फ्री हो जाएगा। सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने उद्घाटन अवसर पर 50 हजार लोगों को वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा था। इसलिए वहां जोरों पर वैक्सीन लगाई जा रही है। यूपीएचसी मानेसर के डॉक्टर प्रवीण चौधरी ने बताया मानेसर एरिया में कई कैंप चल रहे हैं, लेकिन मानेसर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन द्वारा चलाया गया कैंप सबसे अनुशासित कैंप है।

गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईएमटी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन कार्यालय में लगाए गए शिविर में वैक्सीन लगवाती विदेशी महिला।

धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में पांच आरोपी नामजद

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत धोखाधड़ी करने के तीन मामले प्रकाश में आए हैं। एक मामले में आरोपियों द्वारा पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने शिकायतों पर दो मामलों में पांच नामजद व तीसरे मामले अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार न्यू कालोनी निवासी केशव देव ने कैंप थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसने जवाहर नगर निवासी चंद्र शेखर कुकरेजा व उसकी पत्नी निशा कुकरेजा के 505 वर्ग गज का प्लाट का सौदा 2 करोड 51 लाख रुपये में तय किया था। प्लाट का कवर्ड एरिया 900 वर्गफुट है। जिसमे एक मंजिला मकान बना हुआ है और बाकी प्लाट खाली है। पीड़ित ने इकरारनामा कराने के बाद 52 लाख रुपये 9 मई वर्ष 2018 को चंद्र शेखर व उसकी पत्नी निशा को दे दिए। जिसके बाद चंद्र शेखर व उसकी पत्नी ने अपनी नीयत में खोट आने के कारण उस प्लाट की रजिस्ट्री पीड़ित के नाम नहीं कराई और न ही रुपये वापस दिए।

इसी प्रकार गांव दीघौंट निवासी ब्रहम दत्त ने सदर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 9 अप्रैल को उसने अपनी छह एकड़ फसल का रजिस्ट्रेशन कराना चाहा तो पता चला कि गांव निवासी रमेश ने फसल का रजिस्ट्रेशन करा दिया व फसल को चोरी किया है। इसमें रमेश के साथ गांव निवासी अजय सिंह भी शामिल है।

पीड़ित द्वारा विरोध करने पर अजय का भाई रणवीर सिंह पीड़ित व उसके पट्टेदारों को जान से मारने की धमकी देता है। इसी प्रकार गांव सुजवाड़ी निवासी कृष्ण ने कैंप थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसने तीन अप्रैल को रेलवे रोड़ स्थित एचडीएफसी बैंक की एटीएम मशीन से अपनी मां के एटीएम कार्ड द्वारा एक हजार रुपये निकाले। उसी दौरान दो युवक एटीएम बुथ के अंदर आए और कहा कि कैंसिल का ऑप्शन नहीं आया है और पीड़ित का एटीएम कार्ड बदल लिया। जिसके बाद पीड़ित ने कार्ड को चैक किया तो पता चला कि कार्ड बदल गया है। 32 हजार रुपये निकल चुके है। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सरकार ने गेहूं तो खरीदा पर नहीं किया भुगतान

फर्रूखनगर। अनाज मंडी फर्रूखनगर में सरकार की हिदायतों के अनुसार कोरोना के बचाव के साथ गेंहू की सरकारी खरीद का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। एक से नौ अप्रैल तक सरकारी खरीद एजेंसी हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा करीब 77035 क्विंटल गेंहू खरीद का कार्य किया जा चुका है। लेकिन अभी किसी भी किसान के खाते में खरीदे गए गेंहू का भुगतान नहीं हो पाया है। जिससे किसानों में मायूसी है।

सरकार कहती है कि 72 घंटे में भुगतान हो जाएगा। यहां एक से पांच अप्रैल तक जिन किसानों के गेंहू एजेंसी द्वारा खरीदा गया है उनका भी भुगतान नहीं हो पाया है। जबकि बीते वर्ष कोरोना के चलते फर्रूखनगर में किसानों की सुविधा के लिए पांच खरीद सेंटर बनाये गए थे। लेकिन इस वर्ष केवल फर्रूखनगर अनाज मंडी में ही खरीद का कार्य किया जा रहा है। पिछले 10 दिनों की खरीद के कारण मंडी में भारी मात्रा में गेंहू की अराईवल दर्ज की जा रही है। जिसके चलते मंडी में अनाज उतारने की जगह भी नहीं बची है। मंडी के बाहर बनाया गया फड़ भी पूरा भर गया है। मंडी की हालत यह है कि चारों तरफ अनाज के पहाड़ दिखाई देने लगे हैं।

हरियाणा के एडिड स्कूलों के साथ सरकार का सौतेला व्यवहार

गुड़गांव में जनवरी फरवरी और मार्च से नहीं मिली है पेंशन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरा, गुरुर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः। यह बात केवल सुनने में अच्छी लगती है, लेकिन सच्ची तब होगी जब गुरुओं के साथ न्याय होगा। सारी उम्र वह अपने विद्यार्थियों को ऊंचाइयों पर ले जाते हैं और सेवानिवृत्त होने के बाद उनको अपने मान-सम्मान की लड़ाई के लिए कोर्ट तक जाना पड़ता है। जिसका उदाहरण गुड़गांव में देखा जा सकता है। सेवानिवृत शिक्षक को पिछले तीन महीने से पेंशन नहीं मिली है। जनवरी से लेकर मार्च की पेंशन लेप्स हो गई है।

गुड़गांव के अध्यापक संघ के पूर्व अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध शिक्षाविद रामनिवास शर्मा मुख्याध्यापक एमएलए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटोली हेलीमंडी 30 अप्रैल 2009 सेवानिवृत्त हुए थे। हाईकोर्ट में लगभग 10 साल केस चला, लेकिन आज तक भी विभाग ने उनकी सही तरीके से पेंशन लागू नहीं की है। जबकि वह कोर्ट से भी जीत चुके हैं। वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भी 16 दिसंबर 2019 को पत्र व्यवहार के माध्यम से सूचना दे चुके हैं। छठे वेतन आयोग के पेंशनर्स के लिए 1 जनवरी 2006 की बजाय 1 अगस्त 2011 से लागू किया गया। एसीपी देकर वापस ले लिया। अब यह मामला उच्च न्यायालय पंजाब व हरियाणा में विचाराधीन है। मुख्य अध्यापकों को 6500-10500 की बजाय 7500-12000 का संसोधित वेतनमान दिया गया। जो कि सरकारी स्कूलों में 1 जनवरी 1996 दे दिया गया। मगर एडिड स्कूलों का अभी तक लंबित है। उसे तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। समान वेतन की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

पीड़ित सेवानिवृत शिक्षकों की मांग है कि अधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। लीव एनकैशमेंट भी नहीं होता। छठे वेतन आयोग में डीए जहां 164 प्रतिशत की घोषणा मुख्यमंत्री ने कर दी है। विभाग ने उसके आदेश भी जारी कर दिए हैं। गुड़गांव विकास मंच के प्रवक्ता व शिक्षाविद अजय शर्मा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, गृह मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवरपाल सिंह गुर्जर, निदेशक शिक्षा विभाग हरियाणा व जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लें।

सीएम के कार्यक्रमों के बीच स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ी परेशानी

कविता। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री के द्वारा गुरूग्राम में पहली से आठवीं कक्षा तक विद्यालयों को आगामी 30 अप्रैल तक बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन जिन स्कूलों में परीक्षाएं चल रही है, वहां स्कूलों को शनिवार को बंद नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर कई रास्ते बंद होने से परीक्षा देने के लिए जाते अभिभावकों के साथ बच्चों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। स्कूल में परीक्षा देने के लिए विद्यार्थी समय पर नहीं पहुंच सके। इसकी जानकारी देते हुए सीएम आरके गर्ग ने बताया कि उनके बेटे समेत अन्य अभिभावकों को परेशानियां हुई।

घंटों पहले रास्ता बंद

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुबह 11 बजे के बाद होना था। लेकिन पुलिस की तरफ से सुबह साढ़े 7 बजे ही रास्तों को पूरी तरह से बंद कर दिया। एमवीएन स्कूल अपने बच्चे को 12वीं कक्षा का प्रैक्टिकल एग्जाम दिलाने जा रहे सीए आरके गर्ग ने बताया कि वह घर से निकले तो देखा कि सेक्टर-7 की तरफ से रास्ता पूरी तरह से बंद था। दूसरे रास्तों पर भी पुलिस का पहरा था। हर जगह उन्होंने बच्चे को स्कूल छोड़ने के लिए मिन्नतें की, लेकिन पुलिसकर्मी नहीं माने, उनका कहना है कि एक तरफ रास्ता बंद कर देना चाहिए था, ताकि दूसरी तरफ से आम पब्लिक गुजर सके, लेकिन पुलिसकर्मियों ने आने व जाने वाले दोनों रास्तों को पूरी तरह से बंद कर रखा था। जिस कारण वह सुबह 8 के बजाय परीक्षा दिलवाने बच्चे को लेकर 8:50 मिनट पर पहुंचे। जिससे बच्चे की परीक्षा लेट हो गई। ऐसा ही स्कूल से छुट्टी होने पर भी हुआ। सेक्टर-3, सेक्टर-7, सेक्टर-8 इत्यादी के रहने वाले बच्चों ने बताया कि स्कूल लेट पहुंचे, जिसके कारण उन्हें पेपर में समय कम मिला और अध्यापकों से डांट पड़ी, वहीं दोपहर को कुछ स्थानों पर पुलिस ने नाका लगा रखा था। जिस कारण घर पहुंचने में भी लेट हो गए।

सरकार से की अपील

आरके गर्ग ने सरकार व पुलिस डिपार्टमेंट से अपील की है कि नेताओं की सुरक्षा तो ठीक है, लेकिन एक रास्ते को पूरा साढ़े तीन घंटे पहले बंद कर देना कहां का न्याय है। स्कूली बच्चे जिसके कारण परेशान रहे। वहीं अगर मुख्यमंत्री के आने की तैयारियां की गई थी तो एक तरफ का रास्ता खोल देना चाहिए था। ताकि स्कूली बच्चों को परेशानी न होती।

कोरोना सैकेंड स्ट्रेन: 200 केसों से आंकड़ा पहुंचा 49801

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा ने एक वीडियो सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आगामी 11 से 14 अप्रैल तक चार दिनों में जिले का लक्ष्य 64000 वैक्सीनेशन करना है। जिस पर सिविल सर्जन रणदीप सिंह पूनिया ने इसके बारे में एक बैठक ली। जिसमें सभी डिप्टी सीएमओ और एसएमओ ने भाग लिया। यह 45 से अधिक आयु वर्ग की अधिकांश आबादी को कवर करने की योजना है। इसे प्राप्त करने के लिए इन चार दिनों के दौरान शिविर की अधिकतम संख्या आयोजित की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ जिले में जिले में कोरोना के लगातार मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। शनिवार को कोरोना के 200 नए मामले सामने आए। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 161 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले में रिकवरी रेट 95.8 प्रतिशत और एक्टिव केस रेट 3.4 प्रतिशत है। इसके अलावा सैम्पल पॉजिटिव रेट 8.4 प्रतिशत है।

यह हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचे	: 594944
अब तक पॉजिटिव	: 49801
अब तक नेगेटिव	: 542970
रिपोर्ट आनी शेष	: 2173
ऑक्सीजन पर है	: 66
वैंटीलेटर पर है	: 5
अब तक मौत	: 426
अब तक ठीक	: 47707
एक्टिव केस है	: 1668

यहां से मिले पॉजिटिव

जिले में कोरोना के 200 मामले आए। जिसमें जिला जेल, सूरजकुंड, लकड़पुर, सेक्टर-25, 62, 64, 88,17, एनएव-3 से 2-2 मरीज है। तिगांव, सेक्टर-46, 37, से 1-1 मरीज है। एनएच-5, सेक्टर-7, 49, भारत कालोनी, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, अहीरवाड़ा से 3-3 मरीज है। चार्मवुड विलेज 6 मरीज है। कबलूपुर, ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर-29, 88, 28, 21, 19, 10 अशोका इंक्लेव, से 5-5 मरीज है। सेक्टर-18, 8, 15, चावला कालोनी, सैनिक कालोनी से 4-4 मरीज है। सेक्टर-16 से 9 मरीज है। अन्य एरियों से 77 मरीज शामिल है।

741 किलोमीटर का जिला एफएमडी में किया गया शामिल : मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि फरीदाबाद का नहरपार क्षेत्र अब ग्रेटर फरीदाबाद के नाम से जाना जाएगा। इस क्षेत्र में विकास को लेकर कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। तीन हिस्सों में बसे शहर को ग्रेटर फरीदाबाद से जोड़ने के लिए कुछ बड़ी परियोजनाएं भी जल्द शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही फरीदाबाद जिला की 741 स्क्वायर किलोमीटर लंबी पूरी सीमा जिसमें ग्रामीण व शहरी क्षेत्र शामिल हैं सभी को एफएमडीए में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को लघु सचिवालय के छठे तल स्थित कांफ्रेंस हॉल में फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की पहली मीटिंग में संबोधित कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने अरावली गोल्फ क्लब में पत्रकार वार्ता को भी संबोधित किया।

एफएमडीए करवाएगी विकास कार्य

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि फरीदाबाद शहर में पहले एचएसवीपी, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, स्मार्ट सिटी जैसी कई संस्थाएं विकास कार्य करवाती थी। इन सभी संस्थाओं के कार्य के दौरान तालमेल की कमी रहती थी। अब सभी विकास कार्य एफएमडीए के अंतर्गत आएंगे और कार्यों में तालमेल के लिए एक इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या व क्षेत्र के मामले में फरीदाबाद जिला गुरुग्राम से बहुत बड़ा है। गुरुग्राम में 115 सेक्टर हैं, जबकि फरीदाबाद में 179 सेक्टर विकसित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भौगोलिक कारणों से फरीदाबाद जिला विकास में पिछड़ा है लेकिन अब इसे हम गुरुग्राम से भी आगे लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि एफएमडीए के गठन के बाद नई व्यवस्थाएं बनेंगी और भ्रष्टाचार कम होगा। उन्होंने कहा कि अब हमें मुख्य परियोजनाओं को एफएमडीए को सौंपना है। उन्होंने बताया कि पूरे फरीदाबाद जिला में 1700 किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है जिसमें से एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी व एमसीएफ की 182 किलोमीटर सड़कें एफएमडीए में शामिल की जाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा की फरीदाबाद शहर को सीधा केजीपी से जोड़ा जाएगा इसके लिए एनएचएआई को एक विस्तृत कार्य योजना तैयार कर जल्द सौंपी जाएगी उन्होंने कहा कि अब भविष्य में नई सडक् परियोजनाओं का निर्माण भी एफएमडीए ही करेगा।

22 रैनीवैल एफएमडीए के ट्रांसफर

मीटिंग में उन्होंने बताया कि नगर निगम के 16 रैनीवैल व एचएसवीपी के 8 रैनीवैल सहित कुल 22 रैनीवैल अब एफएमडीए को ट्रांसफर हो जाएंगे। इसके साथ ही 396 किलोमीटर लंबी पेयजल पाईपलाईन को भी एफएमडीए टेकओवर करेगा। उन्होंने बताया कि 600 एमएम से उपर की सभी सीवर लाईनों का कार्य अब एफएमडीए देखेगा जिसकी लंबाई 202 किलोमीटर है। इसके साथ ही सभी एसटीपी व सीटीपी भी एफएमडीए ही टेकओवर करेगा। शहर में संचार व्यवस्था को लेकर भी एफएमडीए एक नया नेटवर्क तैयार करेगा।

सरकारी भवनों की देखरेख

शहर के सेक्टर-16ए स्थित एचएसवीपी के गेस्ट हाउस, सेक्टर-12 कन्वेशन सेंटर, टाउन पार्क सेक्टर-31 व 12, सेक्टर-31 स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स सहित कई इमारतें भी एफएमडीए को सौंपी जाएंगी। उन्होंने बताया कि पहले साल में कुशल तकनीकी स्टाफ की कमी को नगर निगम व एचएसवीपी से लेकर पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एफएमडीए के संचालन के लिए शुरूआती वर्ष में 105 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी और जरूरी हुई तो सरकार और भी पैसा भी देगी। उन्होंने बताया कि अर्बन लोकल बॉडी को मिलने वाली दो प्रतिशत स्टांप ड्यूटी में से एक प्रतिशत अब एफएमडीए के पास जाएगी। एफएमडीए के सभी कार्य पेपरलैस होंगे।

जीएमडी के साथ बस सेवा

उन्होंने बताया कि अभी जीएमडीए के साथ मिलकर फरीदाबाद में सिटी बस सर्विस शुरू की गई है। जल्द ही 20 बसें गुरुग्राम से मंगवालकर और चलाई जाएंगी। मांग बढ़ने पर कुछ और बसें एफएमडीए भी खरीद सकता है। उन्होंने बताया कि एफएमडीए के कार्यालय के लिए फिलहाल आईएमटी स्थित एचएसआईआईडीसी कार्यालय का एक तल किराए पर लिया जाएगा। मीटिंग में शहर को लेकर विजन डॉक्यूमेंट 2041 भी प्रस्तुत किया गया।

तीन सदस्य हुए नियुक्त

उन्होंने एफएमडीए के तीन गैर सरकारी सदस्यों डॉ. एसएस बंसल, अमित भल्ला और बीआर भाटिया को नियुक्त किया गया है, और तीन सदस्यों को बाद में नियुक्त किया जाएगा। मीटिंग में एफएमडीए के सीईओ सुधीर राजपाल ने एफएमडीए का विजन डॉक्यूमेंट प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता, तिगांव के विधायक राजेश नागर, बडखल की विधायक सीमा त्रिखा, पृथला के विधायक नयनपाल रावत, एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा, मेयर सुमन बाला, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव अजय गौड़, मीडिया सलाहकार अमित आर्य, कमिश्नर संजय जून, पुलिस आयुक्त ओपी सिंह, उपायुक्त यशपाल, एफएमडीए की डिप्टी सीईओ गरिमा मित्तल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। दृष्टि आई सेंटर के सहयोग से वूमेंस पावर संस्था द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में अनेक बड़े बुजुर्गों ने अपनी नेत्र जांच कराई। इस अवसर पर वूमेंस पावर की प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली ने कहा की, कि आंख कई छोटे हिस्सों से बनी एक जटिल ग्रन्थि है, जिनमें से प्रत्येक हिस्सा सामान्य दृष्टि हेतु अनिवार्य है। साफ देख पाने की क्षमता इस बात पर निर्भर करती है कि ये हिस्से परस्पर कितने बेहतर तरीके से काम करते हैं। इसी कारण हमें अपने नेत्रों का भी ख्याल रखना चाहिए और नियमित रूप से जांच करते रहनी चाहिए। हम इसी तरीके से बड़े बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों की नेत्र दृष्टि के प्रति सचेत रहेंगे और समय-समय पर इसी तरह क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करते रहेंगे। कैंप को सफल बनाने के लिए वूमेंस पावर की टीम से प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली के साथ मार्केटिंग हेड डॉली कपूर, अनु चौधरी, आशीष पांडे, सुमित व निर्मला आदि ने काफी मेहनत की। समाजसेवी नवीन सैनी, सुधीर यादव व गुलशन राय ने इस कैंप में पहुंचकर सभी टीम मेंबर का हौसला बढ़ाया।

खिलाडियों को दिए राज्य प्रमाण पत्र

फरीदाबाद। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेलने वाले एथलीट खिलाडियों को अपने निजी निवास स्थान पर राज्य खेल प्रमाण पत्र वितरित किए। जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड ने बताया कि अभी पूरे भारतवर्ष में सेना की भर्ती का आयोजन किया जा रहा है और कई सरकारी विभागों में भी नयी भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। जिससे खिलाड़ियों को खेल नौकरी पाने में प्रमाण पत्रों से काफी मदद मिलती है। धनखड ने कहा कि युवाओं को खेल के प्रति रुझान बढाना चाहिए जिससे उनके शरीर के साथ साथ मानसिक सोच भी अच्छी बने। राज्य खेल प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले गौरव, प्रियंका ध्रुव, भारत भूषण और कपिल आदि रहे।

कोचिंग के लिए 25 छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति द्वारा जरूरतमंद परिवारों के मेधावी छात्रों को कराई जा रही जेईई मेंस व नीट कोचिंग के अगले बेच के लिए शनिवार को साईं मंदिर पब्लिक स्कूल के 11 छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। अब तक 25 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 15 अप्रैल है। इस मिशन के संयोजक कैलाश शर्मा ने कहा है कि मानव सुपर 21 मिशन के तहत कराई जा रही इस कोचिंग में उन विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है जो आर्थिक कारणों से प्राइवेट कोचिंग नहीं कर पा रहे हैं। अब तक रजिस्ट्रेशन करा चुके विद्यार्थियों की कोचिंग शुरू कर दी गई है। 15 अप्रैल तक जो विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन कराएंगे उनकी भी कोचिंग शुरु कर दी जाएगी। इन विद्यार्थियों को एक महीने की कोचिंग देने के बाद इनकी एक चयन परीक्षा ली जाएगी। इस चयन परीक्षा में सबसे अधिक अंक लेकर जो विद्यार्थी पास होंगे उनमें से शुरू के 21 मेधावी छात्रों का चयन करके उनकी लगातार कोचिंग पुन: शुरू की जाएगी।छात्र चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए 15 अप्रैल तक अपना रजिस्ट्रेशन समिति के सेक्टर 10 मार्केट स्थित कार्यालय मानव भवन में करा सकते हैं। समिति के चेयरमैन अरुण बजाज व संरक्षक अरुण आहूजा व रोशनलाल बोरड ने कहा है कि समिति की ओर से पिछले 5 साल से इस प्रकार की कोचिंग प्रदान कराई जा रही है। इस पुनीत कार्य में कोचिंग एक्सपर्ट प्रोफेसर के एल दुआ,सुभाष शर्मा, एनके गर्ग, पीसी गांधी, संजीव गुप्ता, राजीव जैन,सौरव भाटिया, टीपी मुकुल अपनी निशुल्क सेवाएं मानव सुपर 21 मिशन को प्रदान कर रहे हैं।

मजदूर संघ ने की नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

फरीदाबाद। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ शाखा नगर निगम फरीदाबाद ने एक कार्यकारिणी की मीटिंग बुलाई।

जिसमें संघ के बैनर तले निगम आयुक्त यशपाल यादव व एएमसी इन्द्रजीत व ईओ सीमा भाटिया का घेराव व समय पर वेतन न मिलने पर एफसी नगर निगम विजय धमीजा का घेराव किया और कच्चे व पक्के कर्मचारियों का एक तारीख से सात तारीख तक वेतन मिलने की मांग की। 19 सूत्रीय मांग पत्र पर जल्द से जल्द मीटिंग का समय नहीं दिया तो अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ गेट पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगा। जिसमें राष्ट्रीय सचिव व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्य रूप से उपस्थित थे। जिन्होंने हमारी मांगों को जायज बताया और उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने हमारी मांगों का निपटारा जल्द नहीं किया हम राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने पर मजबूर होगें। जिसकी जिम्मेवारी शासन व प्रशासन की होगी। इस मीटिंग की अध्यक्षता जिले के वरिष्ठ उपप्रधान कुंवरपाल बालगुहेर ने अपनी मांगों को लेकर रोष व्यक्त किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र चिण्डालियसा, राष्ट्रीय सचिव राजपाल मेंढवाल, उपप्रधान हरियाणा प्रदेश धर्मेन्द्र उज्जैनवाल आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री का विरोध न हो, इसलिए किसान नेता जगन डागर नजरबंद

फरीदाबाद। किसान आंदोलन से घबराई प्रदेश की भाजपा सरकार ने फरीदाबाद में किसान नेता जगन डागर को उनके घर में ही नजरबंद रखा।

गौरतलब है की प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर फरीदाबाद में दो दिवसीय दौरे पर हैं। ऐसे में किसान नेता जगन डागर के विरोध प्रदर्शन की सम्भावना को देखते हुए फरीदाबाद पुलिस ने शनिवार को जगन डागर को उनके घर में ही कैद कर के रखा। शनिवार को सुबह ही भारी संख्या में पुलिस उनके सेक्टर-7 स्थित निवास पर पहुंच गई और उन्हें कहीं पर भी जाने नहीं दिया। उनका मोबाइल भी पुलिस ने बंद करा दिया। पुलिस देर शाम तक उनके निवास पर बनी रही।

प्रदेश में बढ़ाई जाएगी वीटा के बूथों की संख्या: डॉ. बनवारी लाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने आज बल्लभभढ़ के वीटा प्लांट का दौरा किया और इस प्लांट में तैयार किए जा रहे दो नए उत्पादों ''मसाला छाछ'' और ''दही'' के पैकेट की शुरूआत की।

इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आने वाले गर्मी के मौसम को देखते हुए 400 ग्राम के ''मसाला छाछ'' का मूल्य 10 रूपए तथा आधा किलो ''दही'' का मूल्य 30 रूपए रखा गया है, जो कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होता है। वीटा के उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए सहकारिता मंत्री ने कहा कि जल्द ही इसकी मार्केटिंग बढ़ाई जाएगी और बूथों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वीटा के उत्पाद पहुंच सके। कार्यक्रम दौरान सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस बल्लभगढ़ के वीटा प्लांट में 90 हजार लीटर दूध की आपूर्ति होती है जिससे विभिन्न उत्पादों को तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया गया कि दूध से बनने वाले उत्पादों में दही, पनीर, लस्सी, काजू पिन्नी इत्यादि उत्पादों को तैयार किया जाता है। इसके अलावा, इन उत्पादों को तैयार करते समय उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ वीटा प्लांट के अंतर्गत 147 मिल्क बूथ आते हैं और निकट भविष्य में इनकी संख्या को 400 बूथों तक की जाएगी। इसके अलावा, इस प्लांट के अंतर्गत 16 मॉडल मिल्क बूथ भी बनाए जाएंगें। इसी प्रकार, बल्लभगढ़ प्लांट के अंतर्गत डिस्ट्रीब्यूटरों की नियुक्ति भी की जा रही है जिनमें घी की बिक्री के लिए डिस्ट्रीब्यूटर भी शामिल है। मंत्री को बताया गया कि वीटा की बिक्री बढाने के तहत रिटेल कमीशन को भी हाल ही में बढाया गया है।

ऑनलाइन कंपनियों को भूमि देने का व्यापारियों ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने प्रदेश सरकार द्वारा दो निजी कम्पनियों सैकड़ों एकड़ भूमि देने के प्रस्ताव की कड़ी निंदा की है। गुलशन डंग शनिवार को बल्लभगढ़ में चावला कॉलोनी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित व्यापारी जिला व्यापारी सम्मेलन में बोल रहे थे।

समारोह की अध्यक्षता नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अशोक गांधी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विजय जैन व प्रवीण गर्ग ने की। व्यापारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यापार संगठन शुरू से ही ई-कॉमर्स कंपनियों का विरोध करती रही है, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों का कारोबार खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएगा। एक तरफ जहां केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए तीनों कृषि काले कानूनों से देशभर का किसान प्रताड़ित है। वहीं इन उक्त कंपनियों को जमीन दिए जाने पर व्यापारी वर्ग बर्बाद हो जाएगा। गुलशन डंग ने कहा कि गेहूं के सीजन में बारदाने की भारी किल्लत की वजह से सरकार द्वारा गेहूं की खरीद नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गठबंधन सरकार द्वारा जिला अधिकारियों के माध्यम से आढ़तियों को फरमान दिया गया है कि किसान अपनी फसलें अडानी के ढांड स्थित गोदामों में ले जाएं, वहां बारदाने की आवश्यकता ही नहीं है। गठबंधन सरकार के ऐसे निर्णय परोक्ष रूप से केवलमात्र बड़े औद्योगिक घरानों को लाभ पहुंचाना ही है। गुलशन डंग ने कहा कि देशभर का खुदरा बाजार ई-कॉमर्स कम्पनियों के चंगुल में फंस चुका है, खुदरा व्यापारी बर्बाद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षो से उनका संगठन ई-कॉमर्स व्यापार पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की मांग कर रहा है ताकि बर्बाद होते खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।

नई पद्धतियों से भारत में कैंसर के इलाज में हुआ क्रांतिकारी बदलाव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

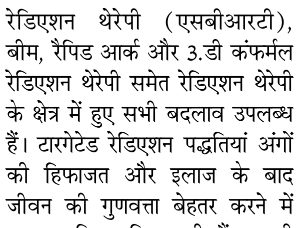

इलाज की नई पद्धतियों यानी थेरेपी से ना केवल कैंसर का इलाज आसान व तेज हुआ है, बल्कि शरीर पर न्यूनतम दुष्प्रभाव के साथ इलाज के बाद मरीज के जीवन स्तर में भी सुधार आया है। नर्सिंग होम एसोसिएशन (एनएचए) फरीदाबाद द्वारा आयोजित चिकित्सकों के कॉन्क्लेव में दक्षिणी दिल्ली के नीति बाग स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के मेडिकल ओंकोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. मनीष शर्मा ने विभिन्न प्रकार के कैंसर के इलाज के नए तरीकों के बारे में जानकारी सांझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएचए फरीदाबाद की सचिव डॉ. अनीता गर्ग और प्रेसिडेंट डॉ. नरेश जिंदल ने की। डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि कैंसर के इलाज में तीन अहम क्षेत्र हैं, रेडिएशन सर्जरी और दवा। पिछले कुछ दशक में इन तीनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली है। आज भारत में प्रोटॉन थेरेपी, स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी (एसबीआरटी), बीम, रैपिड आर्क और 3.डी कंफर्मल रेडिएशन थेरेपी समेत रेडिएशन थेरेपी के क्षेत्र में हुए सभी बदलाव उपलब्ध हैं। टारगेटेड रेडिएशन पद्धतियां अंगों की हिफाजत और इलाज के बाद जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। पुरानी तकनीकों में अंगों को रेडिएशन के कारण जलना पड़ता था, लेकिन अब आईएमआरटी, आईजीआरटी और एसबीआरटी जैसी तकनीकों की मदद से शरीर में आसपास के हिस्सों को प्रभावित किए बिना सीधे कैंसर के ट्यूमर को निशाना बनाना संभव होता है। सर्जरी में रोबोटिक सर्जरी और की-होल सर्जरी की भूमिका भी बढ़ी है। इसका लक्ष्य है कि कैंसर का इलाज सटीक हो और अंगों की हिफाजत की जा सके।

सैनिक स्कूल में मिशन ओलिंपिक शूटिंग रेंज का हुआ उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ के सेक्टर-63 में स्थित सैनिक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अन्तर्राष्ट्रीय मनको पर आधारित मिशन ओलिंपिक शूटिंग रेंज का उद्धाटन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि कृष्णपाल गुर्जर कोरोना की इमरजेंसी मीटिंक के कारण उद्धाटन स्थल पर न पहुंच पाएं। उन्होंने अपना वीडियों सन्देश भेजकर सभी को शुभकामनाएं दी तथा समारोह में उपस्थित विशेष अतिथि सुभाष राणा नेशनल कोच शूटिंग व रमेश डागर, प्रेसिडेंट हरियाणा एजुकेटर क्लब के शुभ हाथों से शूटिंग रेंज का उद्धाटन सम्पन्न हुआ।

साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्कूल के चेयरमैन व अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी सिंह राज अधाना का यूएई में आयोजित पैरा वर्ल्ड कप में एक गोल्ड, एक सिल्वर व ब्राउंज जीतकर भारत का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से गुर्जर सभा हरियाणाा आरडब्ल्यूए सेक्टर-63 व ग्राम सुधार सेवा समीति ऊंचा गांव के पद अधिकारियों द्वारा सिंघराज अधाना को स्वाफा बांधकर बधाई दी गई। स्कूल के निर्देशक उधम सिंह अधाना ने समारोह में उपस्थित सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों को स्कूल की उपलब्धियों के साथ-साथ नए सत्र के लिए सीबीएसई से मान्यता प्राप्त होने पर सभी को बधाई दी और खेलों में देश का नाम रोशन करने के लिए स्कूल के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उपस्थित स्कूल फांउडर प्रेम सिंह अधाना ने कक्षावार प्रथम, द्वतीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया व समारोह में उपस्थित अन्य अतिथिगणों ने स्कूल द्वारा खेलों व पढाई में बढ़चढ़ कर कार्य करने पर स्कूल मैनेजमेंट को बधाई दी।

कारपोरेट प्रशासन में सुधार की आवश्यकता

नियामकों और नीति-निर्माताओं को भारतीय फर्मों में स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशकों को अधिक शक्तियां प्रदान करने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

हालांकि ऐसा लग रहा है, वित्तीय घोटाले दुनिया भर में कारपोरेट प्रशासन के बढ़ते महत्व को उजागर करते हैं। भविष्य के घोटालों की पृष्ठभूमि में, शासन के मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा – विशेष रूप से पारदर्शिता और प्रकटीकरण, नियंत्रण और जवाबदेही – और बोर्ड संरचना के सबसे उपयुक्त रूप पर जो इस तरह के घोटालों को रोकने में सक्षम हो सकता है। वैश्विक वित्तीय संकट ने प्रभावी जोखिम–प्रबंधन के एक अनिवार्य तत्व के रूप में एक ध्वनि कारपोरेट प्रशासन प्रणाली की प्रासंगिकता को सामने लाया है। हालांकि एकमात्र कारण नहीं है, शासन की विफलताएं महत्वपूर्ण हैं जहां बोर्ड जोखिम को समझने और प्रबंधित करने में विफल होते हैं। संकट कारपोरेट प्रशासन और जोखिम प्रबंधन के साथ–साथ वित्तीय क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व के लिए अधिक प्रभावी दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है; भूमिका जो कॉरपोरेट गवर्नेंस की हो सकती है और जिसे निभाना चाहिए वह भरोसा बहाल करने में है।

कुछ हद तक, कंपनियों को जवाबदेह नहीं रखने के लिए शेयरधारकों की आलोचना की जा सकती है, और यह सच है कि बांडधारकों ने कंपनियों को उत्तोलन के माध्यम से अल्पकालिक रिटर्न रैंप करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हालांकि, नियामकों ने अक्सर निर्णायक रूप से इस बात पर प्रतिक्रिया नहीं दी है कि बाजार जोखिम को कम कर रहे हैं, जिससे बैंक बोर्डों को बहुत कम पूंजी, अत्यधिक लाभ, बहुत अधिक तरलता जोखिम और खराब बंधक–उधार प्रथाओं का संचालन करने की अनुमति मिलती है। एक बढ़ती हुई धारणा है कि वैश्विक वित्तीय उथल–पुथल से छूत और फैलने वाले प्रभाव किसी भी देश की आर्थिक उपलब्धियों को कमजोर कर सकते हैं। नतीजतन, कारपोरेट गवर्नेंस और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और सुदृढ़ता के बीच एक बढ़ी हुई सहभागिता होनी चाहिए। इसलिए, कारपोरेट गवर्नेंस प्रथाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से बोर्ड की क्षमता और जिम्मेदारी को बढ़ाकर। बोर्ड के सदस्यों को अपने कार्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय मुद्दों और जोखिम प्रबंधन के बारे में नवीनतम जानकारी होनी चाहिए और जब आवश्यक हो तो प्रशिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए। बोर्ड को अपने प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन करना चाहिए और शेयरधारकों को रिपोर्ट करना चाहिए। भारत जैसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कारपोरेट प्रशासन के आसपास के कुछ मुद्दों का पता लगाना उचित है।

बाहर के स्वतंत्र निदेशकों और दृढ़ प्रदर्शन के बीच संबंध पर अनुभवजन्य साक्ष्य मिश्रित हैं। कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त, निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर–कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए और उनके विवादास्पद निरीक्षण कार्यों का निर्वहन करना चाहिए। यही कारण है कि स्वतंत्रता किसी भी बोर्ड की संरचना का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

कारपोरेट प्रशासन का एजेंसी परिप्रेक्ष्य उन प्रोत्साहन समस्याओं की चिंता करता है जो निगमों में प्रबंधन और स्वामित्व के अलगाव द्वारा बनाई गई हैं। इसमें प्रबंधकों को अपनी उपयोगिता बढ़ाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहन है, लेकिन शेयरधारकों को अधिकतम रिटर्न देने के लिए नहीं। इन समस्याओं के परिणामस्वरूप, कारपोरेट नियंत्रण तंत्र ऐसे साधनों के रूप में विकसित हुए हैं जिनके द्वारा प्रबंधकों को निवेशकों के हितों में कार्य करने के लिए अनुशासित किया जाता है। निदेशक मंडल, विशेष रूप से स्वतंत्र और गैर–कार्यकारी निदेशक, आंतरिक शासन प्रणाली का शीर्ष है और इसका उद्देश्य प्रबंधकों को अवसरवादी कार्य करने के लिए प्रोत्साहन प्रोत्साहन के माध्यम से एजेंसी की समस्याओं को कम करने में सहायता करना है। अकादमिक साहित्य में इस बात के स्पष्ट प्रमाण दिए गए हैं कि एजेंसी की समस्या होने पर स्वतंत्र निदेशक शेयरधारकों की रक्षा करते हैं।

कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर-कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

गैर–कार्यकारी निदेशकों का मुद्दा यह सवाल उठाता है कि क्या यह बाहरी विशेषज्ञता निर्णयों के लिए अधिक ठोस आधार प्रदान करती है। बाहर के निदेशक (अंदर या कार्यकारी निदेशकों के विपरीत), संसाधनों और सूचनाओं को मूल्यवान पहुंच प्रदान करने के अलावा, शेयरधारकों के हितों की रक्षा भी करते हैं क्योंकि उनके रोजगार या उन्नति के अवसरों के साथ समान चिंता नहीं होती है। अध्ययन के इस क्षेत्र में प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, जेन्सेन और मेकलिंग ने 1976 में शेयरधारकों और निदेशकों / प्रबंधकों के रिश्ते को प्रमुख और एजेंट के रूप में पहचाना। शेयरधारक चाहते हैं कि उनका धन अधिकतम हो, लेकिन प्रबंधकों के पास ऐसा करने के लिए कम प्रोत्साहन है कि वे मालिक हों। बोर्ड पर अधिक गैर–कार्यकारी निदेशक होने से, इस स्पष्ट संघर्ष को कम किया जा सकता है।

1986 में मेस और 1981 में हरमन जैसे शोधकर्ताओं का तर्क है कि बाहर के निदेशकों को सलाह दी जाती है कि वे सलाह देने की अपनी क्षमता के लिए, व्यापार और व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करने के लिए और एक संकेत भेजने के लिए कि कंपनी उनकी निगरानी करने की क्षमता के बजाय अच्छा कर रही है। आगे मेस का तर्क है कि बाहर के निर्देशकों का चयन करने में, उम्मीदवारों के शीर्षक और प्रतिष्ठा का मुख्य विचार है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सीईओ निदेशक चयन प्रक्रिया पर हावी हैं और इसलिए बोर्ड को नियंत्रित करते हैं। इस दृश्य को वैंकिल और वाल्डो जैसे कुछ अन्य शोधकर्ताओं का समर्थन प्राप्त है, जो बाहरी निदेशकों के चयन में सीईओ द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के कारण फर्म के प्रदर्शन पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए बाहर के निदेशकों की क्षमता पर भी संदेह करते थे। गैर–कार्यकारी निदेशकों की आलोचना यह है कि वे अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ बहुत व्यस्त हैं और केवल अंशकालिक आधार पर कंपनी के व्यवसाय के साथ जुड़े हुए हैं।

द्वैतता तब होती है जब कोई व्यक्ति निदेशक मंडल में दो सबसे शक्तिशाली पद रखता है – जैसे कि सीईओ और अध्यक्ष। सीईओ एक पूर्णकालिक पद है और कंपनी की दिन–प्रतिदिन की दौड़ के साथ–साथ कारपोरेट रणनीति को स्थापित करने और लागू करने की जिम्मेदारी है। सीईओ भी अंततः कंपनी के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार है। इसके विपरीत, अध्यक्ष का पद सामान्य रूप से अंशकालिक होता है और मुख्य जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड प्रभावी ढंग से काम करे। इसलिए भूमिका में सीईओ सहित कार्यकारी निदेशकों के प्रदर्शन की निगरानी और मूल्यांकन शामिल है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में दो साल के आंकड़ों को लेकर सूचीबद्ध 130 मिडकैप कंपनियों पर किए गए एक अध्ययन में, परिणाम बताते हैं कि कुल निदेशकों के लिए गैर–कार्यकारी निदेशकों का अनुपात और स्वतंत्र गैर–कार्यकारी निदेशक की उपस्थिति लेखापरीक्षा समिति के प्रमुख का फर्म के प्रदर्शन से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। यह आधिपत्य सिद्धांत के अनुसार है कि निदेशक मंडल इसकी देखरेख की भूमिका को पूरा करने में असमर्थ है। यह भी पाया गया है कि भारत में मध्यम आकार की कंपनियों में फर्म के प्रदर्शन में सीईओ द्वैत संरचना सकारात्मक और महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह स्टीवर्डशिप सिद्धांत के साथ सहमति में है, कि प्रबंधक स्वाभाविक रूप से भरोसेमंद हैं और कंपनी के संसाधनों के अच्छे प्रबंधक हैं।

परिवार–नियंत्रित फर्मों में, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करने वाले बोर्ड में निदेशक नियुक्त किया जा सकता है, और इस प्रकार निदेशकों की स्वतंत्रता से समझौता हो सकता है। भारत में, सीईओ द्वैत और लघु बोर्ड सकारात्मक रूप से एक फर्म के प्रदर्शन में योगदान करते हैं। हालांकि, कुछ ऐसा प्रतीत होता है कि गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक अपनी निगरानी की भूमिका में विफल हो रहे हैं। नियामकों और नीति निर्माताओं को इस पर ध्यान देना होगा और स्वतंत्र गैर–कार्यकारी निदेशकों को अधिक दांत देने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

सरकार के लिए चुनौती है किसान आंदोलन

किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

इंद्रशेखर सिंह
(लेखक कृषि एवं पर्यावरण विशेषज्ञ हैं)

संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत में 26 मार्च को सड़कें जाम कर भारत बंद का प्रयास किया। इसमें अहमदाबाद में स्थिति काबू से बाहर हो गई। भारतीय किसान यूनियन–बीकेयू के युद्धवीर सिंह को एक प्रेस सम्मेलन के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने वाले आईपीएस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि 'अनुमति न लेने के कारण यह गिरफ्तारी हो रही है।' इससे यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या प्रेस कान्फ्रेंस करने के लिए भी सरकारी अनुमति की जरूरत है। उस समय प्रेस कान्फ्रेंस स्थल पर कोई प्रदर्शन या आयोजन नहीं हो रहा था और प्रेस सम्मेलन में बहुत कम लोग उपस्थित थे। क्या इतना छोटा कार्यक्रम सरकार को कोई नुकसान पहुंचा सकता था? हालांकि, टिकैत परिवार से संबंध रखने वाले वरिष्ठ नेता युद्धवीर की गिरफ्तारी से गुजरात सरकार ने उनको राजनीतिक लाभ ही पहुंचाया क्योंकि सामान्य प्रेस कान्फ्रेंस राष्ट्रीय खबर न बनती, जबकि अब बीकेयू के दूसरी श्रेणी का नेतृत्व भी राष्ट्रीय लोकप्रियता पा चुका है। इस प्रकार युद्धवीर को ट्विटर पर शहीद बना कर सरकार ने वास्तव में राकेश टिकैत के बीकेयू की सहायता ही की है।

हालांकि, प्रेस कान्फ्रेंस को निष्प्रभावी बनाने के लिए गिरफ्तारी की बात किसी प्रकार समझ से परे है। यह समझना कठिन है कि आखिरकार सरकार क्या सोच रही है। क्या अपने मनपसंद लोगों को आगे बढ़ा कर किसान मोर्चा तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं? टिकैत गुट को ज्यादा वरीयता मिलने से 40 सदस्यों वाले किसान नेतृत्व समूह में तनाव पैदा हो गया है।

शायद यह सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। हालांकि, बाद में युद्धवीर को रिहा कर दिया गया और उन्होंने 27 मार्च को राजस्थान की किसान पंचायत में भाग लिया। युद्धवीर और राकेश टिकैत ने केन्द्र और गुजरात सरकार के इस 'उत्पीड़न' का भारी विरोध किया। उन्होंने इसे 'गुलामी का गुजरात माडल' बताते हुए कहा है कि 'गुजरात की जनता और किसान आजाद नहीं हैं।' इन बयानों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इनका संबंध महात्मा गांधी के राज्य में जनता को प्रेस कान्फ्रेंस करने पर गिरफ्तारी से है। ऐसा लगा जैसे युद्धवीर ने उस दिन कोई बहुत बड़ी राजनीतिक गलती कर डाली थी।

हमें एक और संभावना पर भी विचार करना चाहिए। क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है। एक हालिया मीडिया सर्वे ने उनको 100 शक्तिशाली भारतीयों में शामिल किया है। जल्द ही वे ऐसी शक्ति बन जाएंगे जिनसे निपटना कठिन होगा। क्या सरकार उन पर नजर रखने के लिए अनावश्यक रूप से राजनीतिक लाभ के लिए करदाताओं का पैसा खर्च कर रही है। केन्द्र सरकार की आक्रामकता बढ़ने के साथ ही किसानों का यूनियन के लिए समर्थन भी बढ़ रहा है। इस बीच टिकैत लगातार किसानों का आह्वान कर रहे हैं कि वे अनुचित कीमतों के खिलाफ विरोध करें।

क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है।

हाल ही में पीपड़, मेहम, जयपुर व अन्य स्थानों पर उन्होंने जोर दिया कि किसानों को दिल्ली में प्रवेश कर संसद के बाहर अपनी फसलें बेचने के लिए तैयार रहना चाहिए। अनेक किसान यह साहसी रणनीति पसंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार कहती है कि किसान अपनी फसल कहीं भी बेच सकते हैं तो वे डीएम या एसपी के दफ्तर के बाहर ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं? अप्रैल मध्य मक देश के अधिकांश भागों में रबी की फसल तैयार हो जाएगी। यदि किसान आंदोलन आगे बढ़ता है तो सरकार को देशव्यापी प्रदर्शनों के लिए तैयार रहना होगा। ऐसा खासकर उस स्थिति में होगा जब कृषि उत्पादों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य–एमएसपी के नीचे चले जांए। ऐसे में सरकार का यह आश्वासन निष्प्रभावी हो जाएगा कि 'एमएपी जारी रहेगी।'

किसान आंदोलन में शामिल राकेश टिकैत का गुट बार–बार 'वाल्मार्टीकरण' की बात करता है। इस प्रकार वह भारतीय कृषि तथा किसानों के निगमीकरण की संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ–आरएसएस से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच का भी यही विचार है जो कृषि क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश–एफडीआई तथा अमेजन जैसे ई–रिटेलरों के प्रवेश के खिलाफ है। इस प्रकार संभवतः किसान आंदोलन अपने सार्वजनिक अभियानों में बहुत सतर्कता और जागरूकता बरत रहा है। किसान आंदोलन अब पुलिस सुधारों की बात भी करने लगा है। टिकैत ने एक रैली में पुलिस और सुरक्षा बल कर्मियों के लिए बेहतर वेतन और आवास की आवश्यकता बताई। ऐसे में उन पुलिसजनों के चेहरों पर आई मुस्कराहट देखने वाली थी जिनको वहां 'शांति बनाए रखने' के लिए तैनात किया गया था।

अभी हाल में राकेश टिकैत ने नौजवानों को संदेश दिया, 'अपनी जमीन पर जाएं, मिट्टी छुएं, उसे अपने माथे पर लगाएं और जमीन का अनुभव करें।' ऐसा लगता है कि इस प्रकार टिकैत समेत अन्य किसान नेता पिछले चार–पांच साल से जारी घृणा और आक्रामकता फैलाने वाले भाषणों व प्रचार के बजाय अब एक सकारात्मक व समावेशी संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने जमीन, कृषि और अधिकारों को एकसाथ जोड़ा है और वे सरकार का प्रति–विमर्श तैयार कर रहे हैं। उनके तरीके गांधीवादी हैं और उनका राजनीतिक संगठन हर बीतते दिन के साथ और मजबूत होता जा रहा है। किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

...देख दिनन के फेर

रहिमन चुप हो बैठिए देख दिनन के फेर वाली कहावत इस समय खाकी महकमे की प्रादेशिक सेवा से इस्तीफा देकर अलग हो चुके एक अधिकारी पर सटीक बैठ रही है। यह समय का ही फेर है कि नौकरी के शुरुआती दौर में ही अपनी जान जोखिम में डालकर एक माफिया डॉन के खतरनाक इरादों का खुलासा करने वाले अधिकारी को इनाम मिलने के बजाए न सिर्फ सरकारी प्रताड़ना झेलनी पड़ी बल्कि नौकरी छूटी, मुकदमा झेला और फिर जेल भी जाना पड़ा। लंबा समय जरूर लगा पर अब समय पूरी तरह बदल चुका है। भगवा सरकार के महाराज ने न सिर्फ इस अधिकारी पर लगाए गए झूठे मुकदमों को वापस ले लिया है बल्कि एक-एक कर माफिया डॉन के पूरे साम्राज्य को ध्वस्त करने में भी लगे हुए हैं। यही वजह है कि देड़ दशक से अधिक समय से गुमनामी के अंधेरे में जी रहे इस अधिकारी के नाम की चारों ओर धूम मची हुई है। बनारस से लेकर बाराबंकी तक लोग उसका स्वागत-सत्कार कर रहे हैं। उसकी बहादुरी व ईमानदारी की प्रशंसा हो रही है और माफिया के इशारे पर अन्याय पूर्ण कार्रवाई करने वाले प्रदेश के तत्कालीन मुखिया व साइकिल वाली पार्टी के नेता जी को लोग जमकर कोस रहे हैं। इतना ही नहीं उसके प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर एक मुहिम छेड़ दी है कि भगवा सरकार उसे दोबारा नौकरी में ले और सारे प्रमोशन भी दे। जानकारों का कहना है कि अगर कोई विशेष कानूनी अड़चन न आई तो भगवा सरकार यह करके भी दिखा सकती है।

कहां गईं मशीनें

शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों पर नगर निगम के आला अफसरान दावे और वादे तक ही सीमित हैं। भला हो कुछ समाजसेवियों और सफाई कर्मियों का जिनके द्वारा भोजन वितरण और सफाई का कार्य देखा जा रहा है। यही हाल रहा तो पब्लिक के साथ अधिकारियों में भी कोविड का दायरा बढ़ने की आशंका हो गयी है। साहब के आदेश पर भी सैनिटाइजकरने वाले टैंकर और मशीनें सड़क पर नहीं दिखीं जिससे स्थित बिगड़ गयी। पहले कोरोना से बचाव के लिए लॉक डाउन सबसे बड़ा हथियार था लेकिन बेचारे अधिकारी चुनावों के चलते फंस गए हैं। मरता क्या न करता वाली हालत है। बड़े साहब बाहर बैरीकेटिंग का ठेका देकर भूल गए। अब यह ठेका लेने के बाद अफसर निढ़ाल हैं। कोरोना के नाम पर कुछ ठेकेदार पैसे की लूट करना चाहते हैं। इस हरकत से साहब के माथे पर पसीना आ गया है। क्षेत्रीय पार्षदों में भी इसको लेकर नाराजगी बढ़ गयी है। कुछ भी हो कोई मौके को भुनाने में चूकना नहीं चाहता है।

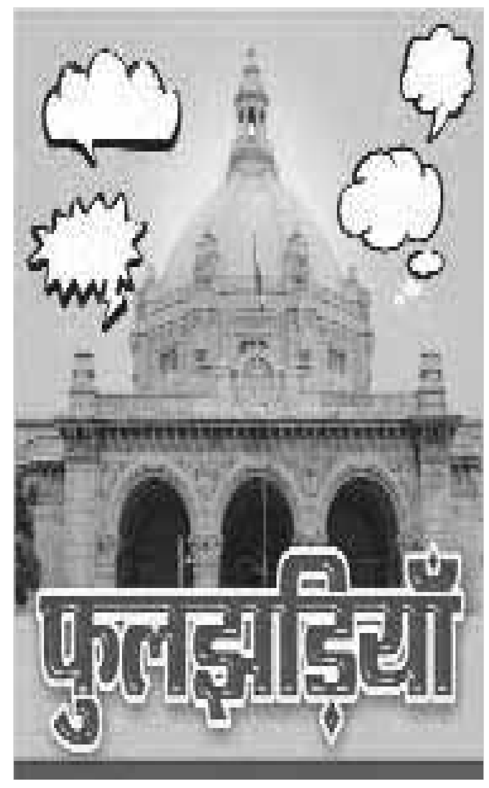

मोहे भाये पिता की गोद

पंचायत चुनाव हों, विधानसभा चुनाव हों या फिर कोरोना ही क्यों न आ जाए। मैं पिता की गोद से नहीं उतरूंगा। सब पिताजी देख लेंगे। आखिर वह शिव जो ठहरे। वह भी पालनहार। पिता की गोद में बैठकर आधा जीवन बिता दिया है। अब आगे भी ऐसे ही चल जाएगा। भले ही पिता जी ने प्रगतिशील रहने वाली पार्टी बना दी है लेकिन मैं प्रगतिशील नहीं बनूंगा। मैं स्वयं शिव का अंश हूं। जो शिव का है वह सब कुछ मेरा है। मुझे कुछ करने की जरूरत ही क्या है। इतना तो पिता ने बना ही दिया है कि पूरा जीवन आराम से कट जाएगा। अपना तो एक ही स्टाइल है। खाओ पियो मस्त रहो। जितनी प्रगति करनी थी पिताजी ने कर ली। आगे भी वही प्रगति करेंगे। जितनी पिताजी प्रगति करेंगे उतना ही मैं आगे बढ़ूंगा। आखिर सब कुछ मेरा ही तो है। मैं जो शिव का अंश आदित्य हूं। पिताजी की उंगली पकड़कर पहले भी चलता रहा हूं, आगे भी चलता रहूंगा। जो कुछ दिया है, उन्होंने दिया है। मैंने क्या किया है। मैं करूं भी क्यों। जब जरूरत ही नहीं है।

कड़का न कर दे कड़कनाथ

आए थे हरभजन को ओढ़न लगे कपास। जमाने से चली आ रही यह कहावत योगी सरकार के एक अधिकारी पर एकदम सही बैठती है। सालों साल की मेहनत और लम्बे शोध के बाद एक महिला अधिकारी ने कुछ महीने पहले कड़कनाथ मुर्गी पालन का कारोबार डाला। उम्मीद थी कि नौकरी के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त आमदनी होगी। उनका यह सपना परवान चढ़ने से पहले ही टूट गया है और अब वह कारोबार को समेटने की सोच रही हैं। दरअसल सचिवालय सेवा की यह अधिकारी सरकार के एक ऐसे विभाग में कार्यरत हैं जो आपदा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करता है। नौकरी के साथ-साथ इस महिला अधिकारी की शासन के अन्य विभागों में अच्छी जान-पहचान है। अनेक आईएएस आईपीएस और पीसीएस अफसरों के साथ इस महिला अधिकारी की अच्छी बनती है। कारोबार को शुरू करने से पहले इस महिला अधिकारी ने अपनी जान-पहचान वाले अफसरों से खूब चर्चा की। कारोबार शुरू होने पर यही अफसर उनके लिये मुसीबत बन गए। बताया जाता है कि कारोबार शुरू करने के बाद से लगभग हर दिन किसी न किसी अफसर की मुर्गे और अण्डे की डिमाण्ड आ जाती है लेकिन पैसा मिलता नहीं। ऐसे में उनका धंधा घाटे में चला गया है और अब वह कारोबार बंद करने की सोच रही हैं।

जनजाग्रति व सामाजिक सहभागिता से ही संभव है क्षय रोग नियंत्रणः आनंदीबेन पटेल

- राज्यपाल ने प्रशासनिक व पुलिस अफसरों के क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने पर जतायी प्रसन्नता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि क्षय रोग निवारण अभियान की सफलता जनजाग्रति एवं सामाजिक सहभागिता से ही सम्भव है। अतः सभी प्रतिनिधि कैलेण्डर बनाकर प्रत्येक जिले में जागरुकता कार्यक्रम चलाये तथा अधिक से अधिक क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लें। उन्होंने कहा कि जो बच्चे स्वस्थ हो चुके है, उनके स्थान पर दूसरे बीमार बच्चे लिये जा सकते है।

राज्यपाल शनिवार को राजभवन के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था की वार्षिक सामान्य बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि जनपदों में जिलाधिकारी, सीडीओ, पुलिस अधीक्षक आदि स्तर के अधिकारी क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद ले रहे हैं।

इस कार्य में विश्वविद्यालयों, स्वयं सेवी संस्थाओं व समाज सेवियों का सहयोग मिल रहा है। हमें इसे जनांदोलन के रूप में चलाना चाहिए। राज्यपाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 50 हजार से अधिक कालेज हैं। यदि हर कालेज एक गांव गोद ले तो यह कार्य प्रत्येक गांव तक पहुंच जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि तहसील स्तर पर ग्राम प्रधानों का सम्मेलन कराकर उन्हें भी इस अभियान से जोड़ने पर हमें आशातीत सफलता मिलेगी। राज्यपाल ने सदस्यों से अपील की कि वे क्षयरोग ग्रसित बच्चों के घर जाकर उन्हें फल मिठाई, गुड़, चना, मूंगफ ली, सत्तू आदि दें तथा बच्चे एवं उनके परिवार से संवाद स्थापित करें इससे आत्मीयता की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रबुद्ध वर्ग, समाज सेवी, चिकित्साविद्, राजनैतिज्ञ, शिक्षाविद् एवं निजी क्षेत्र सभी अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व समझेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा प्रदेश व देश क्षय रोग मुक्त हो जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल सहित समस्त सदस्यों ने वर्तमान कमेटी के समाप्त हुए कार्यकाल को ध्वनिमत से आगे के लिए अनुमोदित कर दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता तथा उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

राज्यपाल ने की आज से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाने की अपील

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन ने राजभवन लखनऊ से रोटरी मंडल के 37वें वार्षिक अधिवेशन में आनलाइन सहभागिता की। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि रोटरी समाजिक सेवा का पर्याय है। यह विश्व का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जो कि स्वास्थ्य, शिक्षा, शांति, सद्भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने कोविड-19 से बचाव के नियमों पर प्रकाश डालते हुए 45 साल के ऊपर आयु वालों को वैक्सीन लगवाने के लिए आह्वान किया तथा रोटरी के सदस्यों से अपेक्षा की कि प्रधानमंत्री के द्वारा की जा रही 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाए जाने की अपील को जन-जन तक पहुंचाए।

वैक्सीनेशन जागरूकता करेंगे लाखों छात्र

- आज से चलेगा टीकाकरण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कोविड संक्रमण से बचाव और टीकाकरण के प्रति जनता को जागरूक करने की कमान संभालने के बाद अब प्रदेश की युवा शक्ति भी आगे आ गई है। प्रदेश के इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले तीन लाख से अधिक छात्र अब लोगों को कोविड वैक्सीन के प्रति जागरूक करेंगे और वैक्सीन के प्रति लोगों के भ्रांतियों को भी खत्म करेंगे। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को धनराशि व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कोविड संक्रमण बढ़ने के साथ सीएम योगी ने संक्रमण पर काबू पाने के लिए खुद इसकी कमान संभाली है। कोविड नियंत्रण को लेकर सीएम ने निगरानी समितियों का गठन किया है। इसके अलावा सीएम ने स्वयं प्रयागराज व वाराणसी में कोविड वैक्सीनेशन प्रबंधों का जायजा लिया था। साथ ही अपने मंत्रियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर फील्ड में भेजा है। मुख्यमंत्री के फील्ड में उतरने के बाद अब एकेटीयू से सम्बद्ध संस्थानों के तीन लाख से अधिक छात्र भी करोनो संक्रमण की रोकथाम के लिए मैदान में आ गए है। एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय पाठक ने बताया कि राज्यपाल व मुख्यमंत्री के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों की मदद ली जा रही है।

वाटसअप पर फोटो अपलोड करो, पाओ सम्मानः एकेटीयू व आईईटी लखनऊ मिलकर कोविड वैक्सीन को लेकर जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत राज्यपाल आनंदीबेल पटेल के कर कमलों से होगी। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक बताते हैं कि इसमें सभी छात्रों से अनुरोध किया गया है कि वह अपने अभिभावकों व निवासित स्वजनों को कोविड वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित करें। इसके बाद उनको अपने अभिभावकों की फ़ोटो वाटसअप के जरिए विश्वविद्यालय को भेजना होगी। विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। एकेटीयू के साथ इस मुहिम में सीतापुर रोड स्थित आईईटी के चार हजार से अधिक छात्र भी शामिल होंगे। आईईटी के निदेशक प्रो विनीत कंसल ने बताया कि छात्रों को इस अभियान से जोड़ने से कोविड वैक्सीनेशन को बढ़ावा मिलेगा। छात्र बेहतर तरीके से वैक्सीनेशन को लेकर लोगों को भ्रांतियों को खत्म कर सकेंगे।

गांव में चलेगा जागरूकता अभियानः एकेटीयू अपने छात्रों के साथ.साथ राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाइयों की मदद से गांव में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों व आंगनबाड़ियों के माध्यम से ग्रामीण लोगों में वैक्सीनेशन को लेकर जो भ्रम है, उसे समाप्त करेगा।

देश प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आगामी वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश का चुनाव देश का चुनाव होगा। पश्चिम बंगाल ने दिखाया है कि भाजपा किसी भी स्तर पर जाकर चुनाव लड़ती है। उसके लिए आदमी की जान से ज्यादा चुनाव जीतना जरूरी है। देश प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने फिर हम सबको घेर लिया है। ऐसे चक्रव्यूह में फंस गए हैं कि कैसे निकलें किसी ने ऐसे बुरे और काले दिन नहीं देखे होंगे। भाजपा इस सबसे बेख़बर उत्सव और प्रचार से ही सरकार चला रही है। जनता अब आने वाले समय में बदलाव की तरफ देखेगी। वह तरक्की और खुशहाली के लिए वोट करेगी और भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होने के अवसर पर पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके आने से पार्टी को ताकत मिलेगी। पार्टी अपने साथ समाज के सभी वर्गो के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। श्री यादव ने कहा कि आज तमाम लोग परेशानी में है। कितने लोग कोराना के संक्रमण में जान गंवा चुके हैं। इस संकट में गरीब का रोजगार छिन गया। पलायन के दौरान लोगों की जाने चली गई। जिन्हें संकट से बचाव के लिए इंतजाम करना था वे स्टार प्रचारक बनकर झूठ बोलने निकल पड़े हैं।

टीकाकरण उत्सव में सरकार लेगी धर्म गुरुओं की मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीएम नरेन्द्र मोदी के आवहन पर होने जा रहे टीकाकरण उत्सव को सफल बनाने के लिये योगी सरकार विभिन्न सम्प्रदायों के धर्म गुरूओं की मदद लेगी। इस बारे में मुख्यसचिव की तरफसे आज सभी जिलों को जरूरी दिशा.निर्देश जारी करके टीकाकरण अभियान को कामयाब बनाने का रोडमैप बताया गया है। मुख्यसचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा जारी किये गये निर्देश में कहा गया है कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री नगरीय संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के साथ 12 अप्रैल को वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा तथा दिनांक 13 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न धर्मगुरूओं के साथ वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा। इन वेब वार्ताओं के आयोजन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित जिलाधिकारी की रहेगी।

विभिन्न धर्मगुरूओं, जिनकी संख्या 6 से 10 तक हो सकती है, को एनआईसी के माध्यम से कान्फ्रेन्स रूम में आमंत्रित किया जायेगा। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा कुछ धर्मगुरूओं से वार्ता भी की जायेगी और सम्बोधन भी होगा। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि कोरोना महामारी से लड़ाई हेतु प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक स्तर पर व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें कि ट्रैकिंग, ट्रेसिंग एवं ट्रीटमेन्ट सम्मिलित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा देश में बनायी हुई वैक्सीन की भूमिका कोरोना की लड़ाई में निर्णायक सिद्ध हो रही है।

टीकाकरण की कार्यवाही युद्ध स्तर पर की जा रही है। देश में प्रथम चरण में स्वास्थ्य कार्मिकों को, दूसरे चरण में फ्रन्ट लाइन वर्कर्स को तथा तीसरे चरण में 45 वर्ष से अधिक सभी व्यक्तियों को टीकाकरण की कार्यवाही की जा रही है। विशेष टीका उत्सव के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से समन्वय स्थापित करके प्रदेश के आम नागरिकों को अधिक से अधिक टीकाकरण हेतु प्रेरित करने का अभियान चलाया जायेगा। विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक है कि समाज के विभिन्न वर्गों को टीकाकरण में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किया जाये तथा उनका सहयोग लिया जाये। इस अभियान में यह विशेष प्रयास किया जाये कि प्रदेश के सम्मानित जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरूओं तथा प्रबुद्ध नागरिकों इत्यादि को इसमें सम्मिलित किया जाये।

हमेशा से दलित विरोधी रहा है समाजवादी पार्टी का चरित्रः मनोज यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने सपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश को दलित-पिछड़ा विरोधी मानसिकता का करार देते हुए कठघरे में खड़ा किया है। पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने कहा कि सूबे की समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव आज पूरी तरह से दलित-पिछड़ों की हकमारी के मामले में पूरी तरह से एक्स्पोज हो चुके हैं। दलित-अति पिछड़ा समाज आज उनका साथ छोड़ चुका है। भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती 'दलित दिवाली' के रूप में मनाने की घोषणा करना उसी हताशा का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब की विचारधारा को कुन्द और सीमित करना चाहते है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के पूर्वी जोन के चेयरमैन मनोज यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता द्वारा लगातार खारिज किए जाने से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव विचलित होकर अवैज्ञानिक और अतार्किक निर्णय ले रहे हैं। दलित दिवाली की घोषणा करना उसी हताशा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश बाबा साहब की जयंती समता दिवस के रूप में मना रहा है। ऐसे में सपा सुप्रीमो द्वारा दलित दिवाली की घोषणा करना उनकी सियासी कमजोरी और भाजपा से अंदरखाने सांठगांठ को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का चरित्र हमेशा से दलित विरोधी रहा है, प्रोन्नति में आरक्षण का बिल फाड़ने वाली सपा अम्बेडकर के नाम पर ढोंग और स्वांग कर रही है। अखिलेश यादव के 2012 में सत्ता पर आते ही दलित बस्तियों पर हमले तेज हो गए थे। उन्होंने कहा कि दलित दिवाली की बात करने का अधिकार उन्हें नहीं जो जीत की जश्न में दलितों की बस्तियां जलाते हैं। उन्होंने कहा कि दलितों के उत्पीड़न में सपा-बसपा और भाजपा दोनों एक समान रहे हैं।

भाजपा जनता की असली हितैशीः कौशल किशोर

संवाददाता। बख्शी का तालाब लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में नामांकन के साथ ही अपने पक्ष में समर्थन के लिये मैदान में उतर पड़े हैं। शनिवार को सांसद कौशल किशोर ने वार्ड छह से जिला पंचायत सदस्य के लिये चुनाव लड़ रहे ज्ञान चंद ज्ञानी के लिये प्रचार किया। उन्होंने क्षेत्र के कठवारा और सुल्तानपुर गांव में आयोजित सभा में जनता से उन्हें जितने की अपील की हैं। उन्होंने बताया कि जनता की असली हितैसी भाजपा ही हैं। जो आमजन तक विकास का लाभ पहुचाने के लिये कार्यरत हैं। इस अवसर पर बीकेटी के पर्व ब्लाक प्रमुख शवदर्शन यादव नगर पंचायत अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। वही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई वार्डो में क्षेत्रीय विधायक अविनाश त्रिवेदी ने जनसम्पर्क कार्यालय का शुभारंभ किया। वही वार्ड.2 से अनिता लोधीए वार्ड-3 से रामपाल रावतए वार्ड.4 से आरती रावतए वार्ड-5 से आशुतोष सिंह के समर्थन में कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद जनसम्पर्क किया। जिस दौरान सभी भाजपा उम्मीदवारों को सदस्य जिला पंचायत चुनाव जिताने की अपील की है। इस अवसर पर दिनेश वर्मा राजू कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बसपा, भाजपा व कांग्रेस के नेता सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए शनिवार को बसपा, भाजपा और कांग्रेस पार्टी छोड़कर आये कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल सभी नेताओं तथा उनके साथ आए कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा पार्टी को इनके आने से मजबूती मिलेगी। भाजपा छोड़कर आये सियाना जिला बुलन्दशहर के पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार राकेश त्यागी, जिला पंचायत सदस्य फतेहाबाद आगरा हेमंत निषाद, बरेली के अधिवक्ता रामेन्द्र कश्यप, फिरोजाबाद अलीगढ़ के पूर्व संगठन मंत्री बृजेश कुमार गौतम, अखिल भारतीय लोधी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उत्तम चन्द्र राकेश लोधी और कांग्रेस छोड़कर पूर्वमंत्री अनीसुर्रहमान शेरवानी के पुत्र अयाज शेरवानी, पूर्व विधायक अशरद खान पूरनपुर जिला पीलीभीत, अतरौली अलीगढ़ के पूर्व प्रत्याशी अश्वनी शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सम्भल बिमलेश कुमारी, पूर्व प्रत्याशी शाहजहांपुर ब्रह्मस्वरूप सागर, बदायूं के साजिद अली, प्रयागराज के तारिक सईद समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। बसपा छोड़कर आये बरेली शहर के पूर्व प्रत्याशी इं. अनीस अहमद तथा रिज़वान के अतिरिक्त सेवानिवृत्त बेसिक एजूकेशन अफसर फतेहाबाद आगरा के डॉ. बच्चू सिंह निषाद ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। सदस्यता ग्रहण समारोह में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के पदाधिकारी बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इनमें प्रमुख हैं सैय्यद फरहान अली प्रदेश उपाध्यक्ष, जाहिद गाजी जिलाध्यक्ष बदायूं, निखिल कुमार जिलाध्यक्ष बरेली एवं जसपाल सिंह जिलाध्यक्ष पीलीभीत। इस अवसर पर सलीम शेरवानी पूर्व सांसद, नरेश उत्तम पटेल प्रदेश अध्यक्ष, अरविन्द कुमार सिंह एमएलसी, आईबी सिंह एडवोकेट की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मत्स्य पालन से लाखों युवाओं को रोजगार देगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मछली पालन से रोजगार सृजन और आय में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ी पहल शुरू की है। कम पूंजी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से लाखों युवाओं को रोजगार देने के प्रयास तेज हो गए हैं। आसानी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर तो उपलब्ध होंगे वहीं गांव में बंजर पड़ी पंचायती जमीन पर बनाए गए तालाबों से ग्राम पंचायत की आय के साधन भी बढ़ जाएंगे।

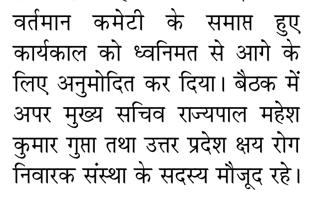

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि रोजगार की अपार संभावनाएं रखने वाला मछली पालन ग्रामीण विकास और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। यही कारण है कि अब मछली पालन में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिये सुनहरे अवसर प्रदान करने जा रही है। इस दिशा में मत्स्य पालन विभाग की ओर से कई लाभकारी योजनाएं शुरू होने जा रही हैं। जिससे बेरोजगारी तो दूर होगी और साथ में मत्स्य पालन को बढ़ावा भी मिलेगा। पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं किया जिस कारण रोजगार के बड़े अवसर प्रदान करने वाला यह क्षेत्र पिछड़ा रह गया। मत्स्य पालन विभाग की ओर से किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। मत्स्य पालन का प्रशिक्षण देने के साथ ही इसके विस्तार के प्रयास सरकार की ओर से किए जा रहे हैं। अब किसान खेती के साथ.साथ मछलीपालन करके भी अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। प्रदेश गुना उत्पादन सरकार ने पिछली सरकारों की अपेक्षा मत्स्य जलाशयों की अवधि को 3 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की है। यही कारण है कि बीते चार साल वर्षों मे प्रदेश में 26.44 लाख मीण्टन मत्स्य उत्पादन हुआ। चार वर्षों में 1191.27 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन हुआ और 5902 मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये। प्रदेश सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना लागू करके निःशुल्क मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी किसानों को दिलवाया। सरकार ने पिछले चार वर्षों में प्रदेश के 2215 मछुआ आवास आवंटित किए हैं। इसके साथ ही यूपी के मत्स्य पालकों को फिश फार्मर ऐप का संचालन कर सुविधाओं में इजाफा किया है। प्रदेश में 57 मत्स्य बीज हैचरी और 385 मत्स्य बीज रियरिंग यूनिट का निर्माण होने से सीधे तौर पर लोगों को लाभ मिल रहा है। कुछ समय पूर्व योगी सरकार के नेतृत्व में बेस्ट स्टेट ऑफ इन्लैण्ड फिशरीज़ का प्रथम पुरस्कार भी प्रदेश को हासिल हुआ है। प्रदेश सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि बना है।

छात्रों को छात्रवृत्ति देने में सरकार ने बनाया रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छात्रवृत्ति वितरण में भी योगी सरकार ने रिकार्ड कायम कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई में किसी तरह की बाधा न उत्पन्न हो इसके लिए छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दिए जाने का काम किया गया है। चार साल में प्रदेश सरकार ने दसवी के ऊपर के अनुसूचित जाति के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। सरकार की ओर से दसवीं के ऊपर के छात्रों को 71.49 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा अल्पसंख्यक छात्रों को भविष्य बनाने के लिए साढ़े चार लाख छात्रों को 109 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। प्रदेश में पिछड़े, दलित, वंचित वर्ग समेत अल्पसंख्यक गरीब छात्रों का भविष्य को संवारने के लिए योगी सरकार ने चार सालों में छात्रवृत्ति वितरण में कीर्तिमान बना दिया है। सरकार की ओर अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व अनुसूचित जनजाति के गरीब छात्र-छात्राओं को करोड़ों रुपयों की छात्रवृत्ति को सीधे छात्र.छात्राओं के खातों में भेजा जा रहा है। विगत चार वर्षों में अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 391.75 करोड़ रुपए और अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की है। वहीं अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से नीचे के के छात्रों को 3 करोड़ 7 लाख रुपए और अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 71. 49 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित किया गया है। साथ ही अन्य पिछड़े वर्ग के दसवीं कक्षा से नीचे छात्रों को 576.4 8 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 4217.15 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसके अलावा अल्पसंख्यक वर्ग के 4 लाख 31 हजार 730 दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 109.6 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के 12 57 हजार 210 छात्रों को 899.92 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। 12 लाख 57 हजार 210 छात्र-छात्राओं को 899.92 करोड़ की छात्रवृत्ति और सामान्य वर्ग के 2 लाख 32 हजार 552 दसवीं से पूर्व छात्रों को 59.58 करोड़ रुपए एवं दसवीं से आगे के छात्र.छात्राओं को 2052.65 करोड़ छात्रवृत्ति वितरित की गई। प्रदेश के 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 103 पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

पंजाब में केवल पांच दिन का टीके का भंडार बचा है: अमरिंदर सिंह

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को कहा कि पंजाब में केवल पांच दिन का कोविड-19 रोधी टीके का भंडार बचा है और उन्होंने केन्द्र सरकार से टीके की आपूर्ति का कार्यक्रम साझा करने की अपील की है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रतिदिन 85,000 से 90,000 लोगों को टीके लग रहे हैं और इस दर से पंजाब का मौजूदा 5.7 लाख टीकों का भंडार पांच दिन में समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने केन्द्र से टीकों की नई खेप प्राप्त होने की उम्मीद जताते हुए कहा कि अगर पंजाब एक दिन में दो लाख टीके लगाने के अपने लक्ष्य को हासिल करता है तो उसके पास टीकों की जो खुराक है वह तीन दिन में समाप्त हो जाएगी। यहां जारी एक सरकारी बयान में सिंह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर अगली तिमाही के लिए पुख्ता आपूर्ति कार्यक्रम साझा करने को कहा है। कांग्रेस शासित राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के हालात पर विचार विमर्श के लिए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से आयोजित बैठक में सिंह में कहा था कि टीकाकरण की धीमी शुरुआत के बावजूद, पंजाब में 16 लाख से अधिक लोगों को टीका लगा है, औसतन यह संख्या प्रतिदिन 85,000 से 90,000 के बीच है।इस बैठक में पार्टी नेता राहुल गांधी और पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सिंह ने कहा कि पंजाब में अभी भी अधिक संख्या में लोग टीका लगवाने इस लिए नहीं आ रहे हैं क्योंकि उनमें कृषि कानूनों के मुद्दे को लेकर केन्द्र सरकार के प्रति बेहद आक्रोश है। उन्होंने कहा यह आक्रोश टीकाकरण अभियान को प्रभावित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कोविड-19 और टीकाकरण के प्रति हिचक को ले कर लोगों की भ्रांतियों को दूर करने के लिए अभियान चला रही है। सिंह ने सोनिया गांधी को बताया कि कोरोना संक्रमितों की दैनिक संख्या के आधार पर देश में 18वें पायदान वाले पंजाब में संक्रमण की दर आठ प्रतिशत के करीब है। और करीब दो माह से प्रति दिन तीन हजार नए मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सामने आ रहे संक्रमण के मामले थोड़े स्थिर हैं और यह दर्शाता है कि पिछले तीन सप्ताह से उठाए गए कदम सही दिशा में हैं।

कोविड-19 टीका आवंटन के मानक बनाए जाएं

● महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की तुलना में आबादी में छोटे और उपचाराधीन मरीजों की कम संख्या वाले कई राज्यों को टीके की ज्यादा खुराकें मिल रही है

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने केंद्र से अपील की कि किसी राज्य की आबादी और वहां उपचाराधीन मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोविड-19 टीका आवंटन के मानक बनाए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की तुलना में आबादी में छोटे और उपचाराधीन मरीजों की कम संख्या वाले कई राज्यों को टीके की ज्यादा खुराकें मिल रही हैं।टोपे ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र की तरफ से भेजे गए 3.5 करोड़ खुराकों में से महाराष्ट्र को सात लाख खुराकें मिलीं और काफी मान-मनव्वल के बाद केंद्र ने दस लाख और खुराकें दी हैं।उन्होंने कहा, आबादी और उपचाराधीन मरीजों की संख्या के लिहाज से मानक तय किए जाने चाहिए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र की आबादी 12 करोड़ से अधिक है और यहां कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या देश भर की कुल संख्या का 60 फीसदी है।उन्होंने कहा कि संख्या ज्यादा है क्योंकि जांच में काफी बढ़ोतरी हुई है।टोपे ने कहा कि रोजाना छह लाख खुराकें देने के लिए राज्य सरकार अपनी क्षमता का इस्तेमाल कर रही है।उन्होंने कहा, हम रोजाना छह लाख लोगों का टीकाकरण कर रहे हैं। हर हफ्ते हम 40 लाख लोगों का टीकाकरण कर रहे हैं और हर महीने करीब 1.60 करोड़ लोगों का... हमें उसी मुताबिक टीके चाहिए। जहां ज्यादा मामले हैं, वहां प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की जरूरत है और टीका ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने पूछा, आज हमारे पास आठ लाख टीके मौजूद हैं और हमें बताया गया है कि एक दिन में चार लाख खुराकें और मिलेंगी। अगर रोजाना आधार पर टीकों की आपूर्ति होती है, तो फिर समय रहते राज्य के अन्य हिस्सों में टीकों की आपूर्ति कैसे की जाएगी? टोपे ने कहा कि मुंबई में 70 टीका केंद्र बंद हैं और सांगली, सातारा, पनवेल में भी टीके की कमी है, जिस कारण वहां के सभी केंद्र प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि इन केंद्र पर जाने वाले लोगों को वापस लौटाया जा रहा है। यह काफी शर्मिंदगी की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य में टीके की बर्बादी का प्रतिशत महज तीन फीसदी है।टोपे ने कहा, केंद्र इन समस्याओं का समाधान गंभीरता से नहीं कर रहा है।

पश्चिम बंगाल के नादिया में एक चुनावी रैली में पार्टी कार्यकताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किया गया देवी दुर्गा का चित्र

असम में चार मतदान केन्द्रों पर 20 अप्रैल को पुनः मतदान कराने का आदेश

भाषा। गुवाहाटी

निर्वाचन आयोग ने असम के चार मतदान केन्द्रों पर 20 अप्रैल को दोबारा मतदान कराने का शनिवार को आदेश दिया है। आयोग ने असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे पत्र में कहा कि 20 अप्रैल को रताबाड़ी, सोनाई और हाफलोंग क्षेत्रों के चार मतदान केंद्रों पर दोबारा मत डाले जाएंगे। पत्र में कहा गया है, आयोग ने एक अप्रैल को इन मतदान केन्द्रों पर डाले गए मतों को अमान्य घोषित कर दिया है। असम विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में एक अप्रैल को मतदान हुआ था। आयोग के आदेश में कहा गया है कि भाजपा उम्मीदवार की पत्नी से संबंधित कार में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) मिलने के बाद रताबाड़ी (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में स्थित इंदिरा एमवी स्कूल में मतदान केन्द्र संख्या 149 पर दोबारा चुनाव कराए जाएंगे। गौरतलब है कि हाफलोंग विधानसभा क्षेत्र में कोठलिर एलपी स्कूल में मतदान केन्द्र संख्या 107 (ए) में 90 मतदाता ही मतदान के लिए पंजीकृत थे, लेकिन वहां कुल 171 वोट डाले गए। सोनाई विधानसभा क्षेत्र में स्थित मध्य धनेहोरी एलपी स्कूल में मतदान केन्द्र संख्या 463 पर भी नए सिरे से मतदान कराने का आदेश दिया गया है, जहां गोलीबारी की घटना में कम से कम तीन लोग घायल हो गए थे।

क्विक न्यूज

जलील तत्काल इस्तीफा नहीं देंगे, कई कानूनी विकल्प मौजूद हैं : केरल के विधि मंत्री

तिरुवनंतपुरम,। रिश्तेदार को नौकरी दिलाने के लिए पद का उपयोग करने संबंधी लोकायुक्त की प्रतिकूल रिपोर्ट के बाद उच्च शिक्षा मंत्री के. टी. जलील के इस्तीफे की लगातार हो रही मांग के बीच केरल के विधि मंत्री एके बालन शनिवार को उनके समर्थन में उतरे और संकेत दिया कि अभी इस्तीफा नही होगा। जलील के पास कई कानूनी विकल्प होने का संकेत देते हुए बालन ने कहा कि मंत्री लोकायुक्त के फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं और उस पर स्थगनादेश ले सकते है। पलक्कड में उन्होने संवाददाताओ से कहा, मुख्यमंत्री के पास रिपोर्ट पर कार्वाई के लिए तीन महीने का समय है। जो उनके (जलील के) तत्काल इस्तीफे की मांग कर रहे है, उन्हें पता होना चाहिए कि राज्य में अभी तक ऐसा कोई उदाहरण नही है। उन्होंने सवाल किया, क्या कभी किसी ने सिर्फ इस वजह से इस्तीफा दिया है क्योंकि निचली अदालत ने कुछ कह दिया हो? बालन ने कहा कि केरल में निचली अदालत के फैसले पर इस्तीफा देने का कोई उदाहरण नही है। उन्होंने कहा, जलील के रिश्तेदार के. टी. अदीब को प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया है.... हमें बस यह सत्यापित करने की जरूरत है कि व्यक्ति इसके योग्य है या नही। कोई कानून ऐसा नही कहता है कि रिश्तेदारो की नियुक्ति नही की जा सकती है। केरल लोकायुक्त की खंडपीठ ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को एक रिपोर्ट सौप कर कहा था कि जलील ने अपने अधिकारो का दुरुपयोग कर अपने रिश्तेदार को नौकरी दी और उन्हे अब मंत्री पद पर नही रहना चाहिए।

सीमाशुल्क अधिकारियों ने डॉलर मामले में केरल के विधानसभाध्यक्ष का बयान दर्ज किया

तिरुवनंतपुरम। डॉलर तस्करी मामले की जांच कर रहे सीमाशुल्क अधिकारियो ने यहां केरल के विधानसभा अध्यक्ष पी श्रीरामकृष्णन के आवास पर उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अधिकारी शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष के घर पहुंचे क्योंकि वह पहले ही एजेंसी को बता चुके थे कि स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते वह कोच्चि नही जा सकते।विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय ने पीटीआई-भाषा को बताया, उन्होंने डॉलर घोटाले से संबंधित कुछ मामलो पर सफाई मांगी। लगभग दो घंटे की पूछताछ के बाद उन्होने संतुष्टि व्यक्त की। सीमाशुल्क विभाग ने तस्करी मामले में बयान दर्ज कराने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को तीन बार सम्मन भेजा था। हालांकि वह विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए उपस्थित नही हुए थे। डॉलर मामला तिरुवनंतपुरम मे स्थित यूएई वाणिज्य दूतावास के पूर्व वित्त प्रमुख द्वारा।,90,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.30 करोड़ रुपए) ओमान में मस्कट भेजने से संबंधित है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत कोविड-19 से संक्रमित

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है और उन्हें नागपुर के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। संघ ने शनिवार को बताया कि भागवत (70) में संक्रमण के सामान्य लक्षण है। संघ ने ट्वीट किया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है। उनमे कोविड-19 के सामान्य लक्षण है तथा उन्हे सामान्य जांच के लिए और सावधानी के तौर पर नागपुर के किंग्सवे अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया था कि भागवत को अस्पताल के कोविड-19 वार्ड मे भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होने कहा था कि भागवत को चिकित्सको की निगरानी मे रखा गया है।कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने ट्वीट किया, मै सरसंघचालक मोहन भागवत के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मै उनके शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

केंद्र की विफल नीतियों के चलते प्रवासी फिर पलायन को मजबूर, सरकार को अच्छे सुझावों से एलर्जी : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विफल नीतियो के कारण कोरोना वायरस की दूसरी लहर आई है तथा मजदूर फिर से पलायन करने को मजबूर है, लेकिन इस अहंकारी सरकार को अच्छे सुझावो से एलर्जी है। उन्होंने ट्वीट किया, केंद्र सरकार की विफल नीतियो से देश में कोरोना की भयानक दूसरी लहर है और प्रवासी मज़दूर दोबारा पलायन को मजबूर है। कांग्रेस नेता ने कहा, टीकाकरण बढ़ाने के साथ ही इनके हाथ मे रुपए देना आवश्यक है- आम जन के जीवन व देश की अर्थव्यवस्था दोनो के लिए। लेकिन अहंकारी सरकार को अच्छे सुझावो से एलर्जी है इससे पहले, आठ अप्रैल को राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि कोरोना वायरस टीको की खरीद एवं वितरण मे राज्यो की भूमिका बढ़ाने के साथ ही सभी जरूरतमंद लोगो को टीका लगाने की व्यवस्था की जाए और टीके के निर्यात पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने यह भी कहा था कि इस मुश्किल समय मे गरीब तबको को सीधे तौर पर आर्थिक मदद दी जाए।

बाद्रा-वर्ली समुद्रसेतु पर करतब दिखाने के मामले में दो रूसी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई (महाराष्ट्र)। मुंबई मे बांद्रा-वर्ली समुद्रसेतु पर कथित रूप से करतब करने के कारण दो रूसी नागरिको को गिरफ्तार किया गया है।एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह घटना बुधवार शाम की है और रूसी नागरिको की पहचान माकसिम शेर्बाकोव (24) और वासिली कोलेसेनिकोव (30) के रूप मे की गई है। उन्होने बताया कि दोनो लोग बांद्रा से टैक्सी के जरिए समुद्र सेतु पहुंचे। कुछ देर चलने के बाद माकसिम ने पुल के खंभे पर चढ़ना शुरू कर दिया और वासिली माकसिम की तस्वीरे खीचने और वीडियो बनाने के लिए नीचे खड़ा रहा। अधिकारी ने कहा, कुछ राहगीरो ने समुद्रसेतु प्रबंधन कर्मियो को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सतर्क किया गया। वर्ली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल कोली ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनो को गिरफ्तार कर लिया। उन्होने बताया कि दोनो को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 336 (उतावलेपन या लापरवाही से काम करना) और 188 (लोक सेवक के आदेश की अवहेलना करना) के तहत गिरफ्तार किया गया है। कोली ने बताया कि दोनों को अदालत मे पेश किया गया, जहां से उन्हे 7,500 रुपए की जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा, जांच मे पता चला किए दोनो लोग किसी सर्कस मे काम करते है और करतब करने के लिए अक्सर ऊंचे ढांचो पर चढ़ते है तथा अपनी तस्वीरें एवं वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते है। मुंबई पुलिस के आतंकवादी रोधी प्रकोष्ठ ने भी दोनो से पूछताछ की, लेकिन उनके खिलाफ कोई संदेहास्पद बात सामने नही आई। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों के खिलाफ संभवतः सोमवार को आरोप पत्र दायर करेगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री महेश जोशी का निधन

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश जोशी का शुक्रवार देर रात यहां एक निजी अस्पताल मे निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। परिवार के सूत्रो ने शनिवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि शनिवार को इन्दौर मे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख कमलनाथ ने जोशी के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश जोशी के निधन का समाचार प्राप्त हुआ।

बिहार के पुलिस अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भीड़ ने मार डाला

भाषा। किशनगंज, पटना

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में शनिवार तड़के छापेमारी के दौरान भीड़ द्वारा कथित तौर पर पीटे जाने से बिहार के एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना गोवालपोखर थाना क्षेत्र के पंथापाड़ा गांव में उस समय हुई जब बिहार के किशनगंज जिले के नगर थाना प्रभारी अश्विनी कुमार मोटरसाइकिल लूट के मामले में एक छापेमारी का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक पुलिस टीम के साथ कुमार गांव में गए थे। यह मामला किशनगंज पुलिस थाने में दर्ज है। उन्होंने बताया कि भीड़ ने उन्हें घेर लिया और कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद पंजिपारा चौकी से पुलिसकर्मियों की एक टीम ने उन्हें भीड़ से छुड़ाया और इस्लामपुर सदर अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान फिरोज आलम, अबुजर आलम और सहीनुर खातून के रूप में हुई है। पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर और बिहार में किशनगंज सीमा साझा करते हैं। इस्लामपुर में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस अधिकारी का पार्थिव शरीर दिन में किशनगंज पुलिस लाइन लाया गया। कुमार को किशनगंज पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। हालांकि कुमार के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने टीम के अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठाया, जब कुमार को भीड़ द्वारा पीटा जा रहा था। परिवार ने यह भी जानना चाहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस को छापेमारी के बारे में पूर्व सूचना क्यों नहीं दी गई।

मुंबई में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों के चलते लगे लाक डाउन के बाद जुहू समुद्र तट पर पसरा सन्नाटा

नागपुर अस्पताल आग: महिला मरीज सहित चार लोगों की मौत,दो की हालत गंभीर

भाषा। नागपुर,

नागपुर में एक निजी अस्पताल में आग लगने से एक महिला सहित चार मरीजों की मौत हो गई जबकि दो मरीजों की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग शुक्रवार रात आठ बज कर 10 मिनट पर चार मंजिला वेल ट्रीट हॉस्पिटल के आईसीयू वॉर्ड में लगी। यह अस्पताल शहर के वाडी इलाके में स्थित है। अधिकारी ने बताया कि यह गैर कोविड अस्पताल है और यहां 31 मरीजों का इलाज चल रहा था, जिनमें से दस मरीज आईसीयू में थे। नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया, आग लगने से चार मरीजों की मौत हो गई। उनमें से एक की मौत शायद आग लगने से पहले ही हो गई थी लोकिन शरीर पर जलने के निशान थे। पोर्ट मॉर्टम के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने बताया कि दो मरीजों की हालत गंभीर है। नागपुर नगर निगम (एनएमसी) के मुख्य दमकल अधिकारी राजेन्द्र उचके ने बताया कि अस्पाल के दूसरे तल पर स्थित आईसीयू में एक एसी यूनिट में आग लग गई। उन्होंने बताया, आग दूसरे तल तक ही सीमित रही और आगे नहीं फैल पाई क्योंकि अस्पताल कर्मियों ने दमकल कर्मियों के पहुंचने तक आग बुझाने का काम जारी रखा। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के वक्त आईसीयू में दस मरीजों का उपचार चल रहा था, इस दौरान छह मरीज किसी तरह बाहर निकल आए, आग से बचाए गए चार लोगों ने बाद में दम तोड़ दिया।आग पर रात साढ़े नौ बजे काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि एक महिला और तीन पुरुष मरीजों की घटना में मौत हो गई।

ओडिशा में विधानसभा उपचुनाव में खड़े कांग्रेस प्रत्याशी को कोरोना वायरस संक्रमण

भुवनेश्वर। ओडिशा में पीपली विधानसभा उपचुनाव में खड़े कांग्रेस के प्रत्याशी अजीत मंगराज ने शनिवार को कहा कि वह कोरोना वायरस संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने घोषणा की कि वह इस संक्रमण का उपचार करा रहे हैं। उसके बाद फेसबुक पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने और किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। मंगराज ने उनसे कठिन परिश्रम करने और उपचुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। पीपली विधानसभा क्षेत्र में 17 अप्रैल को उपचुनाव होगा। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जयदेव जेना, वरिष्ठ नेता चिरंजीव बिस्वाल एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को पीपली में मंगराज के लिए चुनाव प्रचार किया था। सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के विधायक प्रदीप महारथी के अक्टूबर, 2020 में निधन के बाद इस उपचुनाव की जरूरत हुई। बीजद ने रूद्रपतापा महारथी को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि भाजपा ने आश्रित पटनायक को प्रत्याशी बनाया है।

गुजरात सरकर लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं है: विजय रूपाणी

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बावजूद राज्य सरकार लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं है क्योंकि वह गरीबों पर इसके प्रभाव पर विचार कर रही है। हालांकि, उन्होंने गांवों में या शहरों में बाजार संघों द्वारा स्थानीय स्तर पर स्वैच्छिक रूप से लॉकडाउन किए जाने का स्वागत किया।यह पूछे पर जाने कि क्या सरकार कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लॉकडाउन लागू करने के बारे में सोच रही है तो रूपाणी ने कहा, राज्य सरकार गरीब लोगों की समस्याओं को देखते हुए राज्य में लॉकडाउन लगाने को तैयार नहीं है। हमने लोगों की अनावश्यक आवाजाही को रोकने के लिए पहले ही एक दिन में 10 घंटे के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। रूपाणी ने 20 नई धनवंतरी वैन को रवाना करने के बाद पत्रकारों से कहा, यदि कोई बाजार संघ स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाता है या कोई गांव इस तरह का कदम उठाता है, तो यह स्वागत योग्य है। मामलों में तेजी के बीच, गुजरात में कई गांवों, आवास समितियों और बाजार संगठनों ने अपने क्षेत्रों में लॉकडाउन की घोषणा की है। अहमदाबाद में सोला रोड के बाजार संगठन ने संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए शनिवार और रविवार को लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है।पालनपुर शहर में दो दिनों के लिए जनता कर्फ्यू भी लागू किया गया है, लेकिन कुछ व्यापारियों ने अपनी दुकानें खुली रखीं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोविड-19 के 4,541 नए मामले सामने आने के बाद शुक्रवार को मामलों की संख्या बढ़कर 3,37,015 पर पहुंच गई।इस बीच मुख्यमंत्री ने उन खबरों का खंडन किया कि जिनमें कहा गया है राज्य सरकार कोविड-19 संक्रमण के कारण मृतकों की संख्या का सही आंकड़ा छिपा रही है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गुजरात में शुक्रवार तक कोविड-19 से मृतकों की संख्या 4,697 थी।

एक वर्ष बाद भारत में स्थिति और विकट

● कोविड-19 मामलों में तेज बढ़ोतरी, वायरस के नए स्वरूप आए सामने

भाषा। नई दिल्ली

पिछले वर्ष जब लाखों भारतीयों ने कोविड योद्धाओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए अपने घरों के बिजली के बल्ब बंद कर दिए थे और मोमबत्ती एवं मिट्टी के दीए जलाए थे तब कई ने संभवत: यह सोचा होगा कि लड़ाई जल्द ही खत्म हो जाएगी, लेकिन तब से एक साल बीत गया है किंतु स्थिति और विकट हो गई है।

पिछले साल 10 अप्रैल को लाखों लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में देश के सामूहिक संकल्प और एकजुटता दिखाने की अपील पर प्रतिक्रिया जताई थी। तब संक्रमितों के कुल मामले 6,761 थे जबकि मृतक संख्या 206 थी। वर्तमान समय की बात करें तो भारत में शनिवार को कोविड-19 के1,45,384 नए मामले सामने आए जिससे देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,32,05,926 हो गई, जबकि मृतक संख्या बढ़कर 1,68,436 हो गई है।

अकेले दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 8,500 नए मामले सामने आए थे जबकि महाराष्ट्र में 58,000 से अधिक नए मामले आए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 10 राज्यों - महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान- में वर्तमान में प्रतिदिन सामने आने वाले कोविड-19 के मामलों में तेजी देखी जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को सामने आए नए मामलों में से 82.82 प्रतिशत मामले इन राज्यों से थे।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या साढ़े छह महीने के बाद एक बार फिर 10 लाख से अधिक हो गई है। देश में एक दिन में 794 और मरीजों की मौत हुई, जो पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद से सबसे अधिक है। भारत में पिछले साल 19 दिसंबर को कोविड-19 संक्रमण के मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। संक्रमण के प्रसार में थोड़े समय के लिए कमी आई और जनवरी 2021 में स्थिति में सुधार हुआ। गत 2 फरवरी को देश में एक दिन में सबसे कम सिर्फ 8,635 मामले सामने आए थे। हालांकि, यह प्रवृत्ति लंबे समय तक नहीं चली और मार्च 2021 में संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने लगे। बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी भी वायरस से संक्रमित हुए हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने टीके की दोनों खुराकें ले ली हैं। देश में अभी तक 9.78 करोड़ से अधिक कोविड-19 टीके की खुराक स्वास्थ्य सेवा और अग्रिम मोर्चे पर लगे कर्मियों और 45 से अधिक आयु के लोगों को दी गई है। भारत रात के समय कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर और रोजाना 20 लाख से ज्यादा लोगों को टीके लगाकर कोरोना वायरस की दूसरी लहर को रोकने के प्रयास कर रहा है। कोरोना वायरस के कई और प्रकार सामने आए हैं और कई विशेषज्ञों का मानना है कि हो सकता है कि ए देश में मामलों में हो रही वृद्धि के लिए जिम्मेदार हों। कोविड-19 के तीन नए प्रकारों की पहचान की गई है जिसमें ब्रिटेन में सामने आया कोविड-19 का स्वरूप, ब्राजील में सामने आया प्रकार और दक्षिण अफ्रीका में सामने आया कोविड-19 का नया स्वरूप शामिल है। भारत में महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में एक नए डबल म्यूटेंट कोविड-19 प्रकार का भी पता चला है, जहां कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के दौरान कूच बिहार जिले में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े मतदाता

ममता ने निर्वाचन आयोग को दिया जवाब, नियम उल्लंघन की बात नकारी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय बलों पर टिप्पणी

केंद्रीय सशस्त्र बलों को लेकर की गई अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को शनिवार को बताया कि वह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) का काफी सम्मान करती हैं लेकिन बलों पर मतदाताओं को डराने और एक खास दल के पक्ष में मतदान के लिए मतदाताओं को प्रभावित करने के गंभीर आरोप हैं।

आयोग ने बृहस्पतिवार को नोटिस जारी कर ममता से राज्य में चुनावी ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय बलों के खिलाफ उनके द्वारा दिए गए प्रथम दृष्टया पूरी तरह गलत, भड़काऊ और असंयमित बयानों पर स्पष्टीकरण मांगा था। इस नोटिस के जवाब में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने आरोपों का खंडन किया था। बनर्जी ने चुनावी निगरानीकर्ता से अपना नोटिस रद्द करने का अनुरोध करते हुए दावा किया कि उन्होंने आदर्श आचार संहिता या भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि एक लड़की के साथ कथित तौर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक कर्मी द्वारा तारकेश्वर पुलिस थाना क्षेत्र के रामनगर में छह अप्रैल को छेड़छाड़ की गई थी और पुलिस से मामले की शिकायत की गई जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस ने इस बारे में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि अब तक कोई मूर्त कार्वाई नहीं हुई न ही निर्वाचन आयोग द्वारा केंद्रीय बलों को इस संदर्भ में कोई परामर्श या निर्देश जारी किया गया।

भारत 10 करोड़ कोविड-19 रोधी टीके लगाने के मामले में विश्व में सबसे आगे

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोविड-19 रोधी खुराकों की संख्या 10 करोड़ से अधिक होने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत ने 85 दिन में 10 करोड़ टीके लगाए हैं और वह दुनिया का सबसे तेज टीकाकरण अभियान चलाने वाला देश बन गया है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को टीके की 10 करोड़ खुराक देने में 89 दिन लगे जबकि चीन को इस कार्य में 102 दिन लग गए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर दी जा रही टीके की खुराक के मामले में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। देश में रोजाना टीके की औसतन 38,93,288 खुराक दी जा रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने 85 दिन में नौ करोड़ 20 लाख से अधिक टीके लगाए जबकि चीन एवं ब्रिटेन ने इसी अवधि में क्रमश: छह करोड़ 10 लाख से अधिक और दो करोड़ 10 लाख से अधिक टीके लगाए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी भारत में सबसे तेज टीकाकरण को दर्शाने वाला एक चार्ट ट्वीट किया और इसे स्वस्थ एवं कोविड मुक्त भारत के लिए मजबूत प्रयास करार दिया। मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब तक किए गए टीकाकरण का 60.62 फीसदी आठ राज्यों में हुआ है जिनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और केरल शामिल हैं।

देश भर में 16 जनवरी को टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई थी। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को जबकि दो फरवरी से एवं अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को कोविड-19 टीके की खुराक दी गई। इसके बाद एक मार्च से शुरू हुए अगले चरण में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 45 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के ऐसे लोगों का टीकाकरण किया गया जोकि पहले ही अन्य बीमारियों से ग्रस्त हैं। अब देश में एक अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को टीके की खुराक दी जा रही है।

आज से टीका उत्सव , अधिकतम योग्य लाभार्थियों के टीकाकरण का उद्देश्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिकतम योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। टीका उत्सव के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे कई राज्य योग्य लोगों से टीका लगवाने की अपील कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी लोगों से अपील की है कि टीका उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में वे टीका लगवाएं। कोविड-19 की स्थिति और टीकाकरण अभियान की बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे अपील की थी कि उन सभी लोगों का टीकाकरण कराने पर ध्यान केंद्रित करें जो 45 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कहा था, कभी-कभी इससे माहौल बदलने में मदद मिलती है। ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को है और 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती है। क्या हम टीका उत्सव का आयोजन कर सकते हैं और टीका उत्सव का माहौल बना सकते हैं? मोदी ने कहा था, हमें विशेष अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना चाहिए और इसकी बर्बादी बिल्कुल नहीं हो इस पर विचार करना चाहिए। टीका उत्सव के दौरान अगर चार दिनों में बर्बादी नहीं होगी तो इससे हमारे टीकाकरण की क्षमता बढ़ेगी। कुछ राज्यों ने जहां टीके की आपूर्ति में कमी का मुद्दा उठाया वहीं केंद्र ने कहा है कि सभी राज्यों को पर्याप्त संख्या में टीके आवंटित किए गए हैं।

भगवान हनुमान का जन्मस्थान बताने वाली पुस्तक का विमोचन करेगा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम

तिरुपति। भगवान हनुमान का जन्म तिरुमला की सात पवित्र पहाड़ियों में से एक पर होने संबंधी दावे के साथ एक साक्ष्य आधारित पुस्तक का विमोचन 13 अप्रैल को किया जाएगा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के पूर्व निदेशक प्रो. वी वेंकटरमण रेड्डी ने कहा कि देवताओं के जन्मस्थल पर इस तरह की खोज उचित नहीं है जबकि तिरुमला में स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी एवी रमना दीक्षितुलु ने इस संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारी ने बताया कि खगोलीय, पुरालेखीय, वैज्ञानिक और पौराणिक प्रमाण वाली पुस्तक, जो यह साबित करेगी कि तिरुमला पहाड़ियों पर भगवान हनुमान का जन्म हुआ था, का विमोचन तेलुगू नववर्ष के दिन उगादि पर किया जाएगा। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी केएस जवाहर रेड्डी ने गत दिसम्बर में विद्वानों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति का गठन अध्ययन करने और सात पहाड़ियों में से एक अंजनाद्रि में प्रमाण एकत्रित करने के लिए किया गया था। तेलुगू देशम पार्टी के प्रवक्ता एन बी सुधाकर रेड्डी, ने कहा कि यह विश्वास करने की पूरी संभावनाएं हैं कि भगवान हनुमान का जन्म तिरुमला पहाड़ियों पर हुआ था। हनुमान को दक्षिण भारत में श्री अंजनीस्वामी के नाम से जाना जाता है।

ऐसे मिली मस्जिद को बचाते हुए पांच आतंकवादियों को ढेर करने में सफलता

भाषा। श्रीनगर

शोपियां मुठभेड़

जम्मू कश्मीर में शोपियां की एक मस्जिद में आतंकवादी घुस गए और उसके बाहर सुरक्षा बल और चिंतित स्थानीय लोग जमा हो गए। कश्मीर के शोपियां शहर की स्थिति विस्फोटक थी और चुनौती यह थी कि धार्मिक स्थल को बचाते हुए आतंकवादियों को ढेर किया जाए और इस मिशन को अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के इस अशांत शहर में 20 साल से अधिक समय में पहली बार पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस बीच दहशतगर्दों के माता-पिता और इलाके के प्रतिष्ठित नागरिकों ने करीब 17 बार उनसे आत्मसमर्पण की अपील की।

उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की रात और शुक्रवार की दोपहर को माहौल तनावपूर्ण हो गया और लाउडस्पीकर से जामा मस्जिद के अंदर घुसे आतंकवादियों से उनके माता पिता, नागरिक और सेना के कर्मी लगातार अपील कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि दहशतगर्दों से बातचीत करने के लिए कुछ लोगों को मस्जिद में भेजा गया ताकि वे शांतिपूर्ण तरीके से बाहर आ जाएं। जब इसमें कामयाबी नहीं मिली तो आखिरकार, शुक्रवार दोपहर को, प्रतिबंधित संगठन अंसार गज़्वतुल हिंद के पांच में से अंतिम आतंकी को मार गिराया गया और मस्जिद को न्यूनतम नुकसान हुआ। अंसार गज़्वतुल हिंद, जैश-ए-मोहम्मद का मुखौटा संगठन है। घटना के बारे में अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों के आत्मसमर्पण से इनकार करने पर 44 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बल अडिग रहे और मस्जिद के पास तक पहुंच गए। दक्षिण और मध्य कश्मीर में आतंकवाद से निपटने वाली विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रश्मि बाली ने कहा, हमारी मुख्य चिंता आतंकवादियों को ढेर करते हुए मस्जिद की पवित्रता को बनाए रखने की थी। इससे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों से निपटने के दौरान हमारे सैनिकों को काफी खतरा था। उन्होंने कहा कि संदेश दृढ़ था कि राज्य के खिलाफ हथियार उठाना कोई विकल्प नहीं है और इस पर वाजिब प्रतिक्रिया दी जाएगी।

उच्चतम न्यायालय से समान नागरिक संहिता पर याचिका के हस्तांतरण का अनुरोध

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर समान नागरिक संहिता के विषय पर दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित एक याचिका को शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया है। वकील और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय में विवाह की न्यूनतम आयु, तलाक के आधार, गुजारा-भत्ता, गोद या संरक्षण तथा विरासत एवं उत्तराधिकार से संबंधित पांच जनहित याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। इसमें कहा गया कि भारतीय दंड संहिता की तर्ज पर सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने से देश के लोगों को सैकड़ों जटिल एवं पुरातनपंथी कानूनों से मुक्ति मिलेगी।

याचिका में मांग की गई कि केंद्र को यह निर्देश दिया जाए कि वह अंतरराष्ट्रीय संकल्पों और विकसित राष्ट्रों के सभी पर्सनल लॉ और दीवानी कानूनों में से सर्वश्रेष्ठ को ध्यान में रखते हुए तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति का गठन करे। याचिका में कहा गया, लैंगिक रूप से निष्पक्ष एवं धर्म निरपेक्ष कानून वसीयत, दान, धर्म-विज्ञान, संरक्षणता, संरक्षण की साझेदारी आदि के मामले में सभी नागरिकों पर लागू होगा चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम, पारसी हों या ईसाई। इससे धर्म, जाति और संप्रदायों के भीतर लैंगिक भेदभाव समाप्त हो जाएगा। इसमें कहा गया कि इस कानून से न केवल भाईचारा बढ़ेगा बल्कि राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ेगी, लैंगिक न्याय एवं महिलाओं के सम्मान की रक्षा हो सकेगी।

पंजाब के आढ़तियों ने हड़ताल वापस ली, गेहूं की खरीद शुरू

भाषा। लुधियाना, चंडीगढ़

केन्द्र द्वारा किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सीधे उनके बैंक खातों में अंतरण करने संबंधी निर्देश पंजाब सरकार को दिए जाने के खिलाफ शनिवार को राज्य में आढ़तियों ने राज्यव्यापी हड़ताल पर जाने के कुछ घंटे बाद ही इसे वापस ले लिया। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया कि वे खरीद प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे। इसके बाद आढ़तियों (कमीशन एजेंटों) ने अपनी हड़ताल वापस ले ली।

इससे पूर्व दिन में राज्यभर के लगभग 40 हजार आढ़तिए किसानों को पैसे सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित करने के खिलाफ हड़ताल पर चले गए थे। आढ़तियों के नेता विजय कालरा ने पंजाब के खाद्य मंत्री भारत भूषण आशु के साथ लुधियाना में एक बैठक की और इसके बाद आढ़तियों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। आढ़तियों के हड़ताल वापस लेने की घोषणा करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य में गेहूं की खरीद शुरू होगी। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार ने एक ट्वीट में कहा, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब के आढ़तिया संघ द्वारा अपनी हड़ताल वापस लेने के बाद राज्य में औपचारिक रूप से गेहूं खरीद शुरू की। मुख्यमंत्री ने संघ के सदस्यों को आश्वासन दिया कि आढ़तिए हमेशा राज्य की खरीद प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे। इस बीच चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रक्रिया में आढ़तियों को शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जाने के आदेश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्य खाद्य विभाग ने खरीद सॉफ्टवेयर में संशोधन किया है, ताकि किसानों को भुगतान जारी करने की प्रक्रिया में आढ़तियों का शामिल होना जारी रहे। खाद्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आढ़तियों को पता चल जाएगा कि जो किसान उनसे जुड़े हुए हैं, उन्हें कितना भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आढ़तियों को एमएसपी भुगतानों से बाहर किए जाने संबंधी भारत सरकार के निर्देशों के बावजूद आढ़तिए हमेशा खरीद प्रक्रिया से जुड़े रहेंगे।

पेज 1 का शेष

चुनावी हिंसा...

घोष के काफिले पर बम, ईंट और पत्थरों से हमला किया गया था। इस हमले से घंटेभर पहले ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहां सभा को संबोधित करते हुए मतदाताओं विशेषकर महिलाओं से अपील की थी कि केंद्रीय बलों का घेराव कर अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल करें। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने पर्यवेक्षकों प्रताप एम और शरद लक्ष्मण द्वारा दायर रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि केंद्रीय बलों की त्वरित प्रतिक्रिया टीम 50-60 मतदाताओं के उस समूह को बचा रही थी, जिसे कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने मतदान करने से रोक दिया था। बूथ पर सशस्त्र भीड़ का पीछा करते हुए हाथापाई में एक बच्चा नीचे गिर गया और उसे कुछ चोटें आईं। जैसे ही सीआईएसएफ द्वारा फायरिंग की अफवाह फैली, 300-400 लोगों की भीड़ ने बूथ पर धावा बोल दिया। भीड़ में महिलाएं भी थीं। स्थानीय एसपी ने कहा कि केंद्रीय बलों पर बम फेंके गए। इस पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सीआईएसएफ ने हवाई फायरिंग की। जब भीड़ नहीं मानी तो, फायरिंग की गई, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। जब यह हिंसा हो रही थी तो उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिलीगुड़ी में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटना से वह बहुत आहत हैं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि जब उनके कार्यकर्ता यह पूछताछ करने गए कि लोगों को वोट क्यों नहीं डालने दिया जा रहा तो भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला बोल दिया। इसके बाद केंद्रीय बलों ने फायरिंग कर चार तृणमूल कार्यकर्ताओं की जान ले ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की और पार्टी के लोगों से राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह रविवार को घटना स्थल का दौरा करेंगी। मुख्यमंत्री ने मामले की सीआईडी ??जांच के आदेश दिए हैं। माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य ने गोलीबारी में मौतों की निंदा करते हुए पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। कई अन्य जगहों से भी हिंसा की खबरें हैं। इनमें दक्षिणी कोलकाता में भाजपा नेता बाबुल सुप्रियो के साथ झड़प हुई। हुगली के चिनसुराह में भाजपा सांसद और उम्मीदवार लॉकेट चटर्जी के साथ धक्का-मुक्की की गई और उनकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया गया।

कूच बिहार...

है। निर्वाचन आयोग के आदेश में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग निर्देश देता है कि पांचवें चरण (17 अप्रैल को होने वाले चुनाव) के लिए चुनाव प्रचार नहीं होने की अवधि को बढ़ाकर 72 घंटे किया जाएगा। आयोग ने कहा कि मतदान से 72 घंटे पहले प्रचार की इजाजत नहीं दी जाएगी जिससे स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित हो सकें। आम तौर पर मतदान से 48 घंटे पहले रोक दिया जाता है। आदेश में यह भी कहा गया कि नौ विधानसभा क्षेत्रों वाले कूच बिहार में जहां मतदान शनिवार को संपन्न हो गया वहां किसी भी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या अन्य दल के राजनेता को अगले 72 घंटों तक जिले की भौगोलिक सीमा में दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने कहा, यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है।

कोविड नियमों...

कायम नहीं रखना शामिल है। आयोग ने सभी दलों से दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करने को कहा। दो पन्नों के पत्र में कहा गया कि यह सलाह दी जाती है कि राजनीतिक नेता एवं उम्मीदवार जिनका कर्तव्य कोविड-19 को फैलने से रोकना है, वे मिसाल पेश करें।

सीमा विवाद...

सुचारू और योजनाबद्ध तरीके से पीछे हटा लिया। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि शुक्रवार की वार्ता में भारत ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच शांति बहाली के लिए हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग घाटी से सैनिकों को वापस हटाने की प्रकिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। हालांकि, इस बार दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान जारी नहीं किया। जैसा कि पिछली तीन वार्ताओं के बाद किया गया था। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह स्थित 14 कोर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन ने किया, जबकि मेजर जनरल लियू लिन ने चीनी टीम का नेतृत्व किया।

यूपी में...

साबित हुई है। गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल के डॉ. राहुल भार्गव के मुताबिक स्पुतनिक वैक्सीन को उत्तर और दक्षिण अमेरिका के कई देशों ने हरी झंडी दे दी है। इसके अलावा मध्य पूर्व, यूरोप, एशिया और अफ्रीका, मैक्सिको तथा मिस्त्र में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। टीके की कमी को देखते हुए इन वैक्सीनों को अनुमति देने में कोई हर्ज नहीं है।'इसी तरह अमेरिकी कंपनी फाइजर ने देश में शीर्ष औषधि नियामक से मंजूरी मांगी है। लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया क्योंकि सरकार का कहना है कि उसके टीकों के लिए डीप फ्रीजर की जरूरत होगी, जो फिलहाल भारत में उपलब्ध नहीं है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इन टीकों को शहरी इलाकों में उपलब्ध कराया जा सकता है जहां अस्पतालों में इस तरह की सुविधा उपलब्ध है और उन लोगों खुद पैसे देकर इसे लगवाना चाहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन के निर्माताओं की कुल उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 24 लाख वैक्सीन है। फिलहाल मांग एक दिन में 37 लाख वैक्सीन की है। टीके की रोजाना कमी काफी बड़ी है। यह अंतर आगे और बड़ा हो सकता क्योंकि उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में समय लग सकता है। एसआईआई ने उत्पादन बढ़ाने के लिए पहले ही करीब 3000 करोड़ रुपये की मांग की है। इस बीच, देश में संक्रमित लोगों की दैनिक संख्या लगातार 31वें दिन बढ़ी है। अभी 10,46,631 संक्रमित लोगों का उपचार चल रहा है, जो अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या का 7.93 प्रतिशत है, जबकि संक्रमित होने के बाद लोगों के स्वस्थ होने की दर और गिरकर 90.80 प्रतिशत रह गई है। देश में 12 फरवरी को सबसे कम 1,35,926 उपचाराधीन मरीज थे। यह संख्या उस समय के कुल मामलों का 1.25 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक 1,19,90,859 लोग संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हो चुके हैं और मामलों के लिहाज से कोविड-19 से मृत्यु दर 1.28 प्रतिशत है।

त्रिपुरा आदिवासी...

है। उन्होंने कहाकि हमें एकता बनाए रखनी है। मैं लोगों से आईपीएफटी, भाजपा, माकपा और कांग्रेस समर्थकों के घरों पर हमला करने से बचने की अपील करता हूं। वे भी हमारे ही लोग हैं। हमें उसने नहीं लड़ना चाहिए। अगर हम एकता चाहते हैं तो शांति बनाए रखनी चाहिए। वे भी चुनाव के बाद हमारी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। देबबर्मन ने कहा कि सोमवार को अगरतला से लगभग 25 किलोमीटर दूर कुमुलवुंग में आदिवासी परिषद मुख्यालय में जीत के जश्न में रैली आयोजित की जाएगी। देबबर्मन त्रिपुरा कांग्रेस के अध्यक्ष थे। आलाकमान से मतभेदों का हवाला देकर सितंबर 2019 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। इसके एक महीने बाद उन्होंने टीआईपीआरए की स्थापना की घोषणा की थी, जो शुरू में एक सामाजिक संगठन था, लेकिन 2020 में यह राजनीतिक दल बन गया था।

इटावा में...

प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि जिले के बढ़पुरा थाना क्षेत्र के उदी चकरनगर मार्ग पर शनिवार शाम चार बजे कसउवा मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गढ़ा पचौली थाना बाह, आगरा निवासी जनवेद (50), रामदास (70), किशन लाल (75) और हाकिम (65) की, तथा गण आन का पुरा बाह, आगरा निवासी महेश (50) राजेंद्र (50), मनीष (35), लालू (42),बनवारी (50) के अलावा एक अन्य व्यक्ति की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान आगरा के ही पिनाहट क्षेत्र के ढकिया निवासी गुलाब सिंह (45) और गढ़ा पिचौली निवासी बैजनाथ की 75 वर्षीय पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 13 मरीजों को उपचार के लिए सैफई भेजा गया है, जबकि 32 घायलों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। एसएसपी के मुताबिक पिनाहट बाह, आगरा से महिलाओं एवं बच्चों समेत करीब 60 लोग इटावा जिला के कस्बा लखना स्थित कालिका देवी मंदिर नेजा (झंडा) चढ़ाने जा रहे थे, तभी कसउवा मोड़ पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क किनारे 30 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरा।

शहीदों के...

गया है। 60 फीट के प्रवेश गेट वाले इस आयोजन स्थल पर 500 से ज्यादा पुजारी यज्ञ कराएंगे। इस अस्थायी ढांचे के शीर्ष पर तिरंगा भी फहरा रहा है। यज्ञ शुरू होने से पहले पूरे शहीद नगर में शहीदों के चित्र भी लगाएं जाएंगे। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें भी शामिल होंगी। दास ने बताया कि यज्ञ के लिए आने वाले परिवारों के यात्रा का भी खर्च वे देते हैं।

भिक्षावृत्ति संबंधी याचिका पर केंद्र तथा चार राज्यों से जवाब मांगा

पुरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाए गए एक 'टीका उत्सव' के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रेत की मूर्ति को अंतिम रूप देते कलाकार सुदर्शन पटनायक

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र और महाराष्ट्र तथा गुजरात समेत चार राज्यों से उस याचिका पर तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है जिसमें भिक्षावृत्ति को अपराध की श्रेणी में रखने वाले प्रावधानों को निरस्त किए जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी की एक पीठ ने अपने आदेश में कहा कि हालांकि इस वर्ष 10 फरवरी को याचिका पर एक नोटिस जारी किया गया था लेकिन अब तक इस मामले में केवल बिहार ने अपना जवाब दाखिल किया है। पीठ ने शुक्रवार को पारित अपने आदेश में कहा, हालांकि नोटिस 10 फरवरी, 2021 को जारी किया गया था, लेकिन केवल बिहार राज्य द्वारा जवाब दाखिल किया गया है – और अन्य प्रतिवादियों ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए। उच्चतम न्यायालय अब तीन सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगा।

न्यायालय ने फरवरी में उस याचिका पर केन्द्र के साथ-साथ महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और बिहार से जवाब मांगा था जिसमें दावा किया गया है कि भिक्षावृत्ति को अपराध बनाने संबंधी धाराएं संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। पीठ मेरठ निवासी विशाल पाठक द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अधिवक्ता एच के चतुर्वेदी द्वारा दायर याचिका में दिल्ली उच्च न्यायालय के अगस्त 2018 के उस फैसले का जिक्र किया गया है जिसमें कहा गया था राष्ट्रीय राजधानी में भीख मांगना अब अपराध नहीं होगा। इसमें कहा गया है कि बम्बई भिक्षावृत्ति रोकथाम अधिनियम, 1959 के प्रावधान, जिनमें भीख मांगने को एक अपराध के रूप में माना गया है, संवैधानिक रूप से नहीं टिक सकते है। याचिका में 2011 की जनगणना का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि भारत में भिखारियों की कुल संख्या 4,13,670 है और पिछली जनगणना से यह संख्या बढ़ी है। इसमें कहा गया है कि सरकार को सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और सभी को संविधान में राज्य नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का अधिकार है।

टीकाकरण से स्वस्थ और कोविड-19 मुक्त भारत सुनिश्चित करने के प्रयासों को मिल रही मजबूतीः पीएमओ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने अमेरिका और चीन के मुकाबले कम दिनों में देश में दी गई कोविड–19 टीके की 10 करोड़ खुराकों का उल्लेख करते हुए शनिवार को कहा कि सरकार एक स्वस्थ और कोविड–19 मुक्त भारत सुनिश्चित करने के प्रयासों को मजबूत कर रही है। पीएमओ की ओर से जारी एक ट्वीट में कहा गया, स्वस्थ और कोविड–19 मुक्त भारत सुनिश्चित करने के प्रयासों को मजबूत किया जा रहा है। इस ट्वीट के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से टीकाकरण अभियान को लेकर जारी आंकड़ों को ब्योरा भी साझा किया, जिसके मुताबिक भारत में 85 दिनों में कोविड–19 टीके की 10 करोड़ खुराक दी गई। अमेरिका में टीके की 10 करोड़ खुराक देने में 89 दिन लगे जबकि चीन में इस कार्य में 102 दिन लगे थे। सरकार का दावा है कि वैश्विक स्तर पर दी जा रही टीके की खुराक के मामले में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। देश में प्रतिदिन औसतन 38,93,288 टीके लगाए जा रहे हैं।

राजस्थान के झालावाड़ में टोल प्लाजा कर्मचारियों पर हमला

भाषा। कोटा (राजस्थान)

राजस्थान के झालावाड़ में लोगों के एक समूह ने बहस के बाद एक टोल प्लाजा के कर्मचारियों पर कथित तौर पर हमला कर दिया और इस दौरान फर्नीचर एवं खिड़की के शीशों को नुकसान पहुंचाया। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह घटना जिले के तीनधार–बकनी राजमार्ग पर एकवासा गांव के पास शुक्रवार शाम को हुई। पुलिस ने बताया कि इस घटना में टोल प्लाजा के तीन कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। असनावर थाने के एसएचओ कल्याण सिंह ने कहा कि शुक्रवार शाम को कार से जा रहे झालावाड़ शहर के एक निवासी और एकवासा टोल प्लाजा के कर्मचारियों के बीच टोल राशि को लेकर बहस हुई। उन्होंने बताया कि कार सवार की पहचान हरिओम गुर्जर (27) के तौर पर हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुर्जर ने तुरंत अपने भाई बजरंगलाल को बुला लिया जो बारां जिले में एक बिजली संयंत्र को कोयले की आपूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि वह वहां पर नौ से 10 व्यक्तियों के साथ आ गया जिनके पास लाठी–डंडे और छड़ थे। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों पर हमला किया और टोल के फर्नीचर और खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने नकद बक्से से 12,000–13000 रुपए भी चुरा लिए। एसएचओ ने बताया कि टोल प्लाजा के तीन कर्मचारियों को चोटें आईं। उन्होंने बताया कि उनमें से दो को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई जबकि तीसरे कर्मचारी का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है जिसकी हड्डी टूट गई है।

मिजोरम में कक्षा आठ एवं उससे नीचे की कक्षाओं के छात्रों के लिए स्कूल बंद होंगे

भाषा। आइजोल

मिजोरम में कोविड–19 मामलों में वृद्धि के बाद राज्य सरकार कक्षा आठ और उससे नीचे की कक्षाओं के छात्रों के लिए स्कूलों को बंद करेगी। राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों में यह जानकारी दी गई है जो शनिवार से लागू हुई। कक्षा पांच से आठ तक के छात्रों के लिए स्कूल एक मार्च को फिर से खोल दिए गए थे जबकि कक्षा तीन और चार के स्कूल एक अप्रैल को खुले थे। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने कोविड–19 मामलों की बढोतरी के मद्देनजर गिरजाघरों में रात की प्रार्थना पर भी रोक लगा दी है और राज्य की राजधानी आइजोल और जिला मुख्यालयों में रात के कर्फ्यू की मौजूदा अवधि भी बढ़ा दी है। शुक्रवार रात में जारी किए गए नए दिशा निर्देश के अनुसार, कक्षा आठ और उससे नीचे के छात्रों के लिए केवल ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी क्योंकि सामान्य कक्षाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं।

दिशानिर्देशों के अनुसार सभी कक्षाओं–नर्सरी से कक्षा 12 तक के लिए चार मई को नए शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए स्कूल खोलने का प्रस्ताव भी रद्द कर दिया गया है या अगले आदेश तक टाल दिया गया है। इसमें सभी स्कूल शामिल होंगे जिसमें केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तहत आने वाले स्कूल भी शामिल होंगे। हालांकि, कक्षा 9 से 12 तक की परीक्षाएं पूरी होने तक जारी रहेंगी। इसमें कहा गया है कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कक्षाएं राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन होंगी। सभी जिला मुख्यालयों में इसके पहले रात 10 बजे से सुबह 4 बजे लागू रात के कर्फ्यू को अब रात 8.30 बजे से कर दिया गया है। इससे पहले गत मार्च में राज्य में धार्मिक स्थानों के खुलने के बाद सप्ताह में दो बार गिरजाघरों में रात की प्रार्थना की अनुमति दी गई थी। इसमें कहा गया है कि गिरजाघरा, सिनेमा हॉल, सामुदायिक हॉल, पिकनिक स्पॉट और रिसॉर्ट जैसे मनोरंजन के अन्य स्थानों को उनकी बैठने की क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ खोलने की अनुमति है। इसमें कहा गया है कि किसी अंतिम संस्कार, शादी और किसी भी सामाजिक या राजनीतिक सभा में उपस्थित लोगों की संख्या 50 निर्धारित की गई है।कोविड–19 प्रोटोकॉल के सख्त पालन के तहत दुकानें, होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुलेंगे। दिशानिर्देश में कहा गया है कि अन्य राज्यों से लौटने वाले सभी लोगों की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट के साथ की जाएगी और जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आएगी उन्हें स्व–निगरानी के साथ सात दिनों के लिए घरेलू पृथक–वास में रखा जाएगा।

पंचायत चुनाव में पहले पति के नाम के साथ दायर महिला प्रत्याशी का नामांकन खारिज

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधान पद का चुनाव लड़ने के लिए एक महिला उम्मीदवार ने अपने पहले पति के नाम के साथ नामांकन दायर कर दिया जिसे शनिवार को खारिज कर दिया गया। मामला जिले के पुरकाज़ी ब्लॉक का है। निर्वाचन अधिकारी आरके श्रीवास्तव के मुताबिक, उम्मीदवार सोनिया के सभी दस्तावेज उनके पहले पति देवेंद्र के नाम से पाए गए हैं। सोनिया के पहले पति देवेंद्र हैं और पुरकाज़ी ब्लॉक के कल्लनपुर गांव की मतदाता सूची में देवेंद्र ही उनके पति के तौर पर दर्ज हैं। देवेंद्र परिवार को छोड़कर चले गए हैं। सूत्रों ने बताया कि सोनिया ने बाद में सतेंद्र से शादी कर ली जो देवेंद्र के भाई हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है चुनाव चार चरणों में 15, 19, 26 और 29 अप्रैल को होंगे।

डीजीपी स्तर के अधिकारी ने उनके निलंबन से संबंधित मामले की सीबीआई जांच का अनुरोध किया

भाषा। अमरावती

पुलिस महानिदेशक स्तर के आईपीएस अधिकारी ए बी वेंकटेश्वर राव ने आंध्र प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर उनके सेवा निलंबन से संबंधित मामले में कथित तौर पर कुछ निश्चित पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस संगठनों द्वारा धोखाधड़ी, जालसाजी, गवाहों एवं साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने के कृत्य में संलिप्त होने की सीबीआई से जांच के आदेश देने का अनुरोध किया। मुख्य सचिव आदित्य नाथ दास को शुक्रवार को लिखे पत्र में 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ने तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, खुफिया विभाग के अधिकारियों तथा कुछ अन्य लोगों पर अपराध में संलिप्त होने का आरोप लगाया है। राव ने पत्र में कहा, संलिप्त अधिकारी वरिष्ठ अधिकारी हैं और महत्वपूर्ण पदों पर है इसलिए मैं सरकार से यह विचार करने का अनुरोध करता हूं कि क्या उनका उन्हीं पदों पर बने रहना निष्पक्ष एवं समयानुसार जांच पूरी होने में रूकावट साबित होगा या नहीं? अपने दावे के समर्थन में राव ने कथित जालसाजी, बनावटी एवं छेड़छाड़ वाले कुछ दस्तावेज भी संलग्न किए।

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित करना है कि भूखण्ड संख्या–SH-129, Block-SH, सैक्टर–145 नौएडा जिसके आंवटी श्रीमती संतोष पत्नी स्वः श्री लखमी, विपिन पुत्र स्वः श्री लखमी, सचिन पुत्र स्वः श्री लखमी, राजेन्द्र पुत्र स्वः रामपत एवं श्रीमती धन्नो पत्नी स्वः रामपत निवासी ग्राम–गढी शाहदरा, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, जिनके द्वारा श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री राजपाल सिंह निवासी ए–25, सीनियर सीटीजन होम कोम्पलेक्स, सैक्टर–पी–4, ग्रेटर नोएडा के पक्ष में जीपीए पंजीकृत करायी गयी थी तथा विक्रय संविदा पंजीकृत नही है। उपरोक्त भूखण्ड संख्या–SH-129, Block-SH, सैक्टर–145 नौएडा का अंतरण जीपीए के आधार पर श्री मयंक चौहान पुत्र श्री महेश सिंह चौहान निवासी बी–4, सैक्टर–33 नौएडा के पक्ष में अंतरण होने के लिए प्राधिकरण में प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नौएडा प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर दाखिल कर दें।
मयंक चौहान

नाइक ने होम्योपैथी को एकीकृत देखभाल में शामिल करने को लेकर सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। होम्योपैथी को एकीकृत देखभाल में शामिल करने की दिशा में रणनीतिक कार्यों की पहचान करने के लिए नीति निर्माताओं एवं विशेषज्ञों द्वारा अनुभव के आदान–प्रदान को लेकर दो दिवसीय सम्मेलन का शनिवार को यहां उद्घाटन किया गया। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त सर्वोच्च अनुसंधान संगठन सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी द्वारा होम्योपैथी– रोडमैप फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन विषयक सम्मेलन आयोजित किया गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद एसो नाइक इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए महामारी को नियंत्रित करने में होम्योपैथी के योगदान को रेखांकित किया। कोविड–19 महामारी के दौरान केंद्र से समग्र समर्थन के साथ, होम्योपैथी की अपार उपलब्धि सीसीआरएच के कार्यों के माध्यम से परिलक्षित होती है।

पूर्वी बर्धमान में एक चुनाव प्रचार रैली के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद देव

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन लगाने के स्पष्ट संकेत दिए

● कार्यबल के साथ आज होगी बैठक

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में कोविड–19 की चिंताजनक स्थिति के मद्देनजर सख्त लॉकडाउन लगाने के शनिवार को संकेत दिए। यह जानकारी सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए कुछ मंत्रियों और भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने दी। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि इससे जिन तबकों की जीविका प्रभावित होगी, उनके लिए वित्तीय पैकेज को लेकर वह सोमवार को बैठक करेंगे। उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी अशोक चव्हाण ने कहा, लॉकडाउन की प्रकृति, उसकी व्यापकता और अवधि को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

डिजिटल बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने पत्रकारों को बताया, सर्वदलीय बैठक में हालांकि लॉकडाउन पर कोई औपचारिक फैसला नहीं हुआ, लेकिन मुख्यमंत्री सख्त लॉकडाउन के पक्ष में लगते हैं। बैठक में दो घंटे से भी ज्यादा समय तक राज्य में कोविड–19 की स्थिति पर चर्चा हुई। सत्तारूढ़ शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के नेताओं के अलावा विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और अन्य नेतागण भी बैठक में शामिल हुए। पाटिल ने कहा, भाजपा को लगता है कि लॉकडाउन जरूरी है, लेकिन सरकार को पहले प्रभावित होने वालों के लिए वित्तीय पैकेज को तय कर लेना चाहिए। पटोले ने कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री के किसी भी फैसले का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस चाहती है कि लॉकडाउन से कम से कम समस्या हो। हम प्रभावित तबकों के लिए वित्तीय पैकेज का समर्थन करते हैं। विपक्ष ने कहा कि वित्तीय पैकेज की घोषणा पहले होनी चाहिए।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that Mr. Vishal Chadha is no longer a part of Carlo.in (Searchglass Automotives Private Limited) directly or indirectly as the management has found him to carry malpractices using the company's name and is not authorised to transact or carry forward any business on the company's behalf.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुन्हेरी पुत्र श्री रतनसिंह निवासी ग्राम शाहपुर गोवर्धनपुर पो0/त0 दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 के वसीयतनामा के आधार पर आवासीय प्लाट नं0 GT-70 सेक्टर–145, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 जो उप निबन्धक कार्यालय दादरी, में बही नं0 3 जिल्द सं0 65 पेज नं0 405 से 408 पर दस्तावेज नं0 67 दिनांक 06.03.1995 में पंजीकृत है। अतः उक्त प्लाट का नामान्तरण श्री प्रवीण कुमार पुत्र स्व0 श्री रणवीर सिंह व तेजवीर सिंह पुत्र स्व0 श्री रणवीर सिंह एवं लौकेश चौहान पुत्र स्व0 श्री खिल्लु सिंह निवासीगण शाहपुर गोवर्धनपुर पो0/त0 दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 के पक्ष में स्थानांतरित किया जा रहा है। अतः इस सूचना के द्वारा सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह पूरे सबूतों के साथ अपनी आपत्ति नोएडा विकास प्राधिकरण की आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के जारी होने के 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति दाखिल करें।
श्री प्रवीण कुमार

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mrs. Vimlesh Gupta is the owner and in possession of Property bearing No. 460/3, area measuring 126.66 sq. yds., built on Plot No.3, out of Khasra No. 2202/635, situated in the area of Village Chandrawali alias Shahdara, in the abadi of Gali No.17, Block No. 25-A, Vishwas Nagar Known as Bhola Nath Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi: "Said property" by virtue of Sale Deed dated 27.09.2018, duly registered as Document No. 8240, Further, Original Regd. Relinquishment Deed dated 10.07.2000 executed by Mr. Sushil Kumar Arya, Vijay Kumar Arya & Mrs. Savita Aggarwal in favour of Mrs. Sharda Devi in respect of the said property is lost. All persons are hereby informed that above mentioned owner intends to take loan from our client i.e. DCB Bank Ltd., by mortgaging the said property to our client, if anybody has any objection/s upon said property /its ownership & Title/ its Sale and Mortgage, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 15 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 12/2021

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।
क्र.सं.1. कार्य का विवरणः सी.से.इंजी./पीवे/इज्जतनगर एवं सी.से.इंजी./पीवे/ बदायूँ के कार्य क्षेत्र में डी.एफ.डब्लू.आर.(88 नग) को हटाने का कार्य (स्वीकृत कार्य के अंतर्गत लालकुआं-बरेली सिटी-कासगंज में डी.एफ.डब्लू.आर.(218 नग) हटाने का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 17,26,142.31, बयाना राशिः ₹ शून्य। निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य। स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह। **क्र.सं.2. कार्य का विवरणः** सी.से.इंजी./पीवे/भोजीपुरा के कार्य क्षेत्र में डी.एफ.डब्लू.आर. (130 नग) को हटाने का कार्य (स्वीकृत कार्य के अंतर्गत लालकुआं-बरेली सिटी-कासगंज में डी.एफ.डब्लू.आर. (218 नग) हटाने का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 11,58,185.50, बयाना राशिः ₹ शून्य। निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य। स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह।
क्र.सं.3. कार्य का विवरणः कासगंज में एक टाइप-IV, कन्नौज में एक टाइप-III एवं फर्रूखाबाद स्टेशन में दो टाइप-II आवासों का प्रावधान। स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत आर.पी.एफ स्टॉफ के विभिन्न स्टेशनों के लिये टाइप-IV-01 आवास (कासगंज-01 यूनिट) एवं टाइप-III-04 आवासों (काशीपुर-01 यूनिट, काठगोदाम-01 यूनिट, कन्नौज-01 यूनिट, पीलीभीत-01 यूनिट) एवं टाइप-II-08 आवासों (रूद्रपुर सिटी-02, बहेड़ी-02, लालकुआं-01, काशीपुर-01 एवं फर्रूखाबाद-02 यूनिट) आवासों का निर्माण कार्य)। अनुमानित लागतः ₹ 53,48,818.54, बयाना राशिः ₹ शून्य। निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य। स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।
1. ई-निविदा दिनांक 04.05.2021 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर कर सकेंगे।
2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखें।
मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.),
मुजाधि/डब्लू-11 इज्जतनगर
यात्री सुविधा संबंधित शिकायत हेतु मो. नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें।

चव्हाण ने केंद्र पर कोविड-19 संबंधी मदद में भेदभाव का लगाया आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शनिवार को केंद्र पर विभिन्न राज्यों को पीपीई किट, एन95 मास्क और वेंटिलेटर जैसे महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के वितरण मेंैराजनीति के आधार पर भेदभावै करने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां जारी एक बयान में कहा कि केंद्र से मिली जानकारी से ही इस राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण वितरण की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कोविड–19 के सबसे अधिक मामले होने के बावजूद इस राज्य के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। चव्हाण ने कहा कि चिकित्सा उपकरणों के वितरण को लेकर 12 फरवरी को लोकसभा में एक तारांकित प्रश्न पर केंद्र के जवाब से चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई। उन्होंने लोकसभा में केंद्र के जवाब को उद्धृत करते हुए कहा, महाराष्ट्र की तुलना में गुजरात को प्रति हजार कोविड–19 रोगियों पर 9,623 एन95 मास्क मिले, जबकि महाराष्ट्र को प्रति हजार रोगियों पर।,560 मास्क मिले। यहां तक कि उत्तर प्रदेश को 3,916 एन–95 मास्क मिले, जो महाराष्ट्र की तुलना में दोगुने से अधिक है। पीपीई किट के मामले में गुजरात को प्रति हजार पर 4,951 किट मिलीं और उत्तर प्रदेश को 2,446 किट मिली जबकि महाराष्ट्र को सिर्फ 223 किट मिली। उन्होंने कहा कि गुजरात को प्रति 1000 मरीजों पर 13 वेंटिलेटर दिए गए, उत्तर प्रदेश को सात जबकि महाराष्ट्र को प्रति हजार कोविड–19 मरीजों पर केवल दो वेंटिलेटर मिले, वहीं केरल को प्रति हजार मरीज के आधार पर महाराष्ट्र से भी कम मिले। उन्होंने आरोप लगाया, लोकसभा के जवाब के अनुसार, सभी श्रेणियों में गुजरात को चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति के मामले में बड़ा हिस्सा दिया गया जो मामलों की संख्या के आधार पर अधिक है। यह राजनीति के आधार पर भेदभाव नहीं तो क्या है। चव्हाण ने कहा कि नरेंद्र मोदी भूल रहे हैं कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं, सिर्फ गुजरात, उत्तर प्रदेश और कुछ भाजपा शासित राज्यों के नहीं।

भाजपा मतुआ समुदाय के लोगों को नागरिकता नही दे सकती, उन्हें पहले ही मिल चुकी हैः ममता बनर्जी

भाषा। बदुरिया, हिंगलगंज, बीजपुर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मतुआ समुदाय के सदस्यों से नागरिकता को लेकर झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को दावा किया कि उन लोगों के पास पहले से ही नागरिक अधिकार हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने दावा किया कि यदि भगवा पार्टी सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों को हिरासत शिविरों में रखेगी, जैसा कि उसने असम में 14 लाख बंगालियों के साथ किया है।

बनर्जी ने उत्तर 24 परगना में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा, आपकी दीदी (खुद मुख्यमंत्री) पहले ही सरकारी या निजी जमीन पर रहने वाले मतुआ समुदाय के प्रत्एक शरणार्थी को भूमि दस्तावेज देकर लोगों को नागरिकता अधिकार प्रदान चुकी है। पूर्वी पाकिस्तान से संबंध रखने वाला मतुआ समुदाय हिंदुओं का पिछड़ा तबका है, जिसने विभाजन और बांग्लादेश की स्थापना के बाद भारत में प्रवास किया था। राज्य में मतुआ समुदाय के लोगों की आबादी 30 लाख के करीब है, जो बांग्लादेश सीमा से लगे नदिया और उत्तर तथा दक्षिण 24 परगना जिलों में 30 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव का रुख किसी भी पार्टी के पक्ष में मोड़ सकती है। एक समय यह समुदाय टीएमसी का समर्थन करता था लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान इसने भाजपा का समर्थन किया। भाजपा का कहना है कि यदि वह सत्ता में आई तो उन्हें नागरिकता प्रदान की जाएगी। बनर्जी ने बदुरिया में कहा, यदि आपके (मतुआ) बच्चे शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं। यदि आपके नाम और पते पर बिजली और टेलीफोन के कनेक्शन हैं, तो आप पहले से ही नागरिक हैं। भाजपा आपको दोबारा नागरिकता देने का वादा कैसे कर सकती है? उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मतुआ समुदाय के आध्यात्मिक गुरु हरिचंद ठाकुर के जन्मदिन को अवकाश घोषित किया है, लेकिन भगवा पार्टी ने अपने शासन वाले राज्यों में ऐसा नहीं किया है। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि भाजपा पिछड़े समुदाय के वोट हासिल करने के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही है। बीजपुर में एक अन्य रैली में उन्होंने प्रत्एक दुर्गा पूजा समितियों को दिए जाने वाले भत्तों और पुजारियों तथा इमामों के दिए जाने वाले वजीफे का जिक्र किया। बनर्जी ने कहा, हम भेदभाव नहीं करते। हम हर समुदाय का खयाल रखते हैं। भाजपा की तरह नहीं, जो केवल टकराव के बीज बोती है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, डीडीहाट, पिथौरागढ

पत्रांक : 952/निविदा/485 दिनांक : 09/04/2021

ई निविदा सूचना

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित पेयजल योजना के अन्तर्गत श्रोत, पाइप लाईन, जलाशय एवं तत्सम्बन्धी कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्यों का विवरण	विकास खण्ड	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	आनलाईन प्रकाशन की तिथि	कार्य की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी (पाईप लाईन)
1	2	3	4	5	6	7	
1	Kanar Water Supply Scheme. (only for FHTC)	धारचूला	0.83	3000.00+ 18% GST	12.03.2021	30 दिन	C & Above
2	Jumma-II Water Supply Scheme. (only for FHTC)	धारचूला	0.84	3000.00+ 18% GST	12.03.2021	30 दिन	C & Above

नोट :– निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें, शुद्धिपत्र एवं निरस्तीकरण आदि www.uktenders.gov.in पर अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, डीडीहाट में देखी जा सकती है।
अधिशासी अभियन्ता

''जल संचय–जीवन संचय'' कृपया जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाईये''
वैधानिक चेतावनी – जल स्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है।

स्पेन की बाडोसा ने बार्टी को बाहर किया

चार्ल्सटन (अमेरिका)। स्पेन की पाउला बाडोसा ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एशलीग बार्टी को सीधे सेटों में हराकर वोल्वो कार टेनिस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बाडोसा ने यह मैच 6-4, 6-3 से जीता। उन्होंने पांच बार बार्टी की सर्विस तोड़ी। यह पिछली चार प्रतियोगिताओं में दूसरा अवसर है जबकि बाडोसा अंतिम चार में पहुंची है। उनका सामना अब रूस की 15वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा। कुदेरमेतोवा ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफन्स को 6-3, 6-4 से पराजित किया। मोंटेग्रो की दांका कोविनिच ने कजाखस्तान की यूलिया पुतिनसेवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद 6-7 (2), 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उन्हें ट्यूनिशिया की ओंस जाबेर का सामना करना है। जाबेर ने अमेरिका की कोको गॉ को हराया। सेमीफाइनल में पहुंची चारों खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए खिताब की तलाश में हैं।

फीफा अंडर-17 महिला की निदेशक रोमा खन्ना ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। रोमा खन्ना शनिवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप के टूर्नामेंट निदेशक पद से हट गईं। रोमा ने 2019 में अंडर-17 विश्व कप की बोली लगाने की प्रक्रिया की अगुआई की थी और बाद में उन्हें स्थानीय आयोजन समिति का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप की बोली लगाने की प्रक्रिया में भी सफल अगुआई की थी।

आस्ट्रेलिया ने लगातार 24वीं जीत से क्लीन स्वीप किया

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को 21 से हराकर इस प्रारूप मे लगातार 24वी जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला मे क्लीन स्वीप किया। बारिश के कारण यह मैच 25-25 ओवरों का कर दिया गया। आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर सात विकेट पर 149 रन बनाए। उसकी तरफ से एलिसा हीली ने 46 और बेथ मूनी ने 28 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से लीग कास्पेरेक ने तीन और ली ताहुहु ने दो विकेट लिए।

भारतीय फुटबॉल शैली दिखाएंगे गोवा के खिलाड़ी

नई दिल्ली। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एएफसी चैम्पियंस लीग के ग्रुप चरण में टीम के पदार्पण को बड़ा मौका करार देते हुए कहा कि इससे उन्हें दुनिया को भारतीय फुटबॉल की शैली को दिखाने का मौका मिलेगा। एफसी गोवा इस 14 अप्रैल को महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता में खेलने वाला देश का पहला क्लब बन जाएगा। एफसी चैम्पियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण में पहले मैच में उनका सामना कतर के अल-रयान से होगा।

वापसी पर रैना और कुरेन ने चलाए बल्ले

- चेन्नई सुपर किंग्स को दिया सम्मानजनक स्कोर
- दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 188 रन

भाषा। मुंबई

आईपीएल में वापसी कर रहे सुरेश रैना के 36 गेंद में 54 रन की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 188 रन बनाए।

सैम कुरेन ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 15 गेंद में 34 रन बनाए जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। आखिरी पांच ओवरों में चेन्नई ने 52 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पिछले सत्र की उपविजेता दिल्ली को पहली सफलता के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा और आवेश खान ने दूसरे ही ओवर में फाफ डु प्लेसी को पगबाधा आउट कर दिया। आवेश ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। तीसरे ओवर की पहली गेंद पर क्रिस वोक्स ने रूतुराज गायकवाड़ को स्लिप में लपकवाया। चेन्नई के दो विकेट सात रन पर गिर गए थे।

इसके बाद रैना क्रीज पर आए जो निजी कारणों से आईपीएल के पिछले सत्र से बाहर रहे थे। रैना और मोईन अली ने मिलकर चेन्नई की पारी को संभाला। मोईन ने 24 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों के साथ 36 रन बनाकर रैना का बखूबी साथ दिया। अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मोईन को पवेलियन भेजा जो रिवर्स स्वीप लगाने के चक्कर में शिखर धवन को कैच दे बैठे। अंबाती रायुड ने आते ही आक्रामक खेल दिखाया और 16 गेंद में 23 रन बनाए।

उन्हें टॉम कुरेन ने आउट किया। दूसरे छोर पर रैना डटकर खेल रहे थे और लग ही नहीं रहा था कि वह लंबे समय से क्रिकेट से दूर थे। उन्होंने वोक्स को चौका जड़कर शुरूआत की और फिर अश्विन को दो चौके लगातार लगाए। उन्होंने अश्विन को एक छक्का भी जड़ा। वहीं दूसरा छक्का मार्कस स्टोइनिस को लगाया। वह तेजी से रन चुराने के प्रयास में रविंद्र जडेजा (26) के साथ तालमेल नहीं बन पाने के कारण रन आउट हो गए।

स्कोरबोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स : गायकवाड़ का धवन बो वोक्स 05, फाफ डु प्लेसिस पगबाधा बो आवेश खान 00, अली का धवन बो अश्विन 36, रैना रन आउट 54, रायुडू का धवन बो कुरेन 23, जडेजा नाबाद 26, धोनी बो आवेश खान 00, कुरेन बो वोक्स 34, **अतिरिक्त :** 10, **कुल योग :** 20 ओवर में सात विकेट पर 188 रन, विकेट पतन : 1-7, 2-7, 3-60, 4-123, 5-137, 6-137, 7-188, **गेंदबाजी :** वोक्स 3-0-18-2, आवेश 4-0-23-2, अश्विन 4-0-47-1, कुरेन 4-0-40-1, मिश्रा 3-0-27-0, स्टोइनिस 2-0-26-0

पहला मैच नहीं, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण : रोहित

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को यहां नौवीं बार अपना पहला मैच जीतने में असफल रही लेकिन कप्तान रोहित शर्मा इससे निराश नहीं हैं क्योंकि उनके अनुसार पांच बार की चैंपियन के लिए पहला मैच नहीं चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है। मुंबई इंडियन्स को आईपीएल-14 के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हाथों दो विकेट से करीबी हार का सामना करना पड़ा। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 159 रन बनाए। आरसीबी ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल किया। रोहित ने मैच के बाद कहा, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है, पहला मैच नहीं। बहुत अच्छा मुकाबला रहा। हमने उन्हें आसानी से नहीं जीतना दिया। हालांकि हम अपने स्कोर से खुश नहीं थे। हमने 20 रन कम

आरसीबी से जुड़ने के बाद से ही मुझे अपनी भूमिका पता थी : हर्षल

चेन्नई। हर्षल पटेल को काफी पहले बता दिया गया था कि उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से डेथ ओवरों में मुख्य गेंदबाज की भूमिका निभानी होगी और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मैच में वह इस पर पूरी तरह से खरे उतरे। हर्षल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके अलावा एबी डिविलियर्स ने शानदार पारी खेली जिससे आरसीबी ने दो विकेट से जीत हासिल की। हरियाणा के इस तेज गेंदबाज मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब मुझे आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स से लिया तो मुझे बता दिया गया था कि फ्रेंचाइजी की तरफ से मेरी क्या भूमिका होगी।

हमें छठे गेंदबाज की कमी खली : लिन

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस लिन को लगता है कि छठे गेंदबाज का विकल्प मौजूद नहीं होने के कारण उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच में हार झेलनी पड़ी। यह मैच बेहद रोमांचक रहा और आरसीबी ने आखिरी गेंद पर 160 रन का लक्ष्य हासिल किया। मुंबई ने पांच गेंदबाजों का उपयोग किया और हार्दिक पंड्या से गेंदबाजी नहीं करवाई। मुंबई की पारी में 35 गेंदों पर 49 रन बनाने वाले लिन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें छठे गेंदबाज की कमी खली। जब उनसे पूछा गया कि हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी नहीं की तो लिन ने संकेत दिया कि इस आलराउंडर के कंधे में दिक्कत है और इसके अलावा यह कार्यभार प्रबंधन का हिस्सा है। मैं स्पष्ट तौर पर नहीं जानता। शायद उनके कंधे में दर्द है। निश्चित तौर पर जब वह गेंदबाजी करता है तो हमारी टीम में अलग तरह का संतुलन पैदा होता है लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ऐहतियात के तौर पर किया गया।

एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ करार को तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया

पणजी। देश की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ तीन साल का नया करार किया है जिससे वह 2024 तक इस टीम से जुड़े रहेंगे। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। इस 26 साल के खिलाड़ी को 2017 के आईएसएल ड्राफ्ट से टीम में शामिल किया था।उनके नाम इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल में मदद करने का रिकार्ड है। फर्नांडिज ने कहा, मैं चार साल पहले यहां आया था और एफसी गोवा के लिए खेलना हमेशा से खास रहा है। मुझे यहां घर जैसा लगता है। हमने एक साथ कई सफलता हासिल की है और मैं इसे आगे भी जारी रखना चाहूंगा। एफसी गोवा के फुटबॉल निदेशक रवि पुस्कुर ने कहा, टीम से पहली बार 2017 में जुड़ने के बाद उनके खेल में काफी सुधार हुआ है और वह देश के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक है। पिछले चार साल से वह हमारी सफलता के अहम साझेदार हैं।

टीम संतुलन तैयार करने उतरेगा केकेआर

- दमदार सनराइजर्स से आज है मुकाबला

भाषा। चेन्नई

पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में टीम के अंदर उचित संतुलन तैयार करके अपने अभियान का सफल आगाज करने की कोशिश करेगा।

केकेआर की अगुवाई इस बार सीमित ओवरों के सबसे सफल कप्तानों में से एक इयोन मोर्गन कर रहे है। उन्होंने पिछले सत्र में यूएई में दिनेश कार्तिक से टूर्नामेंट के बीच में कप्तानी संभाली थी। पिछले सत्र में केकेआर के सनराइजर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के समान अंक थे। केकेआर हालांकि रन रेट में पिछड़ गया और लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाया था। मोर्गन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे और ऐसे में सभी की निगाहें इंग्लैंड के वनडे विश्व कप विजेता कप्तान पर होंगी जो कि दो बार के आईपीएल चैंपियन को खोई प्रतिष्ठा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध लगते हैं। केकेआर के पास शुभमन गिल के रूप में शीर्ष क्रम में शानदार बल्लेबाज है जो कि तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं जबकि राहुल त्रिपाठी, नितीश राणा और अनुभवी कार्तिक के रूप में उसके पास अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। इसके अलावा कप्तान मोर्गन हैं जो कि किसी भी तरह की आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं जबकि आंद्रे रसेल आक्रामक बल्लेबाजी के पर्याय हैं और किसी भी गेंदबाजी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। रसेल पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने नौ पारियों में 13 की औसत से रन बनाए थे। वह किसी भी मैच में मैच विजेता प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और जमैका के इस खिलाड़ी पर अत्याधिक निर्भरता केकेआर को महंगी पड़ी थी। वेस्टइंडीज का एक अन्य खिलाड़ी सुनील नारायण भी यूएई में नहीं चल पाया था। केकेआर के पास अब उनके स्थान पर शाकिब अल हसन के रूप में अच्छा विकल्प है। चेपक की धीमी पिच पर निगाहें 40 साल के हरभजन सिंह पर भी टिकी रहेगी जो अपने संभवतः आखिरी आईपीएल में अधिक से अधिक प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। केकेआर के पास वरुण चक्रवर्ती के रूप में रहस्यमई स्पिनर भी है। आईपीएल में जिन टीमों के प्रदर्शन में निरंतरता रही है उनमें सनराइजर्स हैदराबाद भी शामिल है।

अंशू और सोनम तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई

- साक्षी की उम्मीदें खत्म

भाषा। अलमाटी (कजाखस्तान)

भारत की युवा पहलवान अंशू मलिक और सोनम मलिक ने यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर्स में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया। जूनियर से सीनियर वर्ग में पहुंची 19 वर्षीय अंशू और 18 वर्षीय सोनम से पहले अनुभवी विनेश फोगाट (53 किग्रा) ने ओलंपिक में जगह बनाई थी। इस तरह से कुश्ती में भारत की तीन महिला खिलाड़ी तोक्यो खेलों में अपना दावा पेश करेंगी। विनेश ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप से क्वालीफाई किया था। भारत के कुल मिलाकर सात पहलवान ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। पुरुषों में बजरंग पूनिया (65 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा) और दीपक पूनिया (86 किग्रा) ने फ्रीस्टाइल वर्ग में क्वालीफाई किया है। अंशू ने 57 किग्रा में पूरा दबदबा दिखाया जबकि सोनम भी 62 किग्रा में पीछे नहीं रही। सोनम ने कोटा हासिल करके रियो ओलंपिक की पदक विजेता साक्षी मलिक के लिए रास्ता भी बंद कर दिया। सोनम ने हाल में ट्रायल्स में साक्षी को हराया था। अंशू के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने फाइनल तक पहुंचने में केवल दो अंक गंवाए। उन्होंने अपने तीनों मुकाबले तकनीकी दक्षता से जीते। उन्होंने कोरिया की जियुन उम को हराकर शुरुआत की तथा फिर कजाखस्तान की इम्मा टिसिना और सेमीफाइनल में शोखिदा अखमेदोवा को हराया।

सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। ए परियोजनाएं राज्य में 291 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण से संबंधित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 291 किलोमीटर की 726 करोड़ रुपए की सड़क विकास परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं में घोषित राष्ट्रीय राजमार्ग (572 किलोमीटर) के अद्यतन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी शामिल है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने प्री पेड सेवा पैकेज द स्माइल्स प्लस शुरू किया

बैंगलोर। मूल्य वर्धित सेवाओं के जरिए अनूठी ग्राहक सेवा मुहैया कराने की निरंतर प्रतिबद्धता के क्रम में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने एक व्यापक और अनुकूल बनाए जाने योग्य सेवा पैकेज दृ स्माइल्स प्लस की शुरुआत की है। इस पैकेज को ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूल बनाया जा सकता है तथा इसमें देशभर में उपलब्ध प्रीपेड पैकेज शामिल रहेंगे। पैकेज को डिजाइन करने में इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि टीकेएम भविष्य की मोबिलिटी की आवश्यकताओं के लिए तैयार है और मूल्यवान ग्राहकों को बेहतरए आकर्षक तथा बाधामुक्त सेवा अनुभवों से आगे भी सहायता करेगी। प्री.पेड सेवा पैकेज की नई पहल पर टिप्पणी करते हुए श्रीनवीन सोनी सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि हमें पूरी तरह नई स्माइल्स प्लस पैकेज की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि यह पहल अपने ग्राहकों की बढ़ी हुई जरूरतों और मोबिलिटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की टीकेएम की कोशिशों के क्रम में हैं। इस एक्सक्लूसिव पैकेज की पेशकश के बाद हमारा इरादा अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का है और हम ऐसी सेवा मुहैया कराना चाहते हैं जो उनकी बदलती अपेक्षाओं के अनुकूल हो।

12 नए कोवर्किंग स्पेस बनाने की योजना

दिल्ली। माईप्लेस को वर्किंग भारत के उद्यमियों, व्यक्तियों और स्टार्ट अप्स के लिए भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित पहला एकीकृत कोवर्किंग स्पेस है। माईप्लेस को वर्किंग में वह कंपनी को एक रणनीतिक दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं ताकि एक स्थायी तरीके से इसके पैमाने का विस्तार किया जा सके। विनायकनाथ इसके संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। भारत के पहले एकीकृत सहकर्मी स्थान दृ माई प्लेस कोवर्किंग के माध्यम से श्रीनाथ व्यवसायों और व्यक्तियों को अच्छी तरह से सुसज्जित कार्य क्षेत्रों में काम करने की सुविधा उपलब्ध कराते हैं जो एक विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इस ब्रांड की विशिष्टता दो चीजों में निहित है। पहला एकीकृत कार्य क्षेत्र की अवधारणा जो व्यक्तियों की उत्पादकता को बढ़ा देती है। दूसराए यह कि ब्रांड का लक्ष्य भारत के टियर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि उन क्षेत्रों में उन उभरते उद्यमियों की सहायता की जा सके जो अब तक उपेक्षित थे।

भारत को अधिक तेज वृद्धि दर्ज करनी होगी : आईएमएफ

- ऐसे होगी कोविड-19 से नुकसान की भरपाई

भाषा। वाशिंगटन

कोविड-19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था में आने वाले गिरावट की भरपाई के लिए भारत को अधिक तेज आर्थिक वृद्धि दर्ज करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने यह राय जताई है। चालू वर्ष में भारत की वृद्धि दर प्रभावशाली 12.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आठ प्रतिशत की बड़ी गिरावट से उबरने के लिए भारत को कहीं अधिक तेज वृद्धि दर्ज करने की जरूरत होगी। आईएमएफ की उप-मुख्य अर्थशास्त्री पेट्या कोवा ब्रुक्स ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए अतिरिक्त आर्थिक प्रोत्साहन की भी वकालत की। उन्होंने कहा, जब भारत की बात आती है, तो पिछले वित्त वर्ष में उत्पादन में बड़ी गिरावट आई थी। जैसा आप बता रहे हैं कि यह गिरावट आठ प्रतिशत है। हम इस वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 12.5 की अनुमानित वृद्धि के अनुमान को देखकर बहुत खुश हैं और हम क्रय प्रबंधक सूचकांक सहित उच्च आवृत्ति संकेतक भी देख रहे हैं। इनसे पता चलता है कि इस साल की पहली तिमाही में सतत सुधार जारी है। ब्रुक्स ने कहा, महामारी के नए प्रकार के बीच स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन से सुधार के रास्ते में कुछ जोखिम है।

सभी देशों को वैक्सीन की सुरक्षित और प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करें आईएमएफ, विश्वबैंक : समिति

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्वबैंक की संयुक्त मंत्रिस्तरीय समिति का मानना है कि कोविड-19 महामारी का प्रभाव अभी कई वर्षों तक देखने को मिलेगा। समिति ने दोनों वैश्विक वित्तीय निकायों से सभी देशों को सुरक्षित और प्रभावी टीके की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। आईएमएफ और विश्वबैंक की शुक्रवार को आयोजित वसंत (स्प्रिंग) बैठकों के बाद जारी वक्तव्य में कहा गया है, महामारी को समाप्त करने की दृष्टि से दुनियाभर में सभी देशों को सुरक्षित और प्रभावी टीके की समय पर आपूर्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर यह देखते हुए कि अब कोरोना वायरस का नया रूप आ गया है। विकासशील देशों को टीकाकरण अभियान के लिए तैयारियां पूरी करनी चाहिए और समन्वित रणनीति के जरिए देश की कमजोर आबादी तक पहुंचना चाहिए। समिति ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने बड़ा स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक संकट पैदा किया है जिससे आज करोड़ो लोगो का जीवन और आजीविका खतरे मे है।

ऑनलाइन विवाद समाधान से न्याय प्रक्रिया विकेंद्रित होगी : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

नई दिल्ली। न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि ऑनलाइन विवाद निपटान में नागरिकों के लिए न्याय प्रणाली को विकेंद्रित और लोकतांत्रिक करने की क्षमता है। नीति आयोग की ऑनलाइन विवाद समाधान पर पुस्तिका को पेश किए जाने के मौके पर कहा कि ओडीआर से विवाद निपटान अधिक सस्ता, सहमति और पहुंच वाला हो सकेगा। ऑनलाइन विवाद निपटान में नागरिकों के लिए न्याय के आपूर्ति तंत्र को विकेंद्रित, लोकतांत्रिक और विविध करने की क्षमता है। पिछले एक साल के दौरान वर्चुअल सुनवाई से एक महत्वपूर्ण चीज समझने में मदद मिली है कि बेहद सुगम बदलावों की वजह से यह प्रक्रिया कई बार अधिक दक्ष हो सकती है।

सरकार ने उर्वरक कंपनियों, आयातकों से खरीफ, 2021 के दौरान पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चत करने को कहा

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि वह उर्वरकों की उपलब्धता तथा कीमतों की निगरानी कर रही है। सरकार ने उर्वरक विनिर्माताओं तथा आयातकों से इस साल खरीफ (गर्मियों की फसल) बुवाई के दौरान उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि रबी (सर्दियों की फसल) 2020-21 के दौरान देशभर में इसकी उपलब्धता संतोषजनक रही है। बयान में कहा गया है कि कोविड-19 की वजह से पैदा हुई तमाम चुनौतियों के बावजूद उर्वरकों का उत्पादन, आयात और आवाजाही समय पर और पर्याप्त रही। बयान में कहा गया है कि किसानों के हित में सरकार की उर्वरक की उपलब्धता पर कीमतों पर नजदीकी निगाह है। कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के साथ विचार-विमर्श में विभिन्न उर्वरकों की जरूरत का आकलन कर लिया है और इसकी जानकारी उर्वरक विभाग को दे दी है। बयान में कहा गया है कि इस के अनुरूप उर्वरक मंत्रालय ने विनिर्माताओं के साथ विचार-विमर्श में घरेलू उत्पादन का लक्ष्य तय किया और इसकी निगरानी की जा रही है।

चीन ने अलीबाबा पर 2.8 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया

बीजिंग। दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ग्रुप पर चीन के नियामकों ने को प्रतिस्पर्धा रोधी व्यवहार के लिए 18.3 अरब युआन (2.8 अरब डॉलर) का जुर्माना लगाया है। चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी उद्योगों पर अपना नियंत्रण बढ़ा रही है। पार्टी नेता अलीबाबा सहित चीन की बड़ी इंटरनेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे से चिंतित हैं। इन नेताओं का मानना है कि जब उद्योग वित्त, स्वास्थ्य सेवा और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है, इंटरनेट कंपनियों का बढ़ता दबदबा चिंता की बात है। पार्टी ने कहा कि इस साल हमारी प्राथमिकता विशेषरूप से प्रौद्योगिकी उद्योगों में एकाधिकार को समाप्त करना है।

सीजी पावर मामले में सैट का सेबी को छह माह में अंतिम आदेश जारी करने का निर्देश

नई दिल्ली। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के मामले में अंतिम आदेश छह महीने में पारित करने को कहा है। इस मामले में कंपनी के पूर्व चेयरमैन गौतम थापर और तीन अन्य पूर्व अधिकारियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया गया था। थापर के अलावा जिन अन्य अधिकारियों को प्रतिबंधित किया गया है उनमें सीजी पावर के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी वी आर वेंकटेश और पूर्व निदेशक माधव आचार्य और बी हरिहरन शामिल हैं। थापर, हरिहरन और अन्य ने सेबी के मार्च, 2020 में दिए गए पुष्टि आदेश के खिलाफ सैट में अपील की थी। अपने आदेश के तहत सेबी ने थापर, वेंकटेश, आचार्य और हरिहरन के प्रतिभूति बाजार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तरह के कारोबार की रोक लगा दी थी। हालांकि, उन्हें उनके पास मौजूद प्रतिभूतियों के मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की बिक्री करने की छूट दी गई थी। पुष्टि आदेश के बाद सितंबर, 2019 में सेबी ने अंतरिम आदेश पारित किया था। इसके तहत इन अधिकारियों को खातों के गंभीर कुप्रबंधन तथा कोष को इधर-उधर करने के लिए प्रतिबंधित किया था। इसके अलावा नियामक ने कंपनी के फॉरेंसिक ऑडिट का भी आदेश दिया था।

वर्चुअल मॉल का आने वाले समय में सुनहरा भविष्य

लखनऊ। वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स का चलन तेजी से देश में बढ़ने लगा हैण् ऑफिस हो या स्कूल हर चीज वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स के सहारे चल रहा हैण् इसी तर्ज में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में देश का पहला वर्चुअल एग्जीबीशन मॉल खोलने की योजना पर काम कर रही है। इस मॉल में ऑनलाइन कारोबार करके क्रेता.विक्रेता अपनी सुविधा के मुताबिक किसी भी समय प्रोडक्ट्स की खरीद-बिक्री कर सकेंगे। इसी पर अपनी प्रसन्ता व्यक्त करते हुए वर्ष 2020 में शुरू किये डिजिटल मॉल ऑफ़ शिया के फाउंडर डायरेक्टर ऋषभ मेहरा ने कहा कि हम राज्य सरकार के इस फैसले से काफी प्रोत्साहित हुए हैए सरकार के इस कदम से काफी ब्रांड्स वर्चुअल मॉल के तरफ अपनी विचार धारणा बदल सकेंगे। उन्होंने आगे कहा की उत्तर प्रदेश में हमारे मॉल के साथ 50 से अधिक ब्रांड जुड़ चुके है और आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में सारे ब्रांड्स अपना आउटलेट खोल सकेंगेए ब्रांड्स के लिए एक वेयरहाउस भी खुलेगा जहां से डिलीवरी सेंट्रलाइज्ड कर दी जाएगी। मॉल में सर्विस इंडस्ट्री के टावरए फूड कोर्ट एवं ई डिजिप्लेक्स और ई नाइटक्लब भी आयेंगे।

यूसुफअली को अबू धाबी का शीर्ष नागरिक सम्मान

दुबई। अबू धाबी के वलीअहद (क्राउन प्रिंस) शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाहयान ने भारतीय मूल के उद्योगपति यूसुफअली एमए और 11 अन्य लोगों समुदायों में परमार्थ योगदान और अन्य अच्छे कार्यों के लिए अबू धाबी के शीर्ष नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। यूसुफअली (65) अबू धाबी के लुलु ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक है।

425 करोड़ के संशोधित निवेश को मंजूरी दी

नई दिल्ली। चीनी कंपनी बलरामपुर चीनी मिल्स के निदेशक मंडल ने नए डिस्टिलरी संयंत्र मे 425 करोड़ रुपए के अधिक ऊंचे निवेश की मंजूरी दे दी है। इस संयंत्र की क्षमता 320 किलोलीटर प्रतिदिन (केएलपीडी) की है।

नौवहन अधिकारों के उपयोग का अमेरिका ने बचाव किया

भारत के ईईजेड यानी विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर अपने पोत भेजने के मामले में दी सफाई

भाषा। वाशिंगटन

पेंटागन ने कहा है कि भारत की मंजूरी के बिना उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के दायरे में अमेरिकी नौसेना पोत द्वारा नौवहन अधिकारों का उपयोग करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के पोत जॉन पॉल जोन्स के भारत के ईईजेड से गुजरने के संबंध में भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

असाधारण कदम उठाते हुए अमेरिकी नौसेना ने भारत की पूर्वानुमति के बिना इस सप्ताह लक्षद्वीप द्वीपसमूह के निकट भारतीय जलक्षेत्र में नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके बाद नई दिल्ली ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसने राजनयिक माध्यमों से वाशिंगटन को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है।विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के सात अप्रैल के इस बयान पर भी विरोध दर्ज कराया कि अमेरिकी जहाज जॉन पॉल जोन्स द्वारा नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान में अंतरराष्ट्रीय कानून में निर्धारित समुद्र क्षेत्र के कानूनन इस्तेमाल, अधिकार और स्वतंत्रता को कायम रखा गया।अमेरिकी नौसेना के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया से संबंधित सवाल पर पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, मैं कह सकता हूं कि नौसेना के विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स ने मालदीव गणतंत्र के नजदीक समुद्री क्षेत्र में सामान्य परिचालन के तहत अहानिकारक तरीके से गुजरते हुए अपने नौवहन अधिकारों एवं स्वतंत्रता का उपयोग किया और ऐसे में उसने बिना पूर्वानुमति के उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में परिचालन किया। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के कमांडर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मिसाइल विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के जरिए सात अप्रैल को यह अभियान शुरू किया गया।बयान में कहा गया, सात अप्रैल, 2021 को यूएसएस जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53) ने भारत की अनुमति के बिना, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र लक्षद्वीप द्वीपसमूह के पश्चिम से लगभग 130 समुद्री मील दूर नौपरिवहन अधिकार एवं स्वतंत्रता अभियान शुरू किया।

किर्बी ने पेंटागन में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है। हम अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक उड़ान भरने, समुद्री परिचालन करने तथा परिचालन के अपने अधिकार तथा जिम्मेदारी को बनाए रखेंगे। किर्बी ने कहा कि नौवहन स्वतंत्रता को कायम रखना, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी उपयोग, आजादी एवं अधिकारों को बनाए रखना अमेरिका की जिम्मेदारी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते (यूएनसीएलओएस) पर भारत का स्पष्ट रुख है कि इसके तहत दूसरे देशों को किसी तटीय देश की अनुमति के बिना उसके विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) में और महाद्वीपीय भाग में सैन्य अभ्यास करने का और खासतौर पर हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा, यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के फारस की खाड़ी से मल्लका खाड़ी की ओर गुजरने के दौरान उस पर लगातार नजर रखी गई। हमने पोत के हमारे ईईजेड से गुजरने के घटनाक्रम पर अपनी चिंताओं से अमेरिका की सरकार को राजनयिक माध्यमों से अवगत करा दिया है।

चीन पर धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है अमेरिका : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन चीन के साथ धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है और उसे कोई जल्दबाजी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि चीन के साथ संबंध कड़ी प्रतिस्पर्धा पर आधारित हैं।उन्होंने कहा, हमने निजी और सार्वजनिक तौर पर ताइवान में चीन की आक्रामकता को लेकर अपनी बढ़ती चिंताएं व्यक्त की हैं। ताइवान में लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चीन तेजी से बलपूर्वक कार्वाई कर रहा है। हमने ताइवान की खाड़ी में पीआरसी सेना की चिंताजनक गतिविधि बढ़ती देखी है, हम मानते हैं कि वह संभवत: अस्थिरता पैदा करने के लिए है।

साकी ने कहा, हम धैर्य के साथ इस तरफ आगे बढ़ रहे हैं, हम जल्दबाजी में नहीं हैं। हम अपने देश में स्थितियों को मजबूत करने, अपने कार्यबल को बेहतर सहयोग देने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहे हैं कि हम ताकत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ताइवान के समीप चीन की सैन्य कार्वाई पर करीबी नजर रख रहा है। पेंटागन ने कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित है।

पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हम दक्षिण चीन सागर के यूनियन बैंक क्षेत्र में चीन के नौसैन्य वाहनों के जुटने से चिंतित हैं। साथ ही हम सहयोगी फिलीपीन के कानूनी अधिकारों को बाधित करने के चीन के प्रयासों से भी चिंतित हैं। अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ खड़ा है और हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ब्रिटेन के राजकुमार फिलिप को लंदन के बकिंघम पैलेस के बाहर पुष्पांजलि अर्पित करने खड़े लोग। फिलिप का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया

वियना में अगले सप्ताह पुनः शुरू होगी ईरान के साथ परोक्ष वार्ता: अमेरिकी अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान के साथ अमेरिका की परोक्ष वार्ता वियना में अगले सप्ताह पुन: आरंभ होगी और यूरोपीय संघ, चीन और रूस के जरिए इस सप्ताह हुई बैठक में कुछ प्रगति हुई है।अधिकारी ने इस सप्ताह वार्ता समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा, पक्षकारों के बीच अगले सप्ताह वियना में फिर से बैठक होगी। हमें उम्मीद है कि अमेरिकी दल वापस आएगा और यह स्पष्ट करना जारी रखा जाएगा कि दोनों पक्षों को आपसी सहमति बनाने के लिए क्या कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस सप्ताह हुई बैठक को संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) में संभावित वापसी के पहले चरण का पहला कदम बताया। अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ईरान इस बात के अपेक्षाकृत अधिक संकेत देगा कि वह क्या करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह सवाल अब भी बरकरार है कि अमेरिका ने सहमति बनाने की जो इच्छा प्रकट की है, ईरान भी वैसा ही करेगा या नहीं। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को ईरान से कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन ए निश्चित ही पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन का रुख है कि वह ईरान पर लगाए गए उन प्रतिबंधों को हटाने के लिए तैयार हैं, जो जेसीपीओए के अनुरूप नहीं है और जो उन लाभों के अनुरूप नहीं है, जिनकी अपेक्षा ईरान जेसीपीओए से करता है। अधिकारी ने कहा, इसका अर्थ सभी प्रतिबंधों (को हटाने) से नहीं है, क्योंकि कुछ प्रतिबंध उचित हैं।

अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्रवाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

वाशिंगटन(भाषा)। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्वाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है और बाइडन प्रशासन इस संबंध में रूस के खिलाफ अपनी नीति की समीक्षा कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अमेरिका रूसी सैनिकों के यूक्रेन की सीमाओं की ओर बढ़ने के मामले पर क्षेत्र के अपने साझेदारों और सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श और काम कर रहा है।साकी ने शुक्रवार को कहा, इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इनमें से कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ अप्रत्यक्ष होगें। जल्द ही इस बारे में और अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, जैसा कि हम जानते हैं कि यह पूर्वी यूक्रेन में रूस की आक्रामक कार्वाई के आसार से संबंधित मामला है। रूस के सैनिक यूक्रेन की सीमाओं ओर बढ़ रहे हैं। हालात का जायजा लेने और आगे की कार्वाई के लिए हम क्षेत्र में अपने साझेदारों और सहयोगियों से सलाह मशविरा करके उनके साथ काम कर रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले सप्ताह रूस पर हजारों सैन्य कर्मियों को अपनी उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं और क्रीमिया प्रायद्वीप की ओर भेजने का आरोप लगाया था। इस बीच, मीडिया में आईं खबरों के अनुसार बाइडन प्रशासन ने रूस को लेकर सुरक्षा समीक्षा पूरी कर ली है और वह उसके खिलाफ नई कार्वाइयों की योजना बना रहा है।

क्विक न्यूज

सऊदी अरब में राजद्रोह के लिए तीन सैनिकों को फांसी दी गई

दुबई। सऊदी अरब ने तीन सैनिकों को राजद्रोह के मामले में दोषी पाए जाने के बाद शनिवार को फांसी दे दी। सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया है कि ए सैनिक रक्षा मंत्रालय में कार्यरत थे। उसने यह नही बताया कि इन सैनिकों ने देश के दुश्मनों की किस तरह मदद की। सऊदी अरब यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों से लड़ रहा है। सऊदी अरब ईरान को क्षेत्र में अपना प्रतिद्वंद्वी मानता है। सऊदी अरब ने कहा कि तीन व्यक्तियों को अदालत ने दोषी पाया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, 2019 में सऊदी अरब में 184 लोगों को मौत की सज़ा दी गई थी।

अमेरिका में तीन साल के भाई ने आठ माह के शिशु पर चलाई गोली, बच्चे की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में शुक्रवार को आठ माह के बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि बच्चे के तीन साल के बड़े भाई के हाथ में घर में रखी बंदूक लग गई और उसी ने ही गोली चलाई।ह्यूस्टन पुलिस विभाग के सहायक प्रमुख वेंडी बैमब्रिज ने बताया कि बच्चे को शुक्रवार सुबह पेट में गोली लगी। परिवार के सदस्य घायल बच्चे को अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। बैमब्रिज ने कहा, मैं सभी अभिभावकों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने हथियारों को घर में किसी की भी पहुंच से दूर रखें। आप हथियारों को सुरक्षित रखने के लिए कई चीजे कर सकते है। कृपया इस परिवार के लिए दुआ कीजिए। यह बहुत त्रासद घटना है। जांचकर्ताओं को शुरुआत में घटना में इस्तेमाल बंदूक नही मिली, लेकिन बाद में उस वाहन के अंदर से उसे बरामद कर लिया गया जिसमें परिवार के सदस्य बच्चे को अस्पताल लेकर गए थे। बैमब्रिज ने बताया कि जांचकर्ता और अभियोजक यह पता लगा रहे हैं कि इस मामले में कोई आरोप लगाया जाएगा या नही।

बांग्लादेश में मस्जिद के अंदर हमला, 12 लोग घायल

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी समूह के कार्यकर्ताओं ने एक मस्जिद में इबादत करने आए लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका ट्रब्यून की खबर के अनुसार घटना शुक्रवार को गाइबांधा जिले की एक मस्जिद में हुई जब स्वयंभू हिफाजत-ए-इस्लाम के कार्यकर्ताओं ने इमाम का माइक छीन लिया और अपने संगठन के बारे में बोलने लगे।मस्जिद के इमाम मतलूब उद्दीन ने कहा कि जब नमाजियों ने दखल देने की कोशिश की तो उन्होंने उनपर हमला कर दिया। खबर के अनुसार हमले में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। सुंदरगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रभारी अधिकारी बुलबुल इस्लाम ने कहा, मस्जिद समिति के बीच मतभेदों के कारण यह घटना हुई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने की लड़ाई में भारत अहम साझेदार: अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने की लड़ाई में भारत एक अहम साझेदार है। सांसद ने यह बात अमेरिका के विदेश दूत जॉन कैरी की हाल में की गई भारत यात्रा की सराहना करते हुए कही।कांग्रेस सदस्य फ्रैंक पैलोन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुझे प्रसन्नता है कि वैश्विक उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने में अमेरिका-भारत के सहयोग पर चर्चा करने के वास्ते कैरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने की लड़ाई में भारत एक अहम साझेदार है और राष्ट्रपति जो बाइडन के अर्थ डे सम्मेलन के लिए सम्माननीय भागीदार है।

सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से मुलाकात की

ढाका। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने शनिवार को बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से मुलाकात की और उनके सैनिकों के एक अभियान संबंधी प्रदर्शन को देखा।जनरल नरवणे ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच दोस्ती के संबंधों के सम्मान में कॉक्स बाजार स्थित रामू कैंटोनमेंट में एक पौधा भी रोपा। पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर बांग्लादेश पहुंचे जनरल नरवणे ने बांग्लादेशी सेना के 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का भ्रमण भी किया।भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजी पीआई) ने ट्वीट किया, जनरल एम एम नरवणे ने 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का दौरा किया और बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से बातचीत की। रामू कैंटोनमेंट बांग्लादेश की सेना की 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का मुख्यालय है। जनरल नरवणे ने शुक्रवार को बंगबंधु स्मृति संग्रहालय जाकर बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि दी थी।बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल अजीज अहमद के निमंत्रण पर जनरल नरवणे की यह यात्रा हो रही है।

मिस्र के लक्सर प्रांत में 3,000 साल पुराने मिले शहर को देखते लोग। यह नगर खोदाई में मिला है

कोरोना वायरसः टीकों की कमी के कारण 60 देशों में टीकाकरण बाधित होने की आशंका

एपी। लंदन

कोरोना वायरस टीकों के निष्पक्ष वितरण के लिए शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम कोवैक्स को मिलने वाले टीकों की आपूर्ति बाधित होने से दुनिया के कुछ सबसे गरीब देशों समेत कम से कम 60 देशों में टीकाकरण प्रभावित हो सकता है।दैनिक आधार पर संकलित यूनिसेफ आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में 92 विकासशील देशों में आपूर्ति करने के लिए 20 लाख से कम कोवैक्स खुराकों को मंजूरी दी गई, जबकि केवल ब्रिटेन में इतनी ही खुराक की आपूर्ति की गई।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेएसस ने टीकों के वैश्विक वितरण में स्तब्ध करने वाले असंतुलन की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा था कि अमीर देशों में औसतन चार में से एक व्यक्ति को कोविड-19 टीका लगाया जा चुका है, जबकि कम आय वाले देशों में 500 लोगों में से औसतन केवल एक व्यक्ति को टीका लगाया गया है।भारत ने बड़ी मात्रा में एस्ट्राजेनेका टीकों का उत्पादन करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट में बने टीकों के निर्यात को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, जो वैश्विक स्तर पर टीकों की कमी का मुख्य कारण है। जिन देशों को कोवैक्स ने सबसे पहले टीकों की आपूर्ति की थी, उन्हें 12 सप्ताह के भीतर टीके की दूसरी खुराक पहुंचाई जानी है, लेकिन ऐसा संभव हो पाएगा या नहीं, इस पर आशंका के बादल मंडरा रहे हैं। टीकों की आपूर्ति करने वाले संगठन गावी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि टीकों की आपूर्ति में देरी से 60 देश प्रभावित हुए हैं। एपी को मिले डब्ल्यूएचओ के दस्तावेज दर्शाते हैं कि आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण कुछ देशों का कोवैक्स से विश्वास उठने लगा है। इसके कारण डब्ल्यूएचओ पर चीन और रूस के टीकों का अनुमोदन करने का दबाव बढ़ रहा है।

म्यांमा में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जुंटा ने फिर की कड़ी कार्रवाई, सैन्य प्रवक्ता ने उचित ठहराया

एपी। यांगून

म्यांमा में सुरक्षा बलों ने सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर फिर कड़ी कारवाई की, जिसमें कई लोग मारे गए। इस बीच, सत्तारूढ़ जुंटा के प्रवक्ता ने नेपीता में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्वाई का बचाव किया।

ऑनलाइन समाचार साइट और सोशल मीडिया पर शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि यांगून से करीब 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित बागो में सरकारी सुरक्षा बलों और पुलिस की कार्वाई में कम से कम चार लोग मारे गए। बागो वीकली जर्नल ऑनलाइन ने बताया कि शहर के मुख्य अस्पताल में उसके एक सूत्र के अनुसार, इस कार्वाई में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। सुरक्षा बलों ने इस सप्ताह तीसरी बार प्रदर्शनकारियों पर घातक बलप्रयोग किया है। सेना ने आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर एक फरवरी को तख्तापलट किया था।देश के उत्तर में कैले और तजे कस्बों में बुधवार को प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्वाई में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा बलों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ ग्रेनेड और मोर्टार जैसे हथियारों का इस्तेमाल करने का आरोप है। देशभर में अधिकतर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे और प्रदर्शनकारियों ने सविनय अवज्ञा का मार्ग अपनाया।कई सोशल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शुकवार को भी कई स्थानों पर सुरक्षा बलों ने हिंसा का इस्तेमाल किया।प्रदर्शन में हताहत हुए लोगों का रिकॉर्ड रखने वाले संगठन असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्वाई में बृहस्पतिवार तक कम से कम 614 लोग मारे गए हैं।ब्रिगेडियर जनरल जॉ मिन तुन ने प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यदि ऐसा हुआ होता, तो कुछ ही घंटों में 500 लोग मारे गए होते।उन्होंने असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स द्वारा बताई गई मृतक संख्या को गलत बताया और कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 248 है और 16 पुलिसकर्मी भी मारे गए हैं।

> ● ऑनलाइन समाचार साइट और सोशल मीडिया पर शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि यांगून से करीब 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित बागो में सरकारी सुरक्षा बलों और पुलिस की कार्वाई में कम से कम चार लोग मारे गए

अफगान संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं बाइडन : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अफगानिस्तान में संघर्ष खत्म करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश फिर कभी आतंकवादियों के लिए पनाहगार न बने तथा उनसे अमेरिका या उसके किसी सहयोगी देश को खतरा नहीं हो। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति ने संघर्ष को जिम्मेदार तरीके से खत्म करने, हमारी सेनाओं को हटाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है कि अफगानिस्तान फिर कभी आतंकवादियों के लिए पनाहगार न बने और उससे अमेरिका या उसके किसी भी सहयोगी को खतरा न पहुंचे। उन्होंने कहा कि बाइडन दुनियाभर में अपने साझेदारों के साथ परामर्श कर और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम की सलाह के साथ यह फैसला लेना चाहते हैं। साकी ने कहा, उन्होंने सार्वजनिक तौर पर साफ कहा है, मुझे लगता है कि एक मई तक अपनी सेना को वापस बुलाना चुनौतीपूर्ण है लेकिन आप निश्चित ही समयावधि बढ़ाने को लेकर उनसे कुछ सुनेंगे। एक अलग संवाददाता सम्मेलन में विदेश विभाग की प्रधान उप प्रवक्ता जलीना पोर्टर ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका के विशेष दूत जलमी खलीलजाद क्षेत्र में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने के लिए अफगान नेताओं के साथ बैठकें जारी रखने के वास्ते अभी काबुल में हैं।

पाकिस्तान ने चीन के तीसरे कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए संघर्ष कर रहे पाकिस्तान ने कम प्रभावी होने के बावजूद चीन के तीसरे कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान औषधि नियामक प्राधिकरण (डीआरएपी) ने चीन की कंपनी सिनोवैक बायोटेक द्वारा विकसित कोविड-19 रोधी टीके कोरोनावैक के आपात इस्तेमाल को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी। डीआरएपी के एक अधिकारी ने कहा, पाकिस्तान में इस्तेमाल के लिए मंजूर किया गया चीन का यह तीसरा टीका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक कुल पांच कोविड टीकों को मंजूरी दी जा चुकी है। पाकिस्तान चीन के सिनोफार्म और कैनसिनो बायोलॉजिकल इंक द्वारा विकसित कोंविडेशिया टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे चुका है। साथ ही ब्रिटेन के एस्ट्राजेनेका और रूस के स्पूतनिक वी टीकों को डीआरएपी की मंजूरी मिल चुकी है। बताया जा रहा है कि नए मंजूर किए गए कोरोनावैक टीके कम प्रभावी हैं, लेकिन सरकार ने टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए इसके आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी है।

> केवल असली युवा निर्भीक होते हैं, उनमें अकल्पनीय जोखिम लेने की आशा व रूमानियत होती है
> - ओलीविया वाइल्ड

मानव पूंजी के महत्व को उजागर करने के लिए डिजिटल तकनीक से अपनी कार्यशक्ति को संपन्न किया जाए। मौजूदा परिवेश में सुदूर कर्मचारियों के सफल प्रबंधन के सूत्र बताती **अंकुर धींगरा** की रिपोर्ट

नए युग का मानव रीमोट

दुनिया भर में वर्तमान कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ और अधिकांश संगठन घर से कार्य या 'दूरस्थ' 'कार्यालय ढांचों का चुनाव कर रहे हैं - कार्यस्थल की गतिशास्त्र बदल गया है। सौ फीसदी कार्यालय से सौ फीसदी रिमोट व्यवस्था होने और हर संभव संयोजन के भीतर, लंबवत स्तर पर संगठन न केवल उत्पादक बने रहने, बल्कि वर्तमान क्रमपरिवर्तन या संयोजन में मानव पूंजी के मूल्य को मुक्त करने के तरीकों की भी तलाश कर रहे हैं जिन्हें संगठन ने अपने कार्यबल के लिए उल्लिखित किया है।

'सोशल डिस्टेंसिंग' और 'सरकार द्वारा घोषित तालाबंदी' से बंधी, कंपनियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे संबंधित रुझानों को जल्द पहचानने के लिए कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और उन्हें सही तरीके से व्यवसाय संचालन में शामिल करने में सक्षम हों।

हालांकि निगरानी और मूल्यांकन उपकरण मुख्य रूप से गतिविधि ट्रैकिंग और फसल परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मगर एक प्रभावी उद्यम संचालन प्रबंधन मंच संगठनों को मानव पूंजी के वास्तविक मूल्य को उजागर करने में मदद कर सकता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटा संग्रह, एकत्रीकरण और विश्लेषण से लेकर रिपोर्टिंग तक सब कुछ के लिए, संस्थान विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते हैं। हालांकि यह विधि काम करती है और छोटे संगठनों में प्रभावी है, फिर भी , विभिन्न स्थानों पर अनेक परियोजनाओं को चलाने पर यह बोझिल हो सकता है। नए दूरस्थ कार्यबल को प्रबंधित करने के लिए मंच का चुनाव करते समय यहां अनिवार्य खूबियों की त्वरित जांच सूची इस प्रकार है :

काम का समय

सुदूर से काम करने वाले कर्मचारियों के साथ, एक वितरित कार्यबल के प्रबंधन ने कई संगठनों को गैरजानकार पाया है। कर्मचारी समय- दक्षता सुनिश्चित करने और कार्य-जीवन के संतुलन को बनाए रखते हुए उत्पादकता के स्तर पर उम्मीदों, सुधार या प्रबंधन हेतु जीने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

● वो उपकरण, जिसका एक कंपनी उपयोग करती है, उसे टीमों, प्रक्रियाओं और स्थानों पर संपूर्ण कार्य शैली विश्लेषण प्रदान करना चाहिए। यह न केवल परिचालन में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि अंतराल को पहचानने और उन्हें पाटने में व्यापार मालिकों की मदद करेगा।

● सिस्टम से परे चल रही गतिविधियों पर ध्यान दें। यह न केवल आपको समय के रिसावों और अंतरालों को अलग करने में मदद करेगा बल्कि आपको अपने कर्मचारियों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने व उन्हें किसी भी चुनौती या मुद्दों का सामना करने की क्षमता प्रदान करने का अवसर देगा।

● पता नहीं, कौन किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है? शीर्ष आकार व नकदी की घंटी बजने पर परियोजनाओं को बनाए रखने के लिए इष्टतम संसाधन उपयोग महत्वपूर्ण है। प्रभावी संचालन प्रबंधन उपकरण बेहतर संसाधन समतलन व नियोजन सुनिश्चित करने के लिए संसाधन उपयोग के रुझानों की गहरी तह में जाने के लिए उपयोगी हैं।

● इसी तरह, कर्मचारी उत्पादकता, दिनचर्या अनुपालन, अवकाश दिनचर्या आदि में गुप्त बुलंदी हासिल करने के लिए सुविधाओं और कार्यक्षमता की तलाश करें।

कार्य परिणाम

● चौबीसों घंटे ऑनलाइन होने से उत्पादकता की गारंटी नहीं होती है। उत्पादक परिणामों को हासिल करने के लिए आपके पास एक तंत्र होना चाहिए।

● कर्मचारी प्रयास बनाम परिणाम का व्यापक विश्लेषण के लिए कहें।

● प्रक्रिया समाधान व प्रदर्शन अंतराल को पहचानने, समझने और हल करने के लिए सहजज्ञान-युक्त डैशबोर्ड एक शानदार तरीका है।

● कर्मचारी प्रयास पर व्यापक विश्लेषण द्वारा संचालित समय और गति अध्ययन।

● एक मॉड्यूल जो विभिन्न टीमों और कई स्थानों पर कर्मचारियों की आवश्यकताओं के अनुसार आसानी से वर्गीकृत कर सके। किसी भी अन्य तृतीय-पक्ष कार्य प्रवाह प्रबंधन सॉफ्टवेयर / सर्विस डेस्क / हेल्प डेस्क / सीआरएम या किसी भी प्रकार के उपकरण के साथ सहज एकीकरण, जिसमें लेन-देन का भंडार है।

कार्य प्रवाह प्रबंधन

जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

● स्थापित कार्यप्रवाह आपका बहुत ज्यादा समय लेने वाला है?

● एक संचालन प्रबंधन उपकरण को लाने में परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार कार्य प्रवाह स्थापित करने और निहित अनुकूलकों का उपयोग कर कार्यों को आवंटित करने की आवश्यक क्षमताएं होनी चाहिए।

● कार्य को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना सुदूर कामकाज की एक और चुनौती है। इस प्रकार, प्रबंधकों को प्रत्येक कार्य पर की जाने वाली तात्कालिक गतिविधि पर काबिज होने में सक्षम बनाना महत्वपूर्ण है, इससे किसी भी अड़चन को दूर करने में मदद मिलती है।

● पता लगाएं कि डेस्कटॉप स्वचालन और प्रक्रिया में सुधार हेतु निहित अवसरों की पहचान करते हुए उपकरण पूर्वनिर्धारित नियमों के आधार पर लेनदेन रिकॉर्ड कर सकते हैं या नहीं।

● एक प्रबंधन उपकरण के लिए पूछें जो आपको बेहतर नियोजन और कार्यभार के पूर्वानुमान के माध्यम से सशक्त बनाता है।

उन्नत विश्लेषिकी

किसी भी संगठन के लिए, विश्लेषिकी व्यावसायिक प्रदर्शन का संचालन करते समय कार्यबल उत्पादकता का प्रबंधन करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डेटा एनालिटिक्स से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ, महत्वपूर्ण संबंध व शैलियां खराब कर्मचारी उत्पादकता, उच्च रख रखाव लागत व खराब ग्राहक सेवा के कारण होने वाली हानि का पता लगाने के लिए स्थापित किए जा सकते हैं।

● उपकरण वास्तविक व प्रभावी संगठनात्मक मानदंड और लक्ष्य स्थापित करने हेतु वास्तविक समय प्रदर्शन डेटा प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

● संगठन के भीतर आकस्मिक, मूल्य वृद्धि और गैर-मूल्य वृद्धि गतिविधियों का वर्गीकरण एक और कार्यभार है जिसे उद्यम संचालन प्रबंधन सॉफ्टवेयर को करने में सक्षम होना चाहिए।

● उन विशेषताओं का पता लगाएं जो संचालन को कारगर बनाने के लिए संसाधनों, ऑपरेटिंग सिस्टम और बुनियादी सुविधाओं के उपयोग का ट्रैक रखने में मदद करती हैं।

> जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

ये वो दौर है जो मानव पूंजी और डिजिटल निवेशों की वास्तविक क्षमता के दोहन का आह्वान करता है।

हालांकि कर्मचारियों के व्यवहार को समझना मुश्किल हो जाता है जब वे सुदूर रहकर काम करते हैं तो उन्हें सही तरीके से निवेश करना, और सही दिशा चुनौतियों को स्पष्ट करने में मदद कर सकती है। कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए :

● **आत्म-सुधार को बढ़ावा दें :** कर्मचारियों की व्यक्तिगत वृद्धि संगठनात्मक विकास को गति देती है। कर्मचारियों को आत्म-सुधार डैशबोर्ड प्रदान करना समग्र विकास करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। जब कर्मचारी अपनी कमजोरियों और खूबियों का आत्म-विश्लेषण करते हैं, उन्हें सही ढंग से काम कराना व सही मार्गदर्शन करना चुनौतियों से निपटने में सहायता कर सकता है। इससे कर्मचारियों को एक बेहतर व गहरी समझ मिलती है कि उनमें कहाँ कमी है। आत्म-विश्लेषण आत्म-विकास की कुंजी है। कुछ बिन्दुओं को जिन्हें दिमाग में रखा जाना चाहिए, वे इस प्रकार हैं:

● **कार्य समय पर ध्यान देना :** कार्य अंतराल का विश्लेषण करना, उत्पादकता स्तर और बेंचमार्क का उपयोग करने का तंत्र स्थापित करना कर्मचारी की क्षमता को सही दिशा में ले जाता है। कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए, संस्थान अनुसूची अनुपालन को माप सकते हैं, काम के अंतराल और समय के बर्बादी की पहचान कर सकते हैं। उद्यम ग्रेड संचालन प्रबंधन उपकरण तैनात करना जो कर्मचारियों के ओवरटाईम का अनुकूलन करता है, पारदर्शिता लाता है।

● **केंद्र कार्य-आउटपुट:** कार्य परिणाम का मूल्यांकन करने हेतु प्रभावी तंत्र की स्थापना से संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कार्य निवेश और कार्य परिणाम के गहन विश्लेषण से उत्पादकता में सुधार होता है। एक संगठन प्रक्रिया और प्रदर्शन अंतराल के सटीक विश्लेषण के साथ लाभप्राप्ति में सुधार कर सकता है। कर्मचारी उत्पादकता स्तरों का आरंभिक व अंतिम विश्लेषण प्रदान करने वाले सॉफ्टवेयर से संगठन को उनके प्रदर्शन का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिलती है।

● **वास्तविक समय दृश्यता:** सहज ज्ञान युक्त उपकरणों का उपयोग संगठन में परिचालन पारदर्शिता प्रदान करता है जो कार्य प्रवाह का प्रबंधन कर सकता है। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन को प्रबंधित करने हेतु वास्तविक समय की दृश्यता तक पहुँचने से उनके उत्पादकता स्तर में तेजी आती है। प्रबंधकों को एक कुशल सॉफ्टवेयर की मदद से उनकी क्षमताओं से मेल खाने वाले कार्य लक्ष्यों के साथ कार्यबल को कतारबद्ध करना होता है। वास्तविक समय की दृश्यता प्रबंधकों को चुनौतियों का सामना करने व तदनुसार तैयार करने में सक्षम बनाती है।

● **अनावश्यक कार्यभारों की समाप्ति :** उन्नत विश्लेषिकी के साथ, एक संगठन कमजोर पहलकदमियां और परिसंपत्ति अनुकूलन पर काम कर सकता है। ग्राहक सेवा, कर्मचारी उत्पादकता और अपेक्षित व्यावसायिक लागत में खामियों की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग कार्य प्रक्रिया की समीक्षा करने में मदद कर सकता है। कार्य-गतिविधियों की नियमित समीक्षा संसाधनों को सुव्यवस्थित करने और गैर-आकस्मिक गतिविधियों को सफाया करने के लिए आवश्यक है।

● **परिचालन लागत कम करें :** सॉफ्टवेयर के जरिए संपत्ति अनुकूलन पर ठोस समझदारी तक पहुँचने से संगठन को पूंजी व परिचालन लागत कम करने में मदद मिलती है। परिसंपत्ति के उत्तम उपयोग पैमाने से, संगठन कंपनी परिसंपत्तियों के सटीक उपयोग का विश्लेषण करने में सक्षम है। संगठन में संचालन प्रबंधन मंच से, अनुत्पादक और अतिरिक्त प्रणालियों की छंटाई आसान हो जाती है। यह अतिरिक्त परिचालन लागत को कम करता है और उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए जगह बनाता है।

● **व्यापक रिपोर्टिंग को बढ़ावा दें :** कार्यबल प्रबंधकों को प्रदान की गई जानकारी की छानबीन कर सकता है। किसी भी कार्य में देरी या अपूर्ण जानकारी प्रसारित करने से बचने के लिए, संगठन को कर्मचारी उत्पादकता के प्रति सक्रिय उत्तरदायी होना चाहिए। सॉफ्टवेयर की मदद से स्क्रीन रिकॉर्डिंग या स्क्रीन कैप्चर करने से प्रबंधकों को वास्तविक समय का दृश्य प्राप्त करने में मदद मिलती है कि क्या किया जा रहा है। यह संगठन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और प्रबंधकों को पहले तो कर्मचारियों की क्षमताओं को समझने का अवसर देता है। जहां कर्मचारी का अभाव है, वहां गहराई से विश्लेषण करना, प्रबंधकों को तदनुसार उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया को बदलने में मदद करता है।

● **कार्यभार विश्लेषण के प्रति चौकस रहें :** प्रबंधकों को यह समझना चाहिए कि कर्मचारी पर कार्यबोझ बढ़ाने से उनके काम का प्रदर्शन बिगड़ सकता है। स्वचालित सॉफ्टवेयर की मदद से, प्रबंधक वर्चुअल वर्कलोड वितरण आंकलन प्राप्त कर सकता है। ऑपरेशन प्रबंधन मंच संगठन को कर्मचारियों के उपयोग के स्तर को समझने व तदनुसार उन्हें कार्यभार सौंपने में सक्षम बनाता है।

● **विभिन्न विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी उत्पादन को वर्गीकृत करें :** संगठन अपने सभी कर्मचारियों से समान परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकता है। सॉफ्टवेयर्स की मदद से, संगठन को स्थान, कार्य अवधि, स्थिति और अपेक्षाओं के स्तर जैसी विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी परिणाम को वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है। कार्यकारी स्तर पर एक कर्मचारी वरिष्ठ प्रबंधक के समान योगदान नहीं कर सकता है। इसे समझने से प्रबंधकों के संतुष्टि स्तर में सुधार हो सकता है।

● **समतुल्य भार संतुलन:** यह महत्वपूर्ण है कि सुदूर काम करने का अर्थ यह नहीं होता है टीमों केकुछ ऐसे खेमे हैं जो कम काम में आते हैं और कुछ ऐसे हैं जिन पर काम का भारी बोझ होता है। कार्यभार को उचित रूप से संतुलित करना और दृश्यता के साथ काम का समान वितरण सुनिश्चित करना उद्यमों का एक प्रमुख कार्य क्षेत्र है क्योंकि वे एक पोस्ट कोविड-19 ऑपरेशन मॉडल के बारे में सोचते हैं। यह जरूरी है कि एक वास्तविक कार्य समीक्षा हो कि टीमें किस तरह भागीदार हैं ओर विभिन्न टीमों के बीच कार्यबोझ की समझदारी विकसित हो सके

एक मजबूत मापन मंच , जो उद्यम के सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, का वितरित कार्यस्थल में होना भावी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

-लेखक , प्रोहेंस नामक उद्यम संचालन प्रबंधन मंच के सीईओ है जो संस्थानों को मानव पूंजी की महत्ता को उजागर करने में मदद करता है।

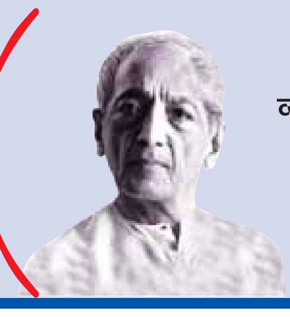

व्यक्ति अज्ञात से कभी नहीं डरता है। व्यक्ति ज्ञात के समाप्त होने से डरता है
- जिद्दू कृष्णमूर्ति

भारतीय प्रतीकवाद का रहस्योद्घाटन

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

परिप्रेक्ष्यगत ध्यान पर एक चर्चा के जवाब में, कई पाठकों ने दो सवाल उठाए। सबसे पहले, उन्होंने भारतीय प्रतीकों के शिक्षाप्रद लाभ पर विस्तार से पूछा। दूसरा, ''वेदांत एक निराकार और गुण-प्रधान भगवान की पैरवी करता है। फिर किस तरह भगवान के रूप की अवधारणा प्रचलन में आई? क्या आपको नहीं लगता कि वे विरोधाभासी हैं? ''

उत्तर के लिए, मेरी पुस्तक का अंश: ''ईश्वर या ईश्वर नहीं, जागरूकता जीवन को समृद्ध करती है'' अनिवार्य हो जाता है। प्रतीकात्मक छवि परिप्रेक्ष्यगत ध्यान में कार्यकारी उपकरण है। इसलिए, उनके शिक्षाप्रद आयात की व्याख्या किए बिना, ध्यान पर सबक अधूरा होगा। लेकिन, वेदांत ने एक विलक्षण निराकार और गुण-प्रधान कम-स्रोत का सृजन किया, जहां सृजन श्रृंखला ने उड़ान भरी। अधिकांश लोग विश्वास से प्रेरित होते हैं, हालांकि, मंदिरों का दौरा करते रहते हैं, गर्भगृह में विभिन्न देवता (रूप-देव) रहते हैं, अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वरदान मांगते हैं। वे इतने अधिक श्रद्धेय हैं कि विशेष स्मरण के लिए एक विशिष्ट तिथि को उन सभी को कुंडलाकार कैलेंडर में समर्पित किया जाता है।

दोनों अवधारणाएं एक साथ जमीन कैसे पकड़ सकती हैं? प्रत्यक्षतया, यह सामंजस्य बैठाना मुश्किल है। हालांकि, दो अवधारणाओं पर गहन चिंतन यह प्रकट करेगा कि वे दो अलग-अलग उद्देश्यों की सेवा करते हैं। वेदांत से तात्पर्य उस शाश्वत वास्तविकता से है, जिसमें संपूर्ण प्रकट जगत निहित है। दूसरी ओर,ईश्वर-रूप अवधारणा की एक उद्देश्यपूर्ण परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता है। प्रत्येक प्रतीकात्मक चित्रण क्रमिक मानव व्यवहार के लिए महत्वपूर्ण शिक्षाएं प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, देवी सरस्वती की कल्पना सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का सबक प्रदान करती है ताकि ज्ञान प्राप्त किया जा सके। भगवान गणपति की छवि दुनियावी होने की शर्तों को निर्धारित करती है। देवी दुर्गा हमें संचालनकारी ऊर्जाओं में दोहरी प्रवृत्ति को दूर करने के लिए सबक देती हैं। याद रखें, ऊर्जा एक दुधारी तलवार की तरह है, जो उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए विवेकपूर्ण रूप से नियोजित होने या विनाशकारी नतीजों के प्रति गलत तरीके से काम करने की समान क्षमता रखती है।

ध्यान में रखें : प्राचीन भारत के विद्वान उत्कृष्ट संप्रेषक थे। वे समस्त भाषाई और बौद्धिक बाधाओं को पार करते हुए, सरलीकृत शब्दों में अपने साथ जुड़ी छवियों और कहानियों के माध्यम से महान चर्चा कर सकते हैं। और उनके पास व्यावहारिक प्रासंगिकता वाले इन विचारों की सहज कल्पना करने के प्रगाढ़ कलात्मक अर्थ भी रहे

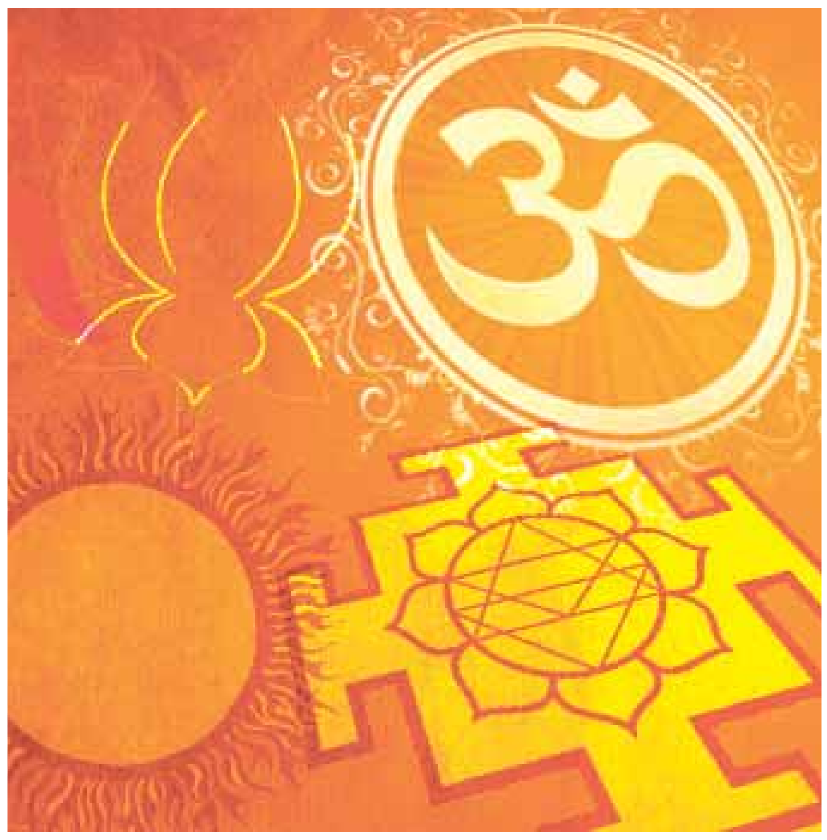

होंगे। उस क्रम में इन छवियों को अतीत के भावुक लोगों की तत्काल संवेदना प्राप्त हुई होती तो ऋषियों ने उन्हें देवता - रूपी-ईश्वर का दर्जा दे दिया होगा। कल्पना में जोड़ा गया दिव्य तत्व प्रार्थना अवस्था में उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता । प्रार्थना अवस्था में, व्यक्ति अपने हृदय को प्रस्तुत करने के लिएश् और उसके जरिए उसका समग्र एकाग्र छवि के साथ तत्काल जुड़ने के लिए इच्छुक होगा। फिर, आपको शब्दों में किसी विवरण की आवश्यकता नहीं होती है।

ऐसी सदियों पुरानी अवधारणा के इतिहास का पता लगाना मुश्किल है। लेकिन फिर, यह पचा पाना मुश्किल है कि विद्वान गुरू, वैदिक धारणा के साथ पूरी तरह से संवादरत, मान्यता प्रेरित पद्धति में ईश्वर रूपों की अवधारणा को आँख बंद करके स्वीकार करेंगे। वेदांत - उपनिषदों - भारतीय दर्शन के संस्थापक शिला में ईश्वर रूपों का कोई संदर्भ नहीं है। फिर भी, अगर उन्होंने इसे हमारी सामाजिक / धार्मिक व्यवस्था में पेश किया है, तो इसका उद्देश्य जीवन के सामान्य आचरण नियमों पर मनुष्यों को शिक्षित करना होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि समय के साथ-साथ, ईश्वर की अवधारणा ने विश्वास-चालित आयाम प्राप्त कर लिया, जिसे एक बड़े बहुमत ने सत्य के रूप में स्वीकार किया।

प्राचीन भारत के ज्ञानी गुरूजन प्रत्येक व्यक्ति के अद्वितीय चरित्र के बारे में अत्यंत जागरूक थे, जो कि अनिवार्यतया शेष के साथ बिलकुल भिन्न है। इस प्रक्रिया में, ऐसे व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, दुनिया अपनी समूची विविधता, विविधता और जटिलता के साथ हितों के टकराव का एक प्राकृतिक प्रजनन-आधार बन जाती है। इसको इसके हाल पर छोड़ दें तो, दुनिया हमेशा अराजकता से भरी होगी। इस मानवी सीमा को पार करने के लिए, पुरखों को समस्त विविधतापूर्ण लोगों में नागरिकता और पवित्रता की भावना उत्पन्न करने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। तदनुसार, उन्होंने जीवन के सामान्य आचरण नियमों में सबक देने की आवश्यकता महसूस की होगी, ताकि सचेतन स्तर पर सामाजिक व्यवस्था के क्रम को सुनिश्चित किया जा सके। और संचार के माध्यम के रूप में अच्छी तरह से तैयार की गई छवियों का उपयोग करने से बेहतर क्या है, क्योंकि यह स्वाभाविक रूप से सभी का ध्यान आकर्षित करती है, और इसलिए, तत्काल जुड़ाव हासिल कर लेती है।

उक्त छवियों पर निरंतर आत्म-चिंतन, हमारी विचार प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले निष्क्रिय शिक्षण लाभ को आसानी से आत्मसात करने में मदद कर सकता है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के आचरण में अनायास ही नजर आ सकता है। इस प्रकार, ध्यानरत छवि से प्राप्त शिक्षाप्रद लाभ, विशेष रूप से ध्यान प्रक्रिया के लिए, महान परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता प्राप्त करता है।

अपने मन को साधें

समृद्ध सेठ का कहना है कि यह हमारे ऊपर है कि हम किस प्रकार अपनी सकारात्मक प्रक्रियाओं को बढ़ाएं और छलांग लगाकर उसके इर्द-गिर्द काम करना आरंभ करें......

जितना अधिक हम अनुत्पादक होने से भयभीत होते हैं और उतनी ही तेजी से हम एक ही राह पर निरंतर चलते जाने से डरते हैं, हम अक्सर खुद को पसीने के पूल में पाते हैं, इस पर विचार करते हुए कि किसी संभावित ढंग से इसे मोड़ने हेतु असलियत में दूसरे किसी तरीके से काम करते हुए, हमारे नकारात्मक विचारों के क्या परिणाम हो सकते हैं। हालांकि इसके कुछ खास आंतरिक अनुकूलन पहलू हैं, मगर बाहरी वातावरण का भी इस ढंग से हमारे दिमाग की बनावट पर गहरा और लंबे समय तक प्रभाव रहता है।

सबसे पहले, महामारी से प्रेरित अनिश्चितता ने कार्य-जीवन की संतुलन रेखाओं के धुंधला होने के साथ गंभीर निहितार्थ प्रकट किए हैं। अप्रत्याशित भविष्य, संभावित बेरोजगारी, वायरस के कारण संभावित बीमारी, आर्थिक संकट और व्यक्तिगत रूप से हम पर इसका प्रभाव, महामारी के बीच पकड़े जाने के दौरान कई अन्य विचार हमारे दिमाग पर छाए रहे।

हालांकि बाहरी प्रभाव यानी महामारी ने हमारे दिमाग को रचनात्मक रूप से सोचने से रोक दिया है, मगर सहज रूप से, शिथिलता एक सदियों पुरानी नमी है जो समय पर अपने लक्ष्यों तक पहुंचने की हमारी क्षमता को बाधित करती है। जैसा कि विफलताओं के बाहरी और आंतरिक दोनों विचार अंकुरित होते रहते हैं, ऐसे में जब असफलताओं की संभावनाओं के साथ एक गहरी सोच की तुलना में अधिक लक्ष्योन्मुख रहने के लिए अपने दिमाग को साधित करने की बात आती है, हम निश्चित रूप से अपने हाथों में लगाम ले सकते हैं।

हम संभावित रूप से प्रतिक्रिया करते हैं और परिणाम का अनुमान करते हैं जिसके आधार पर हम एक संभावित

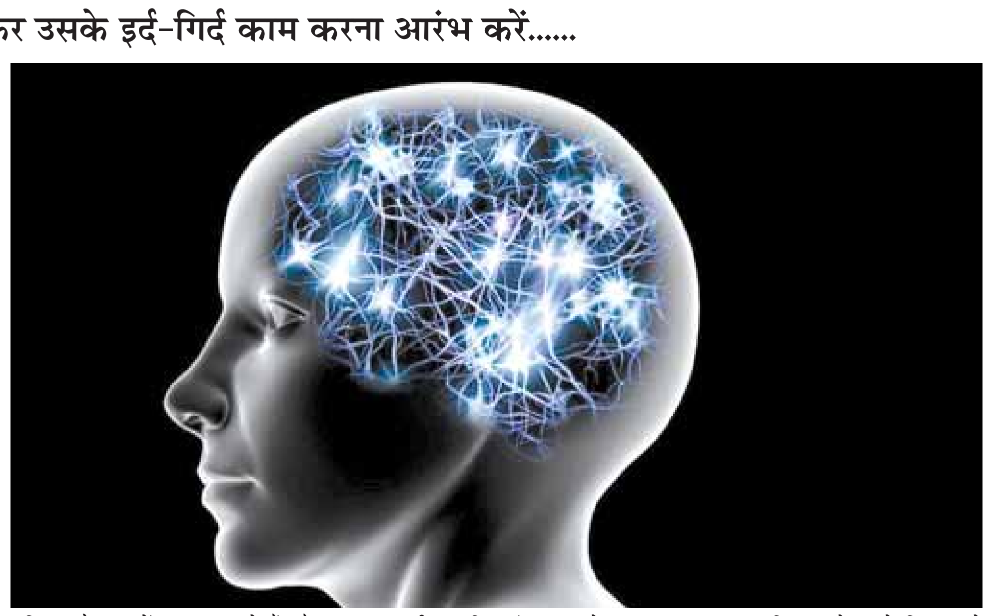

परिणाम के रूप में कल्पना करते हैं और यहीं पर हम किसी भी भ्रामक विचार को सबसे पहले अपने दिमाग में पनपने से रोक सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विफलताओं को परे रखने के लिए, परिवार, कार्यस्थल, बाहरी समाज और सबसे महत्वपूर्ण स्वयं अपने साथ समर्पित महसूस करने के लिए व्यक्ति बुद्धिमान दृश्य परिकल्पना तकनीकों में लिप्त हो सकता है। लक्ष्य-उन्मुख बने रहने का मतलब किसी निश्चित समय सीमा में चीजों को प्राप्त करना नहीं है, बल्कि समय-सीमा के भीतर लक्ष्य को कुशलता से प्राप्त करने के अनेक तरीकों का पता लगाना है। यह हमें रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करता है, विभिन्न मार्गों को देखते हुए कि कैसे उत्कृष्टता प्राप्त करें, चाहे वह घर पर एक दैनिक काम हो या कार्यस्थल का कार्य जिसमें आप आज तक परेशान का सामना कर रहे थे।

अपनी स्मृति संरचना को पुनः संगठित करने की कुंजी परिणाम के विचार को त्याग रही है। वर्तमान में रहें, आप जो गतिविधि कर रहे हैं उसके लिए सबसे अच्छा करें और कार्रवाई को परिणाम प्रस्तुत करने दें। यह शालीनता के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। यदि कोई इस बात की चिंता करता है कि जो चीजें वे कर रहे हैं, उसके साथ क्या होगा, तो वे कभी भी संभावित रूप से उस अधिकतम क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे जो वे संभवतः पा सकते थे।

दूसरा, एक कल्पना महल बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह एक यादगार इमारत है। यह उनके घर या विषय से जुड़ी इमारत हो सकती है। इस स्थान पर प्रत्येक कमरे या क्षेत्र की कल्पना करें, जिस पर वे काम कर रहे हैं। अपने विचारों को एक विशेष तरीके से अलग अलग विभागों में करने से हमें स्पष्ट सोच के माध्यम से ठोस समाधान तक पहुंचने में मदद मिलती है, न कि अनावश्यक विचार जो हमारे दिमाग को अनावश्यक रूप से संशयग्रस्त बनाते हैं। यह धीरे-धीरे भीतर से किसी भी भावनात्मक और मानसिक थकान को कम कर देता है और हमें यह सोचने के बजाय हल्का और अधिक समस्या-समाधान करने का एहसास कराता है कि हमारा जीवन कितना गड़बड़ है।

अनिश्चितता हमारी पिछली असफलताओं से उपजी है। विफलताएं हर समय होती रहती हैं लेकिन हमेशा विफलताओं के बीच सफलता की एक लकीर भी रहती है। वास्तविक अर्थों में, विफलताएँ हमेशा छिपी हुई एक सीख हैं। यह केवल हम पर निर्भर है कि हम अपनी सकारात्मक विचार प्रक्रियाओं को कैसे निर्धारित करें और संभावित विफलताओं के बारे में विचार करने के बजाए खुद को डुबो कर उसी के आसपास काम करना शुरू करें। यही है जीने का तरीका!

– लेखक पास्ट ड्वेलर्स नामक किताब के लेखक हैं

कर्तव्य व आश्वासन

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि यदि हम अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो हमें अपने सभी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाना चाहिए......

मनुष्य के रूप में, हमसे हमेशा कर्तव्यनिष्ठ होने की अपेक्षा की जाती है। इसकी शुरूआत बहुत पहले से होती है। बच्चों के कर्तव्य क्या हैं? ये मुख्यतः पाँच हैं। उन्हें उचित भोजन, पर्याप्त व्यायाम / शारीरिक गतिविधियाँ, पर्याप्त नींद और सही मनोरंजन / शौक द्वारा अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहिए। उन्हें अच्छे संस्कारों को विकसित करना चाहिए। आखिरकार, हम सबसे उन्नत प्रजाति हैं। निश्चित रूप से, परिवार के बुजुर्गों को उनका आचरण करना चाहिए - उनके लिए एक कर्तव्य। बच्चों को अपनी प्राकृतिक योग्यताओं के साथ साथ अपनी पढ़ाई में अपनी क्षमता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। और उन्हें घर की देखभाल करना सीखना चाहिए, जिसे महामारी ने सभी के लिए आवश्यक बना दिया है। बहुत अच्छा लगता है लेकिन आप बच्चों को ये सब करने के लिए कैसे प्रेरित करते हैं। आप उन्हें क्या आश्वासन दे सकते हैं कि ऐसा करना उनके लिए सबसे अच्छा होगा?

इसका उत्तर उनकी इच्छाओं को इन कर्तव्यों से जोड़ना है। यदि वे अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो उन्हें ये सभी कर्तव्य करने होंगे। यह इसी तरह से काम करता है। हमें उनकी इच्छाओं को पहचानने में उनकी मदद करनी होगी, जिसे तकनीकी शब्दों में गहन इच्छा कहा जाता है। ऐसी इच्छाओं और निर्णयों के परिणाम हमारे हैं, जो अच्छा और बुरा है।

वयस्कता में, कर्तव्यकम या ज्यादा अच्छी तरह से परिभाषित होते हैं। व्यक्ति को स्वास्थ्य बेहतर तरीके से बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। भगवान कृष्ण ने भगवद गीता के श्लोक 6.17 पद में मार्गदर्शन किया है। इंसान को खुद को सर्वोत्तम ढंग से बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। भगवान कृष्ण ने गीता में विशेष रूप से रख रखाव के बारे में बात की है, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि हम जानते ही हैं। इसक बाद आती है जीवन की सही दिशा। जब तक इंसान सही रास्ते पर नहीं है, तब तक किसी के सही जगह पर सिमट जाने की संभावना नहीं है। यह ज्ञान भगवान से आता है, क्योंकि केवल वही हम सभी के

बारे में व्यापक तौर पर जानता है। चौथा कर्तव्य है कि जो भी मिले उसमें शांतिपूर्ण होना। इससे खुशी और सुरक्षा बढ़ेगी। यहाँ पुनः, ईश्वर से उदार सहायता की आवश्यकता है। जैसे हम बच्चों को उनकी इच्छाओं की पूर्ति के बारे में आश्वस्त कर सकते हैं, वैसे ही हम वयस्कों के लिए भी कर सकते हैं।

बुजुर्गों के अत्यंत परिभाषित कर्तव्य होते हैं। पहला कर्तव्य स्वास्थ्य संबंधी भी है, और वृद्धावस्था में तो और अधिक, क्योंकि मानव शरीर की उम्र कम होती है और इसमें उतना लचीलापन या सहिष्णुता नहीं होती है जितना कि कम उम्र में। समझदार व्यक्ति ज्यादातर अच्छाई के मोड में गतिविधियों को मोड़ लेते हैं, खासकर खाने और मनोरंजन के मामलों में। यदि स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो वृद्धावस्था काफी दर्दनाक हो जाती है, सचमुच। दूसरा कर्तव्य जीवन की दिशा को पुनःजांचना है। अब तक यह स्पष्ट हो चुका होगा कि दिशा उचित है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है, तो इसे गंभीरता से पुनर्गठित करने का समय आ गया है। भगवान मदद कर सकता है, इसलिए, जितनी जल्दी, उतना बेहतर है कि भगवान के साथ एक अच्छा संबंध स्थापित किया जाए। अपने आध्यात्मिक स्वभाव के अनुसार अधिकतम आध्यात्मिक गतिविधियाँ करें, और धीरे-धीरे उन्हें बढ़ाते जाएं। वृद्धावस्था में बहुत मदद की जरूरत होती है, जिसमें भगवान की मुख्य भूमिका होती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, शांति, खुशी और सुरक्षा ईश्वर से ही मिल सकती है। रखरखाव, यदि पहले से सुरक्षित नहीं है, तो इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसा करने में कोई रोक नहीं है, यदि यह एक आवश्यकता है। यदि परमेश्वर के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित है, तो वह कर्तव्यों के बारे में समस्त आवश्यक मार्गदर्शन देगा, क्योंकि वह जानता है कि हमारे लिए क्या अच्छा है। यदि कोई उपरोक्त सबकुछ कर सकता है, तो वह न केवल जीवन के लिए आश्वस्त है, बल्कि एक उत्कृष्ट भावी जन्म के लिए भी तत्पर है।

अंत में, मैं सुरक्षित ढंग से बता सकता हूं कि सृष्टि विधान सही है। यदि कोई इसके नियमों का पालन करता है, अर्थात् वह उन समस्त संबंधित इच्छाओं का पालन करता है, जो कि ''धर्म '' के अनुसार होनी चाहिए, तो, इस बात का विश्वास दिलाया जा सकता है कि व्यक्ति बहुत फलदायी जीवन जीएगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, क्योंकि भगवान ने इसे सुनिश्चित किया है। आखिरकार, यह उसकी रचना है।

इस सप्ताह आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

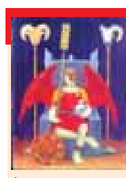

फिटनेस शौकीनों को उचित व्यायाम दिनचर्या का पालन करना चाहिए। आंतरिक व बाह्य निराशा समाप्त हो रही है। आपकी प्रत्युत्पन्नमति व ज्ञान अद्वितीय है। आप शारीरिक- मानसिक दोनों रूप से मजबूत महसूस करते हैं। पेशेवर रूप से, आप कड़ी मेहनत कर रहे होंगे, लेकिन परिणाम प्रतीक्षित हैं। आपको अच्छी तरह से किए गए काम हेतु प्रशंसा मिलना मुश्किल है। आर्थिक मोर्चे पर सावधान रहें।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

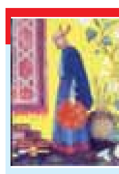

आपको अपना स्वास्थ्य सुधारने के बारे में सोचना चाहिए। आपका स्वास्थ्य व कल्याण की भावना प्राथमिकता होनी चाहिए। यह कुछ समय निकालने और बेहतर जीवनशैली, पोषण और अपने काम को संतुलित करने का अति शुभ समय है। तन, मन और आत्मा में संतुलन की आवश्यकता है। अधिक परिणाम और उत्पादक परिणाम पाने के लिए रणनीति बनाएं, लेकिन इसे गोपनीय रखें।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

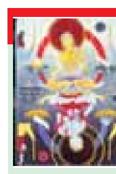

इस सप्ताह आप आसानी से चुनौतियों व आशीर्वादों का प्रबंधन करेंगे। यह आपके स्वास्थ्य में सुधार करेगा व बहुत आशा लाएगा। इस सप्ताह आप जीवन से भरपूर रहेंगे। अतीत की निराशा समाप्त हो गयी है। अब आप आशान्वित और मस्त हैं। चिकित्सा परीक्षणों पर पैसा खर्च करना, बेहतर जीवन जीने के आसार हैं। करियर के मोर्चे पर, आपके मन में कुछ योजनाएँ हैं।

शुभ अंक 3 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप काम की अधिकता के कारण खुद को परास्त महसूस करेंगे। इस बिंदु पर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करना उचित नहीं है। शारीरिक और मानसिक रूप से सतर्क रहें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। इसे पोषण दें, इसकी देखभाल करें और इसे प्राकृतिक भोजन के साथ पोषित करें। जंक और तैलीय भोजन से बचें। आपको सभी बुरी आदतों को छोड़ना होगा। रोकथाम इलाज से बेहतर है।

शुभ अंक : 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

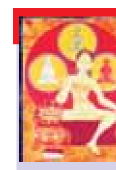

इस सप्ताह आपको सख्त होने और कुछ मामलों में सीमारेखा खींचने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मोर्चे पर कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जीवन में संतुलन लाने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आध्यात्मिक प्रभाव की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य के प्रति आपके लापरवाह रवैये के परिणामस्वरूप मौसमी बीमारियाँ हो सकती हैं। सर्दी, खांसी, कब्ज और वजन संबंधी समस्याओं से सावधान रहें।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

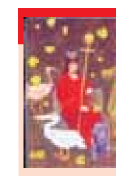

अपने स्वास्थ्य को महत्व दें और इसे प्राथमिकता दें। प्राप्त नेमतों के प्रति कृतज्ञ हों। हो सकता है कि आपका स्वास्थ्य आपके मन के मुताबिक उतना अच्छा न हो लेकिन यह कई अन्य लोगों की तुलना में बेहतर है। आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आभारी रहें। करियर के लिहाज से आपको खुद पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। अपने संवाद में सावधानी बरतें। बहस व विवाद से बचें।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

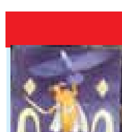

इस हफ्ते आपको अवकाश की जरूरत है। अपने नीरस दिनचर्या से समय निकालें। परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा करने वालों को अनुकूल समाचार मिलने की संभावना है। आप आध्यात्मिकता को तनाव मुक्ति के रूप में ले सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। यह योग, प्राणायाम और ध्यान में लिप्त होने का सही समय है। करियर के मोर्चे पर इस सप्ताह अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

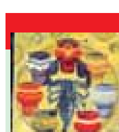

इस सप्ताह आप ऊर्जा व जोश से भरे रहेंगे। आपका तन, मन और आत्मा पूर्ण सामंजस्य में हैं। आप एकाग्र हैं और जानते हैं कि जीवन से क्या पाना है। आप पेशेवर व व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन लाने में पर्याप्त स्मार्ट हैं। काम के मोर्चे पर, काम पर कुछ भी अधूरा नहीं छोड़ना आपके पक्ष में काम करेगा। यदि हाल में एक नया व्यवसाय या नौकरी शुरू की है, तो थोड़ी चिंता का कारण हो सकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगल वार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

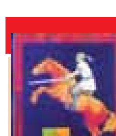

स्वास्थ्य के लिहाज से आपको व्यावहारिक होने की जरूरत है। तन को सुनें, न कि मन की। आपको अपनी खानपान आदतों या मीठे भोजन के लिए चाह को बदलना होगा। आपको अपना स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए कुछ प्रयास करने होंगे। यदि आप समय के साथ चलते हैं तो काम पर, सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से कुछ बेहतर साकार करने की संभावना है। शांत मन से चुनौतियों का सामना करें।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

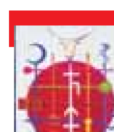

स्वास्थ्य के संदर्भ में अच्छा समाचार मिलने के आसार हैं। जो लोग परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे जान लें कि कुछ भी गंभीर होने के संकेत नहीं है। जिस स्वास्थ्य समस्या से आप पीड़ित हैं, उससे खुद को मुक्त करने के लिए आपको छोटे से इलाज की आवश्यकता है। अपने आहार में तरल पदार्थों, जूस और रेशेदार भोजन का सेवन बढ़ाएँ। कार्य के मोर्चे पर, नए अवसर भविष्य के प्रतिं आपको आशान्वित करने वाले होंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

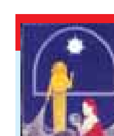

इस सप्ताह आप उत्साही व साहसी महसूस करेंगे, ताकि उन चुनौतियों का सामना कर सकें जो जीवन आपके सामने पेश करता है। आप स्वास्थ्य मोर्चे पर सही रास्ते पर हैं। आपकी स्वास्थ्य चिंता अब आपको समृद्ध लाभांश दे रही है। आप बहुत ही जीवंत, ऊर्जावान और जीवन से भरपूर महसूस करते हैं। आपकी सकारात्मक मानसिकता और हंसमुखता आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ाएगी।

शुभ अंक : 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

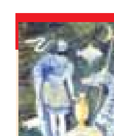

जीवन के सभी क्षेत्रों में इस सप्ताह संतुलन की आवश्यकता है। आपको पता होना चाहिए कि अपनी पेशेवर और स्वास्थ्य प्रतिबद्धताओं को कैसे संभालना है। अपने आहार, व्यायाम और विश्राम के समय का ध्यान रखें। व्यस्त घंटों के बीच झपकी आपको शांतचित्त और चुनौतियों का सामना करने के लिए तरोताजा करने में मदद करेगी। कैरियर के मोर्चे पर, वित्तीय पक्ष पर इस सप्ताह अच्छा ध्यान रखा जाता है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

मित्रता परमशुद्ध प्रेम है। यह प्रेम का उच्चतम रूप है जहां कुछ नहीं पूछा जाता है, कोई शर्त नहीं होती है। जहां व्यक्ति त्याग का आनंद लेता है
- ओशो

तह में क्या है

हिंगोरी लिखते हैं कि सृष्टि को 14 लोकों से युक्त कहा जाता है, जहां प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं......

आकाश गंगा की 14 मंजिला इमारत को लोकास भी कहा जा सकता है। प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है या प्रतिबिंबित करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं।

7 ऊपरी लोक प्रकाश के क्षेत्र हैं जो रीढ़ से सिर के मुकुट तक फैले हुए हैं, फिर पृथ्वी से सूर्य, सूर्य से उत्तर सितारा या ध्रुव तारा और वहां से परे हैं। निचले लोकों को तल कहा जाता है - सीमित प्रकाश या आंशिक अंधकार के क्षेत्र।

गुरुदेव ने एक बार मुझे, ध्यान की अवस्था के दौरान, मेरी नाभि में और उसके आस-पास एक जलती हुई आग, जो यज्ञ के सदृश है, को दिखाया था। मैंने जो अग्नि देखी, वह संभवत: प्रकाश की सूक्ष्म आभा से मेरी रीढ़ से सिर तक रोशन हो सकती है।

पुराणों में इन लोकों का वर्णन दोनों शीर्षकों से शुरू होने वाले जोड़े के साथ-साथ सूक्ष्म जगत में शरीर के केंद्र, चेतना की सूक्ष्मता द्वारा विभेदित किया गया है।

प्रत्येक लोक गुणों या खूबियों के एक विशिष्ट समूह का प्रतिनिधित्व करता है, चेतना की स्थिति को दर्शाता है। हालांकि, व्यक्ति उन गुणों को भिन्न लोक में स्थानांतरित करने के लिए बदल सकता है।

आइए हम इस ब्रह्मांड की 14 मंजिला इमारत की सातवीं मंजिल से नीचे उतरें और देखें कि निचले इलाके या तल को क्या प्रस्तुत करना है।

इस 14 मंजिला इमारत की छठी मंजिल, 'अतल' - सृष्टि या ब्रह्मांड, पृथ्वी के ठीक नीचे स्थित है। हमारी तुलना में कम योग्यता की दुनिया, यह व्यक्ति को भ्रम और अज्ञान में गहरे ले जाती है। भय और वासना भावनाओं को नियंत्रित कर रहे हैं। यह सभी निचले विमानों की तरह एक सुधारात्मक दुनिया है और केवल वे ही जो आत्म-विश्वास, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण विकसित करने के लिए इन हीन भावनाओं को काबू पाते हैं, उन्हीं का पृथ्वी पर पुनर्जन्म हो सकता है। यहां औसत गुणमिश्रण में राजों की प्रधानता है।

जिनके पास बड़प्पन और शैली के गुण हैं, वे अतल के आदर्श वासी हैं। स्वार्थी दृष्टिकोण वाले बुद्धिजीवी, वरिष्ठ ' मैं, मेरा और मैं खुद ' वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, चतुर व्यवसायी, चतुर लोग, लेकिन बुद्धिमान नहीं, मरीज पर अनावश्यक खर्चों का बोझ डालकर कमीशन खाने वाले भ्रष्ट डॉक्टर। विवाहेत्तर संबंधों वाले लोग, जो यौन कल्पनाओं में डूबे रहते हैं, यहाँ एक अच्छी जगह बनाते हैं, जो तामसिक और सात्विक लोगों की उचित मात्रा के साथ मिलकर उनके राजसिक गुणों की तीव्रता पर भी निर्भर करता है।

वितललोक 5 वीं मंजिल और निचले लोकों का दूसरा स्तर है। गुण मिश्रण, मैं अनुमान लगाता हूं, लगभग 20 प्रतिशत सत्व, 40प्रतिशत रजस और 40 प्रतिशत तामस है। अज्ञानता का स्तर अधिक है। योद्धा, सम्मानित नौसैनिक, सभी नकारात्मक महत्वाकांक्षाओं व गुणों वाले वैज्ञानिक, बेईमान व्यापारी, राजनीतिक रूप से प्रेरित दिमाग वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, आत्म-केंद्रित लोग, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप में हिंसक लोग, संक्षेप में, कम आत्म-राय रखने वाले लोग इस लोक से संबंधित हैं।

गुण-मिश्रण के आधार पर, इसमें धरती पर धनवान लोग, महान सामाजिक प्रतिष्ठा, हार्वर्ड या स्टैनफोर्ड से डिग्री प्राप्त सुशिक्षित लोग शामिल हो सकते हैं। वे लोग जो सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए दान करते हैं, भ्रष्ट पुजारी हैं, सरकारी अधिकारी जो रिश्वत पर जोर देते हैं, उन्हें इन निचले लोकों के लिए आसानी से वीजा मिल जाता है।

ये लोक बदसूरत जगह नहीं हैं, लेकिन सिर्फ प्रकाश में, अवधारणा में और चेतना में अंधकारग्रस्त हैं।

रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है। मुक्ति दूर की कौड़ी है।

सुतला या वितला जैसे लोक में भी ऐसे निवासी होते हैं जो धर्मपरायण व कट्टर हो सकते हैं जिनमें संकीर्ण धार्मिक नेता, योगी, धर्मगुरु, पुजारी, खिलाड़ी और महिला हस्तियों सहित, कम आत्म-विचार और कथित नकारात्मक संस्कार वाले राष्ट्रपति और प्रमुख शामिल हो सकते हैं - अपराधी!

सुतला के स्तर पर लोग अज्ञानतावश यद्यपि अधिक समझदार हैं, लेकिन अधिक तामसिक लोगों में अभी भी लाड़ प्यार करने और आत्म-सुधार की दिशा में काम करने की इच्छा है। वे राक्षसी और कम सकारात्मक होने पर आत्म-चिंतन करते हैं। उनका मानना है कि अपने वंश को उलटने के लिए उनके पास बहुत कुछ है।

तलातल चौथी मंजिल या महातल 3 मंजिल अनिवार्यत: असुविधाजनक नहीं है, लेकिन अंधकार अधिक से अधिक माप में रहता है। छद्म अज्ञेय, स्वयंभू पापी, आतंकवादी, टिंकर, दर्जी, सिपाही, नाविक सभी वाचन शैली में योग्य हो सकते हैं।

अपने गुणों में आत्मसुधारों एवं सुधार के बाद उन्हें सुधारात्मक अवसर के रूप में कष्टमय, बीमार, वित्तीय समस्याओं, लगभग मैं ही क्यों के भाव में सामाजिक असंतुष्टि वाला जीवन जीने के लिए धरती पर पुनर्जन्म लेने का अवसर मिल सकता है ताकि उनके कर्मों का बोझ कट सके। उच्च लोकों की सीढ़ी चलने के लिए अनके जन्मों वाली यह एक धामी प्रगति है।

रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है।

मुक्ति दूर की कौड़ी है और आचरण एवं सोच दोनों पशुवादी हैं। परिष्कार के गुण बिरले ही दिखते हैं। गडढों में रहना प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि वास्तविक है। यह अंधकार की परछाइयों में रहने जैसा है। घृणा, ईर्ष्या, परम अपराधबोध, जलन, दुख, परमसतही भावनाएं, बदतर दृष्टिकोण और राक्षसी स्वभाव इसकी खूबियां हैं। हिटलर, नेपोलियन जैसे महान विजेता, आतंकवादी जो खुलेआम हत्या करते हैं, पेशेवर हत्यारे इस दायरों के लिए आवंटित हैं।

विचारयोग्य दो बिन्दु हैं :

क्या यहां दुख परम है ?

व्यक्ति यहां से बेहतर स्थानों की ओर कैसे जाता है?

यह माना जाता है कि यह केवल तभी जब आपने पर्याप्त कष्ट भोग लिया है और बदलाव करने का फैसला कर लिया है, तब आपको धरती या भूलोक पर पुनर्जन्म का अवसर मिलता है। यह अधिकांश लोकों तथा एक लोक से दूसरे लोक की यात्रा, उन्नति या अवनति दोनों, के लिए सत्य माना जाता है।

इसीलिए अस्तित्व के इस विमान के लोग विभिन्न अन्य लोकों के गुणों पर विचार करते हैं। शर्तें व गुण उनकी सोच के रूझानों को दिखाते हैं और गढ़ते हैं। हालांकि, जैसा कि यह कर्मलोक है, अपने स्वभाव के विपरीत जाने और बेहतर के योग्य बनने का अवसर होता है। उच्च लोकों के दिव्य जन, अपने निम्न जनों की सेवा के लिए जन्म लेते हैं। वे उदाहरण स्थापित करते हुए, प्रेरित करते हुए, उन्हें परामर्श देते हुए व अपने ज्ञान को साझा करते हुए उनके गुणों में बदलाव लाते हैं। अपने अगले आलेख में, हम चर्चा करेंगे कि ऊपर क्या मौजूद है।

- **लेखक आध्यात्मिक पुस्तकों की हिंगोरी सूत्र श्रृंखला के लेखक हैं।**

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

एक भला आंदोलन

अखबारों की कहानियां इन दिनों निराशाजनक हैं। उन्हें पढ़ते हुए, हम महसूस करते हैं कि लोग अभी भी वही हैं जहाँ वे पाषाण काल में थे। मनोवैज्ञानिक सही निष्कर्ष निकालते हैं कि आप मनुष्य को पाषाण युग से निकाल सकते हैं लेकिन आप पाषाण युग को मनुष्य से बाहर नहीं निकाल सकते। जैसा कि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा था कि प्रगति जीवन का नियम बनती प्रतीत नहीं होती है। आदमी को आदमी बनने में कितना समय लगेगा? हम इंसान क्यों अभी भी मनुष्यों में नहीं बदल रहे हैं। हालांकि वर्तमान समय की बर्बरता, आक्रामकता और हिंसा की कहानियां अतीत की तरह ही परेशान करने वाली हैं, लेकिन सभ्य समाज होने के हमारे दावे खोखले प्रतीत होते हैं। हमें यह सोचने की जरूरत है कि ज्ञान और शिक्षा के बावजूद, शैतानी प्रकृति के प्रस्ताव अभी भी आकर्षक लगते हैं। आदमी में बैठा जानवर बदलने में विफल होता है।

जो सबक हमें सिखाए गए थे, उन कुछ हजार वर्षों में उन्होंने शायद ही कोई प्रभाव डाला है। हमने उनसे कुछ नहीं सीखा है। नैतिकता और नैतिकता पर पाठ सिर्फ निबंध लेखन का एक विषय बने हुए हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि ईमानदारी उत्तम नीति नहीं है। झूठ बोलना पाप है, लालच सभी बुराइयों का मूल कारण है और घमंड पतन से पहले आता है ये सब कहने की बातें हैं जो कोई मायने नहीं रखती हैं। हर दिन लोग लोगों को मरते हुए देखते हैं फिर भी वे अनंत काल तक जीना चाहते हैं। और यह इच्छा सबसे अधिक समस्याओं की जड़ है क्योंकि लोग अनुचित सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के कर्मों -दुष्कर्मों में लिप्त हैं। सुरक्षा जो उन्हें बचाएगी, भले ही पूरी दुनिया नष्ट हो जाए। कोई यह नहीं मानना चाहता है कि इस क्षणिक दुनिया में स्थायित्व एक भ्रामक लक्ष्य है। वास्तव में इस प्रश्न से महाभारत के वन पर्व में प्रसिद्ध यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में बहुत ही सटीक ढंग से निपटा गया था, जब पांडव निर्वासन में थे।

जब यक्ष के रूप में धर्मराज ने युधिष्ठिर से पूछा कि सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है, तो वरिष्ठ पांडव जो उत्तर देते हैं, वह मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबना को व्यक्त करता है। युधिष्ठिर कहते हैं कि इस दुनिया में सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि यद्यपि लोग नश्वर है और लोगों को रोज मरते हुए देखते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि वे नहीं मरेंगे। यही इच्छा इस दुनिया में बुराई को चिरायु बनाती है। इस इच्छा का मुख्य कारण वह अहंकार है जो इंसान को हर तरह की झूठी शान देता है। यह एक करोड़पति को अरबपति बनने और अरबपति को खरबपति बनने की आकांक्षा जगाती है। अपने सपनों को पूरा करने के लिए हर तरह की गंदी चालों को अपनाते हुए लोग आखिरकार अपनी गुलामी में जकड़ जाते हैं क्योंकि लालच किसी को नहीं बख्शता। यहां तक कि कोरोना महामारी उन लोगों की आत्माओं को पिघलाने में विफल रही जो यह महसूस करने में विफल रहते हैं कि अंतिम यात्रा को सभी बाधाओं से मुक्त किया जाना है क्योंकि जीवन एक शून्य शेष खाता है। यह आलेख एक डरावनी तस्वीर को चित्रित करने के लिए नहीं है, बल्कि यह महसूस करने के लिए है कि अंत में यह अच्छाई ही है जो कायम रहती है। एक ऐसे दृष्टिकोण का पता लगाने की आवश्यकता है जो इस दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने में मदद कर सके। एक नए तरह के आंदोलन का निर्माण करना ताकि मानव जाति को उस रूप में बदला जाए जो उसे बनना नियत है, यानी - प्रकृति की समस्त कृतियों में सबसे शानदार। यानी वैसा आदमी बनना, जिसे भगवान ने अपनी छवि में बनाया। आत्मा को जागृत करना भलाई के आंदोलन का निहित विचार होना चाहिए। और इसे उन्हीं उपकरणों को लागू करके किया जा सकता है जिसे दुकानदार उपभोक्ता आंदोलन खड़ा करने के लिए उपयोग करते हैं। मनुष्य अनिवार्यतया अच्छा होना चाहता है लेकिन उसे समझना चाहिए कि अच्छा होने में क्या अच्छा है। यही वो बात है जिसकी आवश्यकता है।

नैतिक रूप से बनें अच्छे

हममें से ज्यादातर लोगों ने जब समस्या या किसी स्थिति से सामना किया तो स्वाभाविक तौर पर उसके प्रति भौतिक, मानसिक, जबानी, मनोवैज्ञानिक , भावनात्मक या आध्यात्मिक प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह स्वाभाविक है क्योंकि प्रत्येक भावनात्मक स्थिति एक उत्तेजना के रूप में काम करती है और एक जीवित व्यक्ति से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया मांगती है। समस्या की प्रतिक्रिया राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक, सैन्यवादी, राजनयिक, तकनीकी या कोई अन्य हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक कठिन परिस्थिति, देश के एक खास हिस्से में, लोगों के एक बड़े समूह द्वारा बनाई गई, जो किसी तरह की स्वायत्तता की मांग करते हैं, क्योंकि लंबे समय तक वे सत्तारूढ़ सरकार द्वारा उपेक्षित रहे हैं, जो कि अन्य क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देती आई है। अब, इस तरह की स्थितियों में, सरकार या तो राजनीतिक प्रतिक्रिया कर सकती है और संसद में एक अधिनियम पारित करके उन्हें कोई समाधान दे सकती है या वह यह आश्वासन देकर आर्थिक प्रतिक्रिया दे सकती है कि वे अब उनके भावी विकास हेतु एक बड़ी राशि खर्च करेंगे। इसी तरह, जब दो देशों के बीच संघर्ष होता है, तो वे स्वयं राजनीतिक, कूटनीतिक या सैन्य रूप से समस्या का समाधान कर सकते हैं।

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि सारी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों को परखने की हमारी विफलता के कारण पैदा होती हैं

इनके अलावा, कुछ ऐसा है जिसे 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' कहा जाता है, जो वैचारिक, गुणात्मक और अनुभवात्मक रूप से इन सभी प्रकार की प्रतिक्रिया से बहुत अलग है। इस संदर्भ में, 'आध्यात्मिक' का तात्पर्य 'धार्मिक' नहीं है। यह इस समझ पर आधारित है कि हमारे शरीर में एक आत्मा बसती है यानी एक प्राणी, जो अपने मूल स्वभाव से, भौतिक, क्षणभंगुर, अल्पकालिक, अभूतपूर्व या विनाशकारी से पूर्णतया अलग है। यह प्रकाश बिंदु के रूप में है, जो अपने स्वभाव में भौतिक या सांसारिक नहीं है बल्कि दिव्य है। इस प्रकाश की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि यह इस अर्थ में सचेत है कि यह सोचने, समझने, न्याय करने, महसूस करने, याद रखने, सीखने और नैतिक रूप से अच्छा या बुरा होने में सक्षम है। इसीलिए आध्यात्मिक प्रतिक्रिया, ऐसी प्रतिक्रिया दर्शाती है जो नैतिक अच्छाई, प्रेम, शांति और उद्देश्यों, विचारों और कार्यों की पवित्रता पर आधारित है।

इसे एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण से लिया गया है। यह मनुष्य के भाईचारे व भगवान के पितृत्व में विश्वास पर आधारित है। यह प्रतिक्रिया इस दृढ़ विश्वास पर टिकी है कि हमें अच्छा करना चाहिए और कभी भी बुरा नहीं करना चाहिए, क्योंकि कर्म का सिद्धांत अपरिहार्य है और हम अपने बुरे कार्यों के परिणामस्वरूप कष्ट भोगेंगे। इस प्रकार, आध्यात्मिक प्रतिक्रिया जागरूकता पर आधारित नैतिक प्रतिक्रिया है कि हम आत्माएं और भाई हैं। यह प्रतिक्रिया इस समझ पर आधारित है कि सभी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करने में हमारी विफ्लता के कारण उत्पन्न होती हैं और इसलिए, शब्द का सही अर्थों में - उन मूल्यों का अवलोकन करके हल किया जा सकता है।

आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमेशा या आमतौर पर किसी स्थिति की प्रतिक्रिया नहीं होती है। दूसरी ओर, यह एक क्रिया है। आध्यात्मिक प्रतिक्रिया करने वाला व्यक्ति 'दांत के लिए दांत और आंख के लिए आंख' नीति का पालन नहीं करता है। एक गुस्सैल व्यक्ति के प्रति उसका रवैया क्रोध या घृणा के कारण नहीं बनता है, बल्कि, वह शांति और प्रेम के अपने मूल, आध्यात्मिक स्वभाव में बसता है। इस तरह की प्रतिक्रिया, इसीलिए, शांति से, स्वभाव से, सौहार्दपूर्वक, निष्पक्ष रूप से और मानवीय रूप से दिव्य मदद की संभावना के साथ समस्याओं को हल करने की एक बड़ी क्षमता है। मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में अब प्रेस व विभिन्न मंचों से लगातार उल्लेख किया जाता है। लेकिन यह महसूस नहीं किया जाता है कि आध्यात्मिकता के बिना मूल्यों में एक बहुत ही आवश्यक घटक की अभाव होता है और वे अधिक ताकत और दिव्यता के बगैर होते हैं। केवल उन नैतिक मूल्यों को याद रखें, जो सभी प्राणियों की आध्यात्मिक प्रकृति की जागरूकता से उत्पन्न होते हैं और जिनके पास सभी समस्याओं के अंतिम समाधान की ओर ले जाने वाली वो आध्यात्मिक सामग्री होती है।

दुनिया में आज भी ऐसे लाखों लोग हैं जो मानते हैं कि शरीर भौतिक है जबकि आत्मा अभौतिक, यानी आध्यात्मिक। लेकिन शायद ही कोई धार्मिक व्यक्ति इस मान्यता को जीता है। हम अक्सर यह देखते हैं कि व्यावहारिक जीवन में लिंग, नस्ल, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, आयु आदि के आधार पर लगभग हर व्यक्ति, एक -दूसरे के बीच भेदभाव करता है। जाहिर है, ये कारक शरीर-चेतना या सामग्री संबंधीं जागरूकता पर आधारित हैं। ये सत्य की दृढ़ जागरूकता पर आधारित नहीं हैं कि सभी प्राणी आत्माएं हैं। इस प्रकार, उनके विश्वास और व्यवहार के बीच भारी अंतर होता है। इसलिए, 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' के संदर्भ में, यह समझा जाना चाहिए कि यह इस जागरूकता के आधार पर हमारी व्यावहारिक प्रतिक्रिया को संदर्भित करता है कि हम सभी आत्माएं और भाई हैं। आज, यह पहचान या जिसे 'पहचान-संकट' कहा जाता है, 'नैतिक संकट' या 'मूल्यों का संकट' सहित अनेक प्रकार के संकटों की जड़ में है।

'व्यवहार में आत्मा-चेतना' की पूरी अवधारणा सामान्य लग सकती है। लेकिन अगर हम इसकी गहराई, इसके पहुंच और नतीजों की जांच करें, तो हम पाएंगे कि यह एक क्रांतिकारी अवधारणा और एक उल्लेखनीय अभ्यास है जो व्यक्ति में दृष्टिकोण में मानक बदलाव लाएंगे। इसमें सभी प्रकार के भेदभाव और घृणा को समाप्त करने और भाईचारे वाला प्रेम और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने की बहुत अधिक क्षमता है। इस पर आधारित आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमारी सोच में एक महान गुणात्मक अंतर लाएगी और इससे हमारी समस्याओं को समाप्त करने और नए, मूल्य आधारित समाज की शुरुआत होगी।

महारानी में रानी भारती का किरदार निभाने में आनंद आया। वह किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में शुरू होता है जिसे हम सभी जानते हैं और उससे संबंधित हैं लेकिन वह जो बन जाता है, वह है हममें से कुछ लोग जो चाहते हैं।
-हुमा कुरैशी

उम्मीद की किरण

फिल्म निर्माता और 'एज ऑफनेचर' सीरीज़ के प्रोड्यूसर वेरिटी वाइट, प्रकृति के साथ हमारे संबंधों, इसपर हमारा प्रभाव, ये कैसे काम करती है और हम किस प्रकार से पृथ्वी पर जीवन में संतुलन को पुनर्स्थापित कर सकते हैं, जैसे बिंदुओं पर एक नए ढंग से दृष्टि डाल रही हैं। टीम पायनियर की प्रस्तुति–

विश्व में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। और स्पष्ट है कि पृथ्वी के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर तीन बातें सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं: जागरूकता, समझ विकसित करना और परिवर्तन के प्रति सक्रिय भागीदारी। इस संदर्भ में प्रकृति तथा उसमें अपने स्थान के प्रति गहन समझ विकसित करने में सहायता करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सोनी बीबीसी अर्थ चैनल एक नई सीरीज़ 'एज ऑफनेचर' लेकर आ रहा है। ये नया शो प्रकृति के प्रति हमारे संबधों पर नए ढंग से दृष्टिपात करता है और बताता है कि किस प्रकार हम पृथ्वी पर संतुलन को दुबारा से स्थापित कर सकते हैं। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के अंश–

● नया शो 'एज ऑफनेचर' दर्शकों को क्या संदेश देने का प्रयास करता है?

हम चाहते थे कि दर्शक प्रकृति के बारे में कुछ मूलभूत बातें समझ लें। एक तो ये कि हम इसपर बुरी तरह से निर्भर हैं, फिर चाहे आप गांव में फॉर्महाउस में रह रहे हों या फिर नगरों में। आप जल पीते हैं, वायु की श्वांस लेते हैं। इस प्रकार हम किसी न किसी प्रकार से प्रकृति पर निर्भर तो रहते ही हैं। अब हमारी प्रकृति ही थोड़ी कठिनाई में प्रतीत होती है। ये बात किसी के लिए नई नहीं है। हम एक ऐसे बिंदु पर आ पहुंचं हैं जिसमें यदि हम प्रकृति के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान नहीं देते, तो हम भी किसी न किसी कठिनाई में रहने वाले हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि प्रकृति को अपने स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करना कोई इतना कठिन काम भी नहीं है। इसकी शक्ति और सामर्थ्य असाधारण है। बस हमें इसे थोड़ा स्थान देना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि इसे वो सब उपलब्ध हो जिसके बल पर ये अपनी स्थिति में सुधार करने की दिशा में उद्यत हो सके।

● वे कौन से प्रयास हैं जिनके माध्यम से हम अपने ग्रह को पुनर्जीवित कर सकते हैं?

मेरा मानना है कि यदि हम प्रकृति को थोड़ा समय और अवसर उपलब्ध करा दें तो ये स्वयं ही अपने को ठीक कर लेगी। प्रकृति में हर क्षण परिवर्तन होते रहते हैं और ये अच्छी बात है। लेकिन हमें बस इसे कुछ समय तक उसके हाल पर छोड़ देना चाहिये और ये स्वयं को पुनर्जीवित कर लेगी। यदि आप इसे खाली मैदान उपलब्ध करा दें तो ये अत्यंत शीघ्रता से पौधों और परागण के माध्यम से बीजारोपण कर लेगी और चिड़ियों के साथ से नई पौध कुछ ही दिन में लहलहाने लगेगी। हमें इसे बस कुछ रिक्त समय और स्थान उपलब्ध भर कराना है, रसायनों से दूर रखना, तथा अपनी सघन खेती करने की आदत, निर्माण की निरंतरताविहीन तकनीकों को इससे दूर रखना होगा और आप देखेंगे कि कुछ ही दिनों में पूरा परिदृश्य ही बदल जाएगा।

● इस शो में जागरूकता, समझदारी तथा परिवर्तन की व्याख्या किस प्रकार से की गई है?

हम फिल्म निर्माताओं को अतीत में जाकर देखना होगा कि हम वर्तमान स्थिति में किन किन कारकों के कारण पहुंचे हैं। प्रकृति के स्वास्थ्य मे आये वर्तमान क्षरण का मूल इतना पुराना भी नहीं है कि इसकी पहचान न की जा सके। हम मनुष्य इस धरा पर कुछ ही सौ साल पहले इतनी सघनता से इसका दोहन कर रहे हैं। अत: आपको पता है कि क्या और कैसे हुआ है। वे कौन से कारण थे जिनके चलते हम वर्तमान स्थिति में पहुंचे हैं। लेकिन ये भी सही है कि हम प्रकृति के प्रति सहानुभूति रखने लगे हैं और आज से 50 वर्ष पहले से ही हम इस दिशा में अधिक जागरूक भी हुए हैं। इसका कारण ये है कि प्रकृति के प्रति हमारी समझ आज श्रेष्ठ और गुणवत्तापूर्ण है। आप इस बिंदु के बारे में इसके दूसरे एपिसोड में देख सकेंगे। आज का विज्ञान भी इस दिशा मे उन्नत हो चुका है। आज हमें पता है कि समुद्री घारा किस प्रकार से काम करती है, वातावरण किस प्रकार से धरती की रक्षा करता है। जैव विविधता किस प्रकार से काम करती है। आप देखेंगे कि धरती के बारे में सबकुछ आपस में जुड़ा है। आज से 50 साल पूर्व हमें ये जानकारियां नहीं थीं लेकिन आज हम इस बारे में पर्याप्त ज्ञान रखते हैं। इसका एक अर्थ ये भी है कि आज हमें पता है कि हम धरती का किस प्रकार से अधिक अच्छे ढंग से ध्यान रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की दिशा में हम भविष्य में किस दिशा में चलेंगे, हम सभी मनुष्यों के लिए ये अब तक का सबसे बड़ी चुनौती होगी और इस चुनौती से पार पाने में प्रकृति ही हमारी सहायक भी होने वाली है क्योंकि ये कार्बन का पृथक करने की क्षमता रखती है और वातावरण से कार्बन कम करने का ये सबसे सस्ता और सरल ढंग है और हमें ये शीघ्रता से करना होगा।

● क्या आप प्रकृति के संतुलन के महत्व की व्याख्या करेंगी और हम मनुष्य इसे किस प्रकार से प्रभावित करते हैं?

प्रकृति का संतुलन एक अत्यंत रोचक शब्द है। मेरा मानना है कि प्रकृति संतुलन से परे है। ये वाइल्ड है, गतिशील है और हर समय चलायमान और परिवर्तनशील है। वनों में आग लगना और बाढ़ आना प्राकृतिक अवधारणाएं हैं। प्रकृति धरती पर होने वाले हर परिवर्तन के प्रति शीघ्रता से सामंजस्य स्थापित कर लेती है। यदि आप वृहद स्तर पर देखें तो भी ये संतुलन स्थापित कर ही लेती है। लेकिन हम प्रकृति से स्थिर और शांत रहने की अपेक्षा नहीं कर सकते। प्रकृति को हमें इतना सक्षम बनाए रखना है कि वो इस प्रकार के परिवर्तन कर सके क्योंकि यही इसका काम है और यही ये करती आई है। इसी कारण से इसे अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। मेरे अनुसार यदि हम प्राकृतिक संतुलन को सही रखना चाहते हैं तो हमें प्रकृति को अधिक समय और स्थान तथा अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

● इस शो के बनने के दौरान प्रकृति के बारे में वे कौन सी बातें थीं जो आपने सीखीं?

मैंने कुछ तकनीकी शब्द सीखे। मेरे लिए सबसे बड़ा रहस्योद्घाटन था शब्द 'प्रकृति की कार्बनवनों के संचय करने की क्षमता'। ये कार्बन को अपनी जैविक विविधता की शक्ति के बल पर संचित करता है। अत: केवल पौधारोपण के माध्यम से ही हम कार्बन को कम नहीं कर सकते। बल्कि ये संचय मिट्टी में होना चाहिये। ये सागरों के तल में पानी के नीचे होना चाहिये। ये तभी संभव है जब हमारी पारिस्थितिकी प्रणाली स्वस्थ हो और हमारी जैव विविधता सशक्त। जब हम प्रकृति को नष्ट करते हैं और जब हम मछली पकड़ने के लिए बड़े फिशिंग टॉलरों का प्रयोग करते हैं, जब हम जंगलों को जलाते हैं, जब हम गुड़ाई करते हैं, हम उतना कार्बन धरती में डाल देते हैं जितना फॉसिल फ्यूल जलाने से होता है। ये बातें मुझे पहले नहीं पता थीं। इसके अलावा एक और सर्वाधिक रोचक शूट उत्तरी अमेरिका में येलोस्टोन पार्क में भेड़ियों के आवास का था जहां लोगों ने भेड़ियों के साथ रहना सीख लिया है। अब लोग शिकारी पशुओं के साथ पारिस्थितिकी में रहना सीख चुके हैं और हमें उनके अनुभवों को यूरोप और दूसरे स्थानों पर भी क्रियान्वित कर सकते हैं।

● आपका वन्यजीव फिल्म निर्माण के व्यवसाय में आना किस प्रेरणा के चलते संभव हुआ?

मैं बचपन से ही प्रकृति के सानिध्य में रहना पसंद करती थी। मैं चीजों को ध्यान से देखने, कीड़ों को पकड़ने, उन्हें घर लाने जैसे काम करती रहती थी जिससे मेरी मां बहुत डरती थीं। ये मुझमें वंशानुगत होगा क्योंकि मैं निरंतर इसी दिशा में सोचा करती थी। इसके अलावा मैं कहानी कहने में रुचि रखती हूं जबकि फिल्म निर्माण की तकनीक आदि से मैं दूर ही रहती आई हूं। ऐसे में दोनों बातों को पूरा करने के लिए ही मैं वन्यजीवन पर आधारित फिल्में बनाने के क्षेत्र में आयी। और मेरा मानना है कि आप वन्यजीवन पर अच्छी फिल्मों का निर्माण तब तक नहीं कर सकते जब तक आप इसे एक अच्छी कहानी का रूप नहीं देते और इस बात को रेखांकित नहीं करते कि हमारी प्रकृति संकट के दौर से गुजर रही है। हमें आज इसकी ओर अधिक ध्यान देना होगा।

● क्या आप भारतीय दर्शकों को किसी प्रकार का संदेश देना चाहती हैं?

मुझे लगता है कि भारत से हम और देशों की अपेक्षा अधिक आशा रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की स्थिति भयावह स्थिति में है। लेकिन प्रकृति में संभावना है और सभी लोग अपनी अपनी भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। हम गांवों, नगरों और खेती के दौरान इन बातों का ध्यान रख सकते हैं। हमारी प्रकृति हर बात के लिए आपकी कृतज्ञ होगी, फिर चाहे आप सबसे सूक्ष्म योगदान ही क्यों न करें। आपके प्रयासों से आपको और हम सभी को रहने के लिए एक न एक दिन एक स्वस्थ ग्रह अवश्य उपलब्ध हो सकेगा।

(शो 12 अप्रैल को सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर रात 9 बजे प्रीमियर होगा)

रोहित शर्मा ने गैंडों के संरक्षण की अपील की

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उदघाटन मैच में एक सींग वाले गैंडों के तस्वीरों वाले जूते पहनकर दुनिया से विलुप्ति होती इस प्रजाति के संरक्षण की अपील की। रोहित ने इस आईपीएल में एक सींग वाले गैंडों या भारतीय गैंडों के संरक्षण के लिए आईपीएल के दौरान यह विशेष तरीका अपनाया है। इस सलामी बल्लेबाज ने विशेष तरह के जूते पहने हुए थे जिसमें इस संकटग्रस्त प्रजाति की तस्वीरें बनी हुई थी। मौजूदा चैंपियन मुंबई एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दो विकेट से हार गया था। रोहित ने ट्वीट किया , कल जब मैं मैदान पर उतरा तो मेरे लिए यह एक मैच से अधिक था। क्रिकेट खेलना मेरा सपना था और दुनिया को बेहतर बनाने की दिशा में हम सभी को मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा , यह विषय मेरे दिल के काफी करीब है और इसलिए यह मेरे लिए खास पल था। हर कदम मायने रखता है। भारतीय गैंडे शिकार, पर्यावास के अभाव , आंतरिक प्रजनन और बीमारियों जैसे खतरों से जूझ रहे हैं।

99 सॉन्स को रिलीज करने पर रहमान ने कहा, डर है पर फिल्म की कामयाबी सिने जगत की सफलता होगी

मुंबई। जाने-माने संगीतकार ए आर रहमान ने कहा है कि महामारी के दौरान जब लोग अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में वह अपने प्रोड्क्शन की पहली फिल्म 99 सॉन्स रिलीज कर रहे हैं और इस पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि फिल्म की कामयाबी से सिने जगत को प्रोत्साहन मिलेगा।

रहमान ने यह भी कहा कि इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। यह महाराष्ट्र को छोड़कर समूचे भारत में रिलीज की जाएगी। दरअसल, कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने सप्ताहांत पर लॉकडाउन लगा दिया है।

इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

रहमान ने चेन्नई से जूम के माध्यम से पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, डर है... हर कोई हैरत कर रहा है कि वह कैसे अभी फिल्म रिलीज कर रहे हैं, क्या वह मूर्ख हैं? लेकिन मेरे ख्याल से, फिल्म रिलीज करनी है और लोगों को इसे बड़े पर्दे पर देखने की जरूरत है। रहमान (54) ने महाराष्ट्र में लॉकडाउन की घोषणा होने से एक हफ्ता पहले साक्षात्कार दिया था।

संगीतकार का मानना है कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कामयाबी का असर मनोरंजन क्षेत्र पर होगा जो महामारी के कारण बुरी तरह से प्रभावित है। उन्होंने कहा, इस वक्त लोगों को फिल्मकारों और निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। कई लोग उम्मीद खो रहे हैं, परेशान हैं और भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। रहमान ने कहा, हमें इसे रिलीज करने का साहस जुटाने पर गर्व है और उम्मीद है कि लोग मास्क लगाकर आएंगे तथा सुरक्षित रहेंगे और फिल्म का आनंद लेंगे। 99 सॉन्स का निर्देशन विश्वेश कृष्णमूर्ति कर रहे हैं और फिल्म के सह-लेखक एवं निर्माता रहमान हैं। उन्होंने फिल्म में संगीत भी दिया है। इस फिल्म से इहान भट और एडिलेसी वर्गस अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

महाभारत में इंद्र का किरदार अदा करने वाले सतीश कौल नहीं रहे

लुधियाना। महाभारत धारावाहिक समेत कई फिल्मों एवं शो में नजर आ चुके पंजाब के अभिनेता सतीश कौल का कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के चलते शनिवार को यहां निधन हो गया। वह 74 साल के थे। कौल की बहन सत्या देवी के अनुसार छह दिन पहले बुखार होने पर उन्हें यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सत्या देवी ने पीटीआई-भाषा से कहा, अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के चलते आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें बुखार था और वह ठीक नहीं थे। हमने उन्हें बृहस्पतिवार को अस्पताल में भर्ती कराया था और उनकी जांच करवाई थी, जिसमें सामने आया था कि वह कोविड-19 से संक्रमित हैं।

कौल के परिवार में उनकी बहन हैं। वह बी आर चोपड़ा के महाभारत में देवराज इंद्र की भूमिका के लिए लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने प्यार तो होना ही था , आंटी नंबर वन समेत 300 से अधिक पंजाबी एवं हिंदी फिल्मों में काम किया था। उन्होंने टीवी शो विक्रम और बेताल में भी काम किया था। कौल 2011 में मुम्बई से पंजाब आ गए और उन्होंने अभिनय का एक स्कूल खोला लेकिन उनकी यह कोशिश सफल नहीं रही।

2015 में उनकी कमर की हड्डी टूट गई थी और वह करीब ढाई साल तक बिस्तर पर पड़े रहे। बाद में वह एक वृद्धाश्रम चले गए और वहां 2019 तक रहे। फिर वह एक किराए के मकान में आकर रहने लगे।

पिछल साल मई में उन्होंने कहा था कि वह लॉकडाउन के दौरान दवाइयों, किराना के सामान एवं मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने फिल्मोद्योग से मदद की अपील की थी।